THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 267 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.4 2081 गुरुवार, 19 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

आप सांसद संजय सिंह की मुश्किलें बढ़ीं

गोवा के सीएम की पत्नी ने 100 करोड़ की मानहानि का ठोका मुकदमा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत की पत्नी सुलक्षणा सावंत ने संजय सिंह के खिलाफ 100 करोड़ का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। संजय सिंह ने इस महीने की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गोवा में कैश-फॉर-जॉब्स घोटाले में कथित तौर पर सुलक्षणा सावंत का नाम लिया था। सुलक्षणा सावंत ने संजय सिंह के खिलाफ गोवा के बिचोलिम में सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया।

बिना किसी विश्वसनीय सबूत के लगाए आरोप

एक आधिकारिक प्रेस नोट के अनुसार संजय सिंह ने सुलक्षणा सावंत को गोवा में कैश-फॉर-जॉब्स घोटाले से जोड़ा, जिसमें दावा किया गया कि वह भ्रष्ट आचरण में शामिल थीं। आरोपों में कहा गया है, इन बयानों को कई राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार चैनलों पर लाइव प्रसारित किया गया और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर व्यापक रूप से शेयर किया गया, जहां उन्हें काफी देखा गया। मानहानि के मुकदमे में दावा किया गया है कि ये झूठे आरोप बिना किसी विश्वसनीय सबूत के लगाए गए थे, जिससे सुलक्षणा सावंत की ईमानदारी और सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचा है। संजय सिंह द्वारा दिए गए बयान न केवल नुकसानदायक थे, बल्कि उन्हें बड़े पैमाने पर प्रसारित और साझा भी किया गया, जिससे झूठे आरोपों को बढ़ावा मिला।

10 जनवरी 2025 को देना है जवाब

प्रेस नोट में कहा गया, यह मानहानि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुई, जिसमें संजय सिंह ने सुलक्षणा सावंत की ईमानदारी और घोटाले में उनकी संलिप्तता के खिलाफ सीधे आरोप लगाए, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। सुलक्षणा सावंत ने 100 करोड़ की मानहानी का मुकदमा दायर किया है। इसपर संज्ञान लेते हुए दीवानी मामलों के न्यायाधीश ने सुनवाई की और संजय सिंह को नोटिस जारी किया, जिसका जवाब 10 जनवरी 2025 को देना है।

सार्वजनिक बयान देने से रोकने की अपील

सुलक्षणा सावंत ने अपने वकीलों के माध्यम से अदालत से अनुरोध किया कि वह सिंह को एक माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दे, जिसमें स्पष्ट किया जाए कि उक्त मानहानिकारक वीडियो/लेख और साक्षात्कार झूठे हैं, तथ्यों पर आधारित नहीं हैं और वह बिना शर्त माफी मांगते हैं। शिकायतकर्ता ने अदालत से यह भी आग्रह किया कि सिंह को सोशल मीडिया या व्हाट्सएप, फेसबुक, यूट्यूब और ट्विटर जैसे अन्य मंचों पर उन्हें बदनाम करने वाले किसी सार्वजनिक बयान को देने से रोका जाए। गोवा में कई अभ्यर्थियों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें कुछ लोगों को लाखों रुपये देने के लिए मजबूर किया गया, जिन्होंने गोवा सरकार में नौकरी दिलाने का वादा किया था। मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य पुलिस कथित नकदी के बदले नौकरी घोटाले की पारदर्शी तरीके से जांच कर रही है।

झूले में फंस गई लड़की, चमड़ी समेत उखड़ गए सिर के बाल

टीकमगढ़, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। टीकमगढ़ में एक मेले में दर्दनाक घटना हुई है। एक 13 साल की बच्ची का बाल झूले में फंस गया। बाल इस तरह उलझा कि निकालने में सिर की चमड़ी और बाल उखड़ गए। बच्ची को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है। यह घटना टीकमगढ़ जिले में बागराज माता मंदिर के पास आयोजित मेले में हुई है। जिस झूले पर यह घटना हुई वह हाथ से चलने वाली थी। झूला चलाने वाला भी इसमें घायल हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना रविवार को दोपहर 3 बजे हुई। यह बच्ची अपने माता-पिता के साथ मेले में आई थी। बाकी बच्चों की तरह वह भी हाथ से चलने वाले झूले में बैठी लेकिन उसे नहीं पता था कि वह हादसे का शिकार हो जाएगी। इस दौरान लड़की का बाल तेजी से घूम रहे झूले में फंस गया। वह जोर-जोर से चीखने लगी। लोग बचाने के लिए दौड़े और संचालक ने झूला रोकने की भी कोशिश की। जब तक झूला रुकता बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई थी। उसके सिर के बाल उखड़ गए। बच्ची को तुरंत टीकमगढ़ के अस्पताल ले जाया गया

सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर टली सुनवाई

साल 2016 में सुरजागढ़ खदान में आगजनी का है आरोप

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को साल 2016 के सुरजागढ़ लौह अयस्क खदान आगजनी मामले में सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई टाल दी। दरअसल गाडलिंग की ओर से पेश वकील ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा दायर जवाब पर विचार करने के लिए समय देने की मांग की। जिसके बाद न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने मामले पर सुनवाई जनवरी के दूसरे सप्ताह तक के लिए स्थगित कर दी।

हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी जमानत याचिका

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 10 अक्टूबर, 2023 को नोटिस जारी कर महाराष्ट्र सरकार से गाडलिंग की याचिका पर चार सप्ताह के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया था। 31 जनवरी 2023 को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने गाडलिंग को जमानत देने से मना कर दिया था। इसके खिलाफ गाडलिंग ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। गाडलिंग पर आरोप है कि उसने 25 दिसंबर 2016 को माओवादियों के साथ मिलकर महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में सुरजागढ़ खदान में लौह अयस्क की ढुलाई के लिए लगे 76 वाहनों में कथित तौर पर आग लगा दी थी।

घी मांगने पर आग बबूला पति ने कुल्हाड़ी से कर दिया पत्नी पर हमला

ग्वालियर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। ग्वालियर में पति से पत्नी को बेटी को खिलाने के लिए घी मांगना महंगा पड़ गया। घी मांगने पर पति इतना नाराज हो गया कि उसने पत्नी के सिर में कुल्हाड़ी से हमला कर घायल कर दिया। घायल पत्नी का आरोप है कि पति उसे और उसकी 3 साल की बेटी को घी खाने के लिए नहीं देता और घी को ताले में बंद कर रखता है। घायल महिला अपनी बेटी के साथ इसकी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस अधिकारी ने उसकी शिकायत पर जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। पुलिस ने बताया कि ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के किशनबाग में रहने वाली सीमा शाक्य अपने पति वीरेंद्र शाक्य के साथ रहती है।

अब करके दिखाओ

विमान को दी उड़ाने की धमकी तो एक करोड़ रुपए का लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। एयरलाइन्स और एयरपोर्ट्स को बम की धमकी देने वाले फर्जी कॉल करने वाले बदमाशों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में डाला जाएगा। इसके साथ ही उन पर 1 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर किसी संगठन को फर्जी धमकियों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, तो जुर्माना 1 करोड़ रुपए तक हो सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने फर्जी कॉल की एक श्रृंखला के बाद जुर्माने का प्रावधान करने के लिए विमान (सुरक्षा) नियम 2023 में संशोधन किया है। इसमें बदलाव के पीछे की वजह है इस साल ज्यादा संख्या में भेजी जाने वाली धमकियों के कारण किया गया है। समय-समय पर इस तरह के अफवाह फैलाने से बहुत सी असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, साथ ही लोगों में इसके प्रति पैनिक सी स्थिति भी पैदा होती है। 9 दिसंबर को इसके लिए अधिसूचना जारी की गई थी। विमान (सुरक्षा) नियमों में संशोधन करके दो कार्रवाइयों का प्रावधान किया है और ये नियम अब से प्रभावी हुए हैं। 29ए विमान में प्रवेश का सुरक्षित अधिकार देता है। महानिदेशक (बीसीएएस) के मुताबिक, यदि वो संतुष्ट हैं कि सुरक्षा के हित में ऐसा करना जरूरी है, तो ऐसे किसी भी शख्स को प्रवेश देने से इनकार कर सकते हैं इसके लिए लिखित रूप में ऐसे निर्देश भी जारी कर सकते हैं। शामिल किए गए नियम 30ए में कहा गया है कि झूठी सूचना फैलाने पर पूरी तरह से रोक है। ऐसा कोई भी शख्स नहीं करेगा, जिससे किसी फ्लाइड या एयरपोर्ट पर नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को खतरे में डाल दे।

9वीं क्लास की छात्रा ने बच्ची को दिया जन्म

हल्द्वानी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हल्द्वानी में एक नाबालिग मां बन गई। उसने स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। उधर परिजनों की ओर से शिकायत न होने पर पुलिस ने सुशीला तिवारी की ओर से मिली प्राथमिक सूचना रिपोर्ट पर पॉक्सो में मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही बच्ची को सुशीला तिवारी के एनआईसीयू में ही रखा गया है। मां-बेटी कुछ बताने को तैयार नहीं हैं। मुरादाबाद निवासी एक महिला अपनी तीन पुत्री और एक बेटे के साथ मुखानी थाना क्षेत्र में किराए में रह रही है। महिला का पति शराब का आदि है। उधर महिला घरों में काम करके अपनी लड़कियों को एक अच्छे पब्लिक स्कूल में पढ़ाती है। आठ दिसंबर को महिला की 16 साल की बेटी जो मुखानी क्षेत्र के एक पब्लिक स्कूल में कक्षा नौ की छात्रा है उसने सुशीला तिवारी अस्पताल में स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। बच्चे के जन्म के बाद जब सुशीला तिवारी ने बच्ची का आधार कार्ड और अन्य डॉक्यूमेंट मांगे तो पता चला कि छात्रा नाबालिग है।

स्टील कंपनी के मालिक संजय सुरेखा अरेस्ट

घर में सोने का खजाना देख ईडी अधिकारियों के उड़े होश

कोलकाता, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। स्टील कंपनी के मालिक संजय सुरेखा को ईडी ने गिरफ्तार किया है। इस कारोबारी को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर 16 बैंकों से 6000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने का आरोप है। क्या यह पैसा किसी तरह विदेश में तस्करी किया गया है? जांच एजेंसी इसी पर गौर कर रही है। बता दें कि कल ईडी की छापेमारी में उनके कोलकाता में स्थित घर से 4.5 करोड़ रुपये के सोने का आभूषण और लग्जरी कारें जब्त की गईं। आज दोपहर उन्हें ईडी के स्पेशल कोर्ट पर प्रोड्यूस किया जाएगा।

बैंकों से लिया था 6 हजार करोड़ का लोन

ईडी ने सुरेखा से जुड़े 10 ठिकानों पर छापेमारी कि जिसमें बालीगंज में उनका आवास भी शामिल है, जहां से सोने के आभूषण और कई विदेशी निर्मित लग्जरी कारें जब्त की गईं। सूत्रों के अनुसार, यह गिरफ्तारी देश भर में कम से कम 16 बैंकों से जुड़े 6,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी की जांच का हिस्सा है। सूत्रों ने खुलासा किया कि सुरेखा ने कई खातों और दावों के माध्यम से 6,000 करोड़ रुपये का ऋण लिया, लेकिन उसे चुकाने में विफल रहे।

लग्जरी कारें जब्त

ईडी एक साल से अधिक समय से इस धोखाधड़ी मामले में सुरेखा की भूमिका की जांच कर रहा था। पूछताछ के दौरान, वह धन के दुरुपयोग और जब्त किए गए आभूषणों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। इसके अलावा, सुरेखा अपने आवास पर मिले कीमती सामान के लिए वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका।

कठुआ में दर्दनाक हादसा, दम घुटने से छह लोगों की मौत, चार बेसुध

जम्मू, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में दर्दनाक हादसा हुआ है। कठुआ में एक घर में भीषण आग लग गई। दम घुटने से छह लोगों की मौत हो गई है। जबकि चार लोग बेसुध हैं। चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, कठुआ के शिवा नगर में सेवानिवृति डीएसपी अवतार कृष्ण पुत्र केशव रैना (81) के घर मंगलवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। दम घुटने से घर में सो रहे छह लोगों की मौत हो गई। इनमें कई बच्चे शामिल हैं। जबकि चार बेसुध बताए जा रहे हैं। चारों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में सेवानिवृत्त डीएसपी भी शामिल हैं। तीन लोगों को घर से रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जबकि रेस्क्यू के दौरान एक पड़ोसी भी घायल हुआ। घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है। जीएमसी कठुआ के प्रधानाचार्य सुरिंदर अत्री के अनुसार, मौत प्रथम दृष्टया दम घुटने की वजह से हुई है। मृतकों में चार नाबालिग हैं, इनमें से दो तो तीन से चार साल के बच्चे हैं। अत्री ने बताया कि सेवानिवृत्त सहायक मैट्रन के किराए के घर में आग लगी है। 10 लोगों में से छह की मौत हो गई और चार घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शवों को बाहर निकाला जाएगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू और कश्मीर के कठुआ शहर के शिव नगर क्षेत्र में एक घर में आग लगने से छह लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा शिव नगर क्षेत्र, कठुआ शहर में आग की घटना में एक परिवार के 6 सदस्यों की आकस्मिक मृत्यु के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा मृतक परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थनाएं है।

उमर खालिद को मिली अंतरिम जमानत

कितने दिन जेल से रहेंगे बाहर?

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद को बुधवार को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली स्थित कड़कड़डूमा कोर्ट ने उन्हें सात दिनों की अंतरिम जमानत दी। कोर्ट ने उमर खालिद को 28 दिसंबर से 3 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी है। उमर खालिद ने अपने मौसेरे भाई और बहन की शादी में शामिल होने के लिए 10 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। दिसंबर की शुरुआत में उमर खालिद और मीरन हैदर ने समानता, मुकदमें में देरी और लंबी कैद का आधार बनाकर भी जमानत मांगी थी। इस मामले में पुलिस ने जवाब पेश करने के लिए समय की मांग की थी। 2020 दिल्ली दंगा में 53 लोगों की मौत हो गई थी 700 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद उमर खालिद को 13 सितंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था। वह चार साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं।

उमर खालिद पर लगे हैं ये आरोप

उमर खालिद ने सुप्रीम कोर्ट में भी जमानत याचिका दाखिल की थी लेकिन कोर्ट ने उन्हें सलाह दी थी कि वह निचली अदालत का रुख करे। इसके बाद उमर ने अपनी याचिका वापस ले ली थी। खालिद पर आईपीसी, 1967 आर्म्स एक्ट और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा भी आईपीसी की विभइन्न धाराओं के तहत भी आरोप दर्ज हैं।

शरजील इमाम को अब तक नहीं मिली जमानत

अब तक उमर के मामले में कई दौर की सुनवाई हो चुकी है और कई बार याचिकाएं भी खारिज हुई है तो कभी जजों ने ही खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। दिल्ली दंगे के एक अन्य आरोपी शरजील इमाम को जमानत नहीं मिल पाई है। उसने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था लेकिन हाई कोर्ट में मामला लंबित होने पर सुप्रीम कोर्ट में जमानत पर सुनवाई नहीं हो पाई।

दिल्ली में दिखी चमगादड़ की दुर्लभ प्रजाति लंबे कान, दो रंग और बड़ा आकार

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली में चमगादड़ की दुर्लभ प्रजाति देखी गई। डीडीए यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में इस चमगादड़ की प्रजाति को देखा गया। इसे रॉटन फ्री-टेल्ड बैट कहा जाता है। जैव विविधता विशेषज्ञ फैयाज ए खुदसर ने कहा- यह प्रजाति आमतौर पर वैश्विक स्तर पर केवल तीन स्थानों पर पाई जाती है। पश्चिमी घाट में, मेघालय की जैन्तिया हिल्स में और कंबोडिया में। दिल्ली में चमगादड़ का मिलना बेहद हैरान कर देने वाला है। खुदसर ने बताया- रॉटन फ्री-टेल्ड बैट, जिसका पहली बार वर्णन 1913 में ब्रिटिश प्राणी विज्ञानी डॉ। एम आर ओल्डफील्ड थॉमस द्वारा किया गया था। इसकी खास बात ये है कि यह आम चमगादड़ों से आकार में कहीं ज्यादा बड़ा होता है। इसके कानों का आकार भी अलग होता है। मखमली फर होते हैं और दो रंगों का इनमें मिश्रण होता है। सबसे खास बात है कि इस चमगादड़ की पूंछ नहीं होती। ये चमगादड़ तगड़े और शक्तिशाली उड़ान भरने वाले होते हैं। ये कीटभक्षी होते हैं और पंखों पर अपना भोजन पकड़ते हैं। ये गुफाओं और अंधेरी सुरंगों में रहते हैं। कुछ प्रजातियां छोटे समूहों में रहती हैं, जबकि कुछ विशाल कॉलोनियां बनाकर रहती हैं। खुदसर ने आगे बताया- दिल्ली में चमगादड़ों की पहले 13 प्रजातियां पाई जाती थीं। अब यह संख्या 14 हो गई है। इनमें, भारतीय उड़न लोमड़ी, छोटी नाक वाला फलभक्षी चमगादड़, फुलवस फलभक्षी चमगादड़, माउस-टेल्ड चमगादड़, भारतीय पिपिस्ट्रेल और लीस्ट पिपिस्ट्रेल शामिल हैं।

राज्यपाल के खिलाफ प्रदर्शन मामले में चार एसएफआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में सत्तारूढ़ माकपा की छात्र शाखा स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी केरल विश्वविद्यालय सीनेट परिसर में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के खिलाफ किए गए विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में की गई। कैंटोनमेंट पुलिस ने बताया कि उन्हें मंगलवार शाम को गिरफ्तार किया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एसएफआई के 100 से अधिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनमें से चार की गिरफ्तारी की गई और उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। मामला गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने, बिना अनुमति के मार्च निकालने आदि के लिए दर्ज किया गया है। दरअसल, शहर के मध्य में स्थित सीनेट परिसर में वामपंथी छात्र संघ का नाटकीय विरोध प्रदर्शन देखने को मिला था। पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था किए जाने के बावजूद एसएफआई कार्यकर्ताओं ने परिसर के बंद गेटों को जबरन खोल दिया और सीनेट हॉल की ओर भागे, जहां राज्यपाल सेमिनार में भाग ले रहे थे। हालांकि, पुलिस ने सेमिनार हॉल के दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दीं और प्रदर्शनकारियों को अंदर जाने से रोक दिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ मामूली झड़प हुई। बाद में एसएफआई कार्यकर्ताओं ने सीनेट हॉल के प्रवेश द्वार पर धरना दिया और परिसर में विरोध मार्च निकाला। बाद में राज्यपाल आरिफ खान ने विरोध प्रदर्शन को लेकर पुलिस की आलोचना की। जब पत्रकारों ने पूछा कि प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया, तो गुस्से में उन्होंने उनसे कहा कि वे शहर के पुलिस आयुक्त से सवाल पूछें। सत्तारूढ़ सीपीआई(एम) और एसएफआई का पिछले कुछ समय से विभिन्न मुद्दों पर राज्यपाल के साथ टकराव चल रहा है।

चाय की केतली लेकर कांग्रेस विधायकों का अनोखा प्रदर्शन

भोपाल, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में चाय की केतली और बैनर, पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधायकों ने युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया यह प्रदर्शन नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस के विधायकों द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा में गांधी प्रतिमा के पास किया गया।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और कांग्रेस के विधायकों ने हाथ में चाय की केतली और गिलास लेकर सरकार पर बेरोजगारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए।

भैंस और बुलबुल की लड़ाई को लेकर बनाई गई असम सरकार की एसओपी रद्द, हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

गुवाहाटी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। असम में भैंसों और बुलबुल पक्षियों की लड़ाई के खेल के आयोजन को लेकर राज्य सरकार की ओर बनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की एसओपी विभिन्न वन्यजीव संरक्षण कानून का उल्लंघन है। भैंसों और बुलबुल पक्षी की लड़ाई का खेल सदियों से असम की संस्कृति और परंपरा का एक अभिन्न अंग रही है। यह कार्यक्रम अहोम शासन के दौरान विशेष रूप से रंग घर में औपचारिक रूप से आयोजित किया गया था। यह मुख्य रूप से माघ बिहू उत्सव के दौरान मनाया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने जानवरों को पहुंचने वाली चोटों को ध्यान में रखते हुए इस तरह की प्रथाओं को अस्वीकार कर दिया था। साल 2014 से इसे बंद कर दिया गया था। दोनों कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के पालन के तहत इस साल जनवरी में फिर से शुरू किए गए थे। हाईकोर्ट में जस्टिस देवाशीष बरुआ की पीठ ने पेटा इंडिया द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में असम सरकार की एसओपी को रद्द कर दिया। पीठ ने कहा कि भैंस और बुलबुल की लड़ाई के खेल के लिए दिसंबर 2023 में राज्य सरकार की ओर से बनाई गई एसओपी विभिन्न वन्यजीव संरक्षण कानून और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि असम सरकार को इन लड़ाई के खेलों को अनुमति देने के लिए कानूनों में संशोधन करना चाहिए था।

अन्य राज्यों ने भी यही किया है। मगर कार्यकारी आदेश जारी करके मौजूदा प्रावधानों पर काबू पाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि दिसंबर 2023 की अधिसूचना को रद्द किया गया है। असम राज्य को पशु कल्याण के लिए अधिनियमों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील दिगंता दास ने अदालत में कहा कि भैंस और बुलबुल की लड़ाई पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 का उल्लंघन करती है। इसके अलावाबुलबुल की लड़ाई वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 का भी उल्लंघन करती है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि भयभीत और गंभीर रूप से घायल भैंसों की पहले पिटाई की जाती है और फिर लड़ने के लिए मजबूर किया जाता है। जबकि भूखे और नशे में धुत बुलबुल को भोजन के लिए लड़ने के लिए मजबूर किया गया था।

वन नेशन-वन इलेक्शन पर संजय राउत का बड़ा बयान

'जिस व्यक्ति के लिए ये बिल लाया जा रहा है, वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगा'

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। वन नेशन-वन इलेक्शन पर शिवसेना-यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हमने इसका विरोध किया है, हमारे देश का जो संघीय संरचना है उसको खत्म करने की ये कोशिश है। पूरे एक व्यक्ति के हाथ में पूरे देश और राज्य की सत्ता रहे उसके लिए ये बिल लाया गया है, लेकिन जिस व्यक्ति के लिए ये बिल लाया जा रहा है, वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगा। संजय राउत ने कहा कि बीजेपी के बैंक खाते में 10,000 करोड़ रुपये कहां से आए? पहले इसका हिसाब दीजिए फिर खर्चे की बात करिए। चुनाव में सबसे ज्यादा खर्च करने वाली पार्टी बीजेपी है। इसके अलावा शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, वहां वोटिंग हुई जिसमें तय हुआ कि इसे पेश किया जाए या सीधे जेपीसी के पास भेजा जाए। उस वोटिंग में खुद बीजेपी के 20 सांसद गायब पाए गए थे। इससे पता चलता है कि व्हिप जारी करने के बावजूद उनके पास जिस तरह का नियंत्रण था, लोगों ने उसकी अवहेलना करना चुना। उन्होंने कहा, ये अपने आप में एक बड़ी कहानी है इसलिए, इस विधेयक को लाने में दो-तिहाई बहुमत के बारे में सोचने से पहले, उन्हें खुद को इस शर्मिंदगी से बचाना चाहिए ताकि इस तरह का मतदान पैटर्न दोहराया न जाए। एक राष्ट्र एक चुनाव जेपीसी के पास चला गया है। हम जानते हैं कि यह देश के संघीय ढांचे के खिलाफ है, यह इस देश के संविधान के खिलाफ है और हम इसके खिलाफ लड़ना जारी रखेंगे। हमें उम्मीद है कि जेपीसी एक राष्ट्र एक चुनाव के बारे में बात करने से पहले उस पर चर्चा करेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बीजेपी गडकरी-सिंधिया समेत 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया और गिरिराज सिंह समेत 20 सांसदों को नोटिस भेजेगी। ये सांसद मंगलवार को 'एक देश, एक चुनाव' (ओएनओई) बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद नहीं थे। बीजेपी ने 3 लाइन का व्हिप जारी करके पार्टी के सभी सांसदों को बिल पेश होने के दौरान लोकसभा में मौजूद रहने के निर्देश दिए थे। इसकी अवहेलना करने पर सांसदों को नोटिस भेजकर कारण पूछा जाएगा। हालांकि अभी इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन सभी सांसदों ने पार्टी को अपनी अनुपस्थिति के बारे में पहले से सूचित किया था या नहीं।

वर्ष-29 अंक : 267 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.4 2081 गुरुवार, 19 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

अमित शाह का पलटवार

कांग्रेस अंबेडकर और आरक्षण विरोधी

> मेरी बात को तोड़मरोड़कर पेश किया, हल्ला मचाया

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में अंबेडकर को लेकर अपनी टिप्पणी पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकसभा-राज्यसभा में पक्ष और विपक्ष होते हैं तो हर मुद्दे पर लोगों का नजरिया और दलों का नजरिया अलग होता है। मगर संसद में बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। कल से कांग्रेस ने तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा है।

शाह ने कांग्रेस के बयानों और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद बुधवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस अंबेडकर विरोधी पार्टी है, आरक्षण विरोधी है, संविधान विरोधी है। पार्टी ने सावरकर का भी अपमान किया, आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दीं, नारी सम्मान को भी सालों दरकिनार किया, न्यायपालिका का अपमान किया, शहीदों का अपमान किया, भारत की भूमि को संविधान तोड़कर विदेशी ताकतों को देने की हिमाकत की।' इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि गृह मंत्री अमित शाह को रात 12 बजे से पहले बर्खास्त कर दें। खड़गे ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी को बुधवार शाम करीब साढ़े चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी और शाह एक-दूसरे के पापों और बातों का बचाव करते हैं। दरअसल, गृह मंत्री शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान कहा था, अभी एक फैशन हो गया है। अंबेडकर, अंबेडकर... इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।' कांग्रेस ने इसे अंबेडकर का अपमान बताते हुए शाह के इस्तीफे की मांग की है। अमित शाह ने कहा कि कल से कांग्रेस ने तथ्यों को तोड़ा-मरोड़ा है ये निंदनीय है। ये क्यों हुआ। कल से कांग्रेस ने फिर पुरानी परंपरा को अपनाते हुए सत्य को असत्य के कपड़े पहनाकर समाज में भ्रम फैलाने का काम किया। >14

आंबेडकर पर टिप्पणी मामले में बरसे खरगे

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गृह मंत्री अमित शाह को टोकने के बजाय उनका समर्थन किया। खरगे ने कहा कि दोनों बड़े गहरे दोस्त हैं, एक-दूसरे के पाप को धोते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा, आंबेडकर पूरे देश के लिए पूज्यनीय हैं, ये लोग संविधान को नहीं मानते हैं। भाजपा मनुस्मृति की बात करती है। >14

अंडमान और निकोबार द्वीपों का नाम हमारे नायकों पर रखने से आने वाली पीढ़ियां रखेंगी याद : पीएम

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि अंडमान और निकोबार के द्वीपों का नाम हमारे नायकों के नाम पर रखना यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को आने वाली पीढ़ियां याद रखें।

पत्रकार शिव अरूर की ओर से सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, अंडमान और निकोबार में द्वीपों का नाम हमारे नायकों के नाम पर रखना यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा को आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाए। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और उन प्रतिष्ठित हस्तियों की स्मृति को संरक्षित करने के प्रयास का भी हिस्सा है, जिन्होंने हमारे देश पर एक अमिट छाप छोड़ी है। पीएम मोदी ने आगे लिखा, जो राष्ट्र अपनी जड़ों से जुड़े रहते हैं, वे ही विकास और राष्ट्र-निर्माण में आगे बढ़ते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का भी आनंद लें। सेलुलर जेल भी अवश्य जाएं और महान वीर सावरकर के साहस से प्रेरणा लें। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 23 जनवरी 2023 को अंडमान के 21 द्वीपों के नाम भारत के सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित सैनिकों के नाम पर रखे गए थे। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था, 21 द्वीपों के नामकरण के पीछे एक संदेश हैं। यह संदेश 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का है। यह संदेश देश के लिए हमारे परमवीरों के बलिदान और उनके अद्वितीय साहस और वीरता का है। इन 21 परमवीर चक्र विजेताओं ने देश की सेवा में अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया।

एनएचआरसी के नए अध्यक्ष को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में बैठक

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली समिति ने बुधवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अगले अध्यक्ष का चयन करने के लिए बैठक की। वहीं इस बैठक को लेकर सूत्रों ने बताया कि, इस समिति में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के सांसद राहुल गांधी ने क्रमशः राज्यसभा और लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बैठक में भाग लिया।

न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अरुण कुमार मिश्रा के 1 जून को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद से एनएचआरसी अध्यक्ष का पद खाली है। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा ने अधिकार समिति के आठवें अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और जून 2021 में उन्हें इसके शीर्ष पद पर नियुक्त किया गया।

'सीधे हमारे पास आएं प्रदर्शनकारी'

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसानों के लिए हमारे दरवाजे हमेशा खुले हैं। वे सीधे अपने सुझाव या मांगें लेकर हमारे पास आ सकते हैं या अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत पर भी पंजाब सरकार से जवाब मांगा। >14

'लेटरल एंट्री के जरिए केंद्र के साथ काम कर रहे 51 विशेषज्ञ'

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बुधवार को केंद्र सरकार की ओर से लोकसभा में बताया गया कि लेटरल एंट्री मोड के तहत चुने गए 51 विशेषज्ञ फिलहाल केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में काम कर रहे हैं। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक लिखित जवाब में बताया कि 2018 में लेटरल भर्ती की शुरुआत के बाद से अब तक विभिन्न सरकारी विभागों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव स्तर पर 63 नियुक्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि अब तक 51 अधिकारी मंत्रालयों और विभागों में अपने पदों पर कार्यरत हैं।

इसके साथ ही सवाल-जवाब की प्रकिया में जब उनसे यह पूछा गया कि क्या सरकार ने अपने विभागों के कामकाज और दक्षता पर लेटरल एंट्री के प्रभाव का अध्ययन किया है? इसपर केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि समय-समय पर आंतरिक मूल्यांकन किए जाते हैं लेकिन ऐसा कोई विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। बीते दिनों केंद्र सरकार की तरफ से राज्यसभा को बताया गया था कि 2019 से 2023 तक लेटरल एंट्री मोड के माध्यम से केंद्र सरकार के कई विभागों में 63 विशेषज्ञों की नियुक्ति की गई है।

वन इलेक्शन जेपीसी के लिए प्रियंका का नाम

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। एक देश, एक चुनाव के लिए संसद में मंगलवार को पेश हुए 129वां संविधान (संशोधन) बिल की समीक्षा के लिए बनने वाली जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) में कांग्रेस की तरफ से प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हो सकती हैं। कांग्रेस ने जेपीसी के लिए चार सांसदों के नाम नॉमिनेट किए हैं। इनमें प्रियंका के अलावा मनीष तिवारी, रणदीप सिंह सुरजेवाला और सुखदेव भगत सिंह शामिल हैं। वहीं, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने साकेत गोखले और कल्याण बनर्जी का नाम आगे बढ़ाया है। बीते दिन बिल पेश किए जाने पर विपक्ष के विरोध को देखते हुए अमित शाह ने सदन में कहा कि बिल जब कैबिनेट में आया था, तब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजना चाहिए।

मायावती ने विधानसभा सत्र के बीच कर दी ये अपील

महाकुंभ को बताया बड़ा उपहार

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है। इस सत्र में समाजवादी पार्टी के विधायकों द्वारा पहले दिन तमाम मुद्दों को लेकर जमकर हंगामा हुआ है। हालांकि सरकार ने कहा है कि हम तमाम मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। इस बीच बीएसपी चीफ मायावती ने सोशल मीडिया के जरिए प्रतिक्रिया दी है। मायावती ने कहा, 'यूपी। में भी गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि से त्रस्त लोगों के हितों में यहाँ चल रहे विधानसभा सत्र में सरकार को कुछ ऐसी योजनाओं को भी शुरू करना चाहिये जिससे इनको थोड़ी राहत मिल सके।' उन्होंने आगे लिखा, 'ऐसा किये जाने पर फिर सरकार का यहाँ प्रयागराज के महाकुम्भ का इनके लिए बहुत बड़ा उपहार होगा। इससे फिर इनको कुछ हद तक राहत जरूर मिलेगी। इनकी ओर से पार्टी की यह खास अपील।' उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा, हमारे सारे बब्बर शेर डटे हैं निश्चित तौर पर अत्याचार और अन्याय के खिलाफ कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता डटकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जवाब देगा। आज किसानों के साथ जो अत्याचार हो रहा है, महिलाओं के साथ जो अत्याचार हो रहा है, हमारे बच्चे जलकर मर रहे हैं, आज किसानों का सामान नहीं खरीदा जा रहा है।

मकान मालिक-किराएदार विवाद में हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है कि मकान मालिक अपनी वास्तविक आवश्यकता का निर्णायक होता है। किरायेदार यह तय नहीं कर सकते कि मकान मालिक अपनी संपत्ति का उपयोग कैसे करे। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक आवश्यकता सिद्ध होने पर मकान मालिक की संपत्ति पर उनका अधिकार सर्वोपरि है। मामला एक दुकान का है, जिस पर किरायेदार याची श्याम सुंदर अग्रवाल का कब्जा था। उन्होंने मकान मालिक गीता देवी और उनके परिवार द्वारा दायर बेदखली प्रार्थना पत्र को चुनौती दी थी। मकान मालिक ने इस दुकान को अपने बेटों के लिए स्वतंत्र व्यवसाय स्थापित करने के लिए खाली कराने की मांग की थी क्योंकि परिवार के मुखिया के निधन के

बाद उनके जीवन-यापन का साधन सीमित हो गया था। किरायेदार के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि मकान मालिक के पास पहले से एक अन्य दुकान है और वे वहां संयुक्त व्यवसाय जारी रख सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि मकान मालिक की वास्तविक आवश्यकता का तर्क टिकाऊ नहीं है और मकान मालिक पर्याप्त वैकल्पिक व्यवस्था होने के बावजूद किरायेदार को बेदखल करना चाह रहे हैं। मकान मालिकों की ओर से अधिवक्ता शाश्वत आनंद ने तर्क दिया कि दुकान की आवश्यकता उनके बेरोजगार बेटों के लिए स्वतंत्र व्यवसाय स्थापित करने के लिए वास्तविक और आवश्यक है। उन्होंने कहा कि परिवार के मुखिया के निधन के बाद परिस्थितियां बदल गई हैं और बेटों के जीवन-यापन के लिए संपत्ति का उपयोग करना अनिवार्य हो गया है। कोर्ट ने किरायेदार के तर्कों को खारिज करते हुए कहा कि मकान मालिक अपनी संपत्ति की आवश्यकता का अंतिम निर्णायक होता है। कोर्ट ने शिव सरूप गुप्ता बनाम डॉ. महेश चंद्र गुप्ता के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि यह स्थापित कानूनी स्थिति है कि मकान मालिक हमेशा अपनी आवश्यकता का निर्णायक होता है और किरायेदार यह तय नहीं कर सकता कि संपत्ति का उपयोग कैसे किया जाए। कोर्ट ने कहा कि मकान मालिक द्वारा अपने बेटों के लिए स्वतंत्र व्यावसायिक स्थान प्रदान करने का निर्णय वास्तविक और उचित है। किरायेदार का यह सुझाव कि मकान मालिक संयुक्त व्यवसाय जारी रख सकता है, न केवल अप्रासंगिक है बल्कि ऐसा सुझाव देने का अधिकार भी किरायेदार को नहीं है।

यूपी विधानसभा सत्र

बिजली के निजीकरण पर सत्ता और विपक्ष में रार सदन में कांग्रेस नेता ने शिवपाल के छुए पैर

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल सत्र का आज तीसरा दिन है। सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई और विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर बिजली के निजीकरण के मुद्दे को लेकर सवाल उठाए। सपा नेता ने कहा कि हमारी सरकार में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ था। इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम किया गया था। आज ये स्थिति है कि निजीकरण किया जा रहा है। इससे बिजली महंगी हो जाएगी। इस पर ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने जवाब दिया और कहा कि योगी सरकार में करोड़ों लोगों को बिजली कनेक्शन दिए गए हैं और अब बिजली आना सिर्फ कुछ जिलों तक ही सीमित नहीं रह गया है। वहीं, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सभी दलों के नेता एक दूसरे से मिले। इस दौरान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के पैर छुए।

प्रखर गर्ग के घर ईडी का छापा

बांकेबिहारी कॉरिडोर के लिए 510 करोड़ एकत्र करने की अर्जी देकर चर्चा में आए

आगरा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। आगरा के बिल्डर प्रखर गर्ग के घर सुबह-सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने छापा मारा है। टीम के पहुंचने के साथ ही सभी की घर से आवाजाही रोक दी गई। इसके बाद टीम ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। कमला नगर थाना क्षेत्र के द्वारिकापुरम में रहने वाले बिल्डर प्रखर गर्ग के घर पर बुधवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने छापा मारा। ये टीम लखनऊ से जांच के लिए आई है। इसके साथ ही नोएडा और अन्य जगहों पर भी छापे की सूचना है।

ऐसे सुर्खियों में आए प्रखर

हाईकोर्ट में अर्जी देकर सुर्खियों में आए प्रखर ने कॉरिडोर निर्माण के लिए 510 करोड़ रुपये बांकेबिहारी भक्तों संग मिलकर इकट्ठा कराने की बात कही थी। एसएसपी मथुरा ने इस संबंध में आगरा पुलिस से प्रखर गर्ग के विरुद्ध दर्ज मुकदमों की जानकारी मांगी। जिसमें प्रखर गर्ग का आपराधिक इतिहास सामने आया।

जेल भी जा चुके हैं प्रखर गर्ग

प्रखर गर्ग जेल भी जा चुका है। जमानत पर बाहर है। जिन लोगों के साथ रकम के लेनदेन में धोखाधड़ी हुई वह प्रखर गर्ग के घर से लेकर पुलिस थानों व अदालतों में चक्कर काट रहे हैं।

विकासनगर में सड़क धंसने से लाखों लोग परेशान

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के विकासनगर की सड़क दो साल में पांच बार धंस चुकी है। इससे यहां रहने वाले लोग परेशान हैं। इस सड़क से प्रतिदिन करीब एक लाख से अधिक लोग आवाजाही करते हैं। चारबाग, महानगर जाने के लिए यही मेन रोड है। लेकिन ट्रैफिक डायवर्ट होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पावर हाउस चौराहा से लेकर शंकर भगवान के मंदिर तक दुकानदारों के साथ ही यहां रहने वाले लोग भी परेशान हैं। उनके कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। दुकानदारों का कहना है कि करीब 1 हजार दुकानों पर असर पड़ रहा है। दुकानदारी भी कम हो गई है। विकासनगर के आशुतोष मिश्रा ने कहा कि रात में ड्रिलिंग करने के कारण यह समस्या होती है।

बुलंदशहर में कोहरे का सितम

हाइवे पर टकराईं एक दर्जन गाड़ियां; कई लोग घायल

बुलंदशहर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के बुलंदशहर में कोहरे ने कहर बरपा रखा है। बुलंदशहर के एनएच-91 पर कोहरे की वजह से एक के बाद एक कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में कई लोगों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि हाईवे पर काफी कोहरे का कारण विजिबिलिटी काफी कम थी इस कारण कई गाड़ियां हादसे का शिकार हो गई हैं। गाड़ियों में रोडवेज बस, कार, ट्रक शामिल हैं। यह हादसा बुलंदशहर के एनएच-91 पर कोतवाली देहात क्षेत्र के ठंडी पियाऊ के पास हुआ है। यहां घने कोहरे की वजह से कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं।

इसके अलावा, हाईवे पर गैस सिलेंडर लदा ट्रक भी टकराया, गनीमत रही कि कोई भी सिलेंडर फटा नहीं। नहीं तो और भी बड़ा हादसा हो सकता था। मौके पर पुलिस बल राहत बचाव कार्य में जुट गई है, घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अब 'प्रगति यात्रा' पर बवाल! कांग्रेस बोली

'नीतीश कुमार डर गए', रोहिणी आचार्य ने भी लपेटा

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 23 दिसंबर से 'प्रगति यात्रा' पर निकलेंगे। यह उनका पहला चरण होगा। उनकी इस यात्रा पर आरजेडी और कांग्रेस के नेता हमलावर हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने नीतीश कुमार की इस यात्रा को लेकर हमला बोला है।

'यात्रा का अगला नाम विपत्ति यात्रा ना हो जाए'

रोहिणी आचार्य ने बुधवार को एक्स पर लिखा, पहले महिला संवाद यात्रा, फिर समाज सुधार यात्रा और अब प्रगति यात्रा। यात्रा एक मगर नाम में फेरबदल अनेक। नाम तय करने में अनिश्चितता से ही मानसिक अस्थिरता जाहिर होती है। कहीं ऐसा न हो कि यात्रा का अगला नाम विपत्ति यात्रा हो जाए!!

कांग्रेस ने नीतीश कुमार पर साधा निशाना

उधर बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौर का कहना है कि 'महिला संवाद यात्रा' के नाम पर नीतीश कुमार डर गए हैं। अब बिहार की दुर्गति कर वे प्रगति यात्रा पर निकल रहे हैं। 20 सालों में नीतीश कुमार ने दुर्गति तो इतनी की है कि अब महिला संवाद के नाम पर भी डर लग गया है। आपने (सीएम) ही महिला संवाद नाम दिया था। 225 करोड़ रुपये खर्च होने वाले थे। अब प्रगति यात्रा पर निकल रहे हैं। इसका मतलब है कि सचमुच आपकी मति भ्रष्ट हो गई है।

दुर्गति की प्रगति देखने जा रहे नीतीश कुमार

राजेश राठौर ने कहा कि बार-बार अपने ही कार्यक्रम का नाम बदलते हैं तब जब सबको पता है कि आपने बिहार की दुर्गति कर रखी है। छात्रों की दुर्गति, नौजवानों की दुर्गति, पिछड़ों की दुर्गति, किसानों की दुर्गति और निर्माण कार्य का तो आपने ऐसा बंटाधार किया है कि पूरा होने से पहले ही ध्वस्त हो जाता है। पुल बनने से पहले ही ध्वस्त हो जाता है। यानी कि दुर्गति की आप प्रगति देखने जा रहे हैं। बता दें कि कांग्रेस और आरजेडी का कहना है कि 'महिला संवाद यात्रा' का नाम बदला गया है जबकि जेडीयू की ओर से इसे खारिज कर दिया गया है। कहा गया है कि नीतीश कुमार 15 दिसंबर से महिला संवाद कार्यक्रम में जाने वाले थे, लेकिन यह यात्रा अब जनवरी में होगी। महिला संवाद कार्यक्रम पूरी तरह से अलग है।

तीन बच्चों की मां पर सवार हुआ आशिकी का भूत

नवगछिया, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां भीड़ ने तीन बच्चों की मां की एक कुंवारे लड़के से शादी करा दी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच 5 साल से अफेयर चल रहा था। महिला 3 बच्चों की मां है और वो अपने पति को छोड़ चुकी है। तीनों बच्चे अपने पिता के साथ ही रहते हैं। शादी के बाद महिला को उसके नए पति के साथ घर भेज दिया गया। मामला नवगछिया के हड़िया पट्टी बाजार इलाके का है। लड़के का नाम शिव मंडल है, जो गोड्डा का रहने वाला है। वहीं, महिला लखीसराय की रहने वाली है। निकलने से पहले ही किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। दोनों के बीच झगड़ा देख भीड़ जुट गई और दोनों को पकड़ लिया। महिला से पूछा गया, तो उसने सारी कहानी बयां कर दी। इसके बाद भीड़ ने दोनों को पकड़ लिया और घाट ठाकुरबाड़ी परिसर ले गए।

बिहार में एनआईए रेड से मचा हड़कंप

वैशाली में सुबह-सुबह तीन जगहों पर शुरू हुई छापेमारी

वैशाली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में एक बार फिर से एनआइए ने छापेमारी की है। वैशाली जिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने बुधवार अलसुबह रेड मारा है। एनआईए की टीम कई गाड़ियों में सवार होकर पहुंची। हाजीपुर में दो अलग-अलग जगहों पर छापेमारी शुरू कर दी। एक टीम हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र में सीडीओ रोड स्थित एक मकान में और दूसरी टीम बागमाली इलाके में छापेमारी कर रही है। जिले में कुल 3 जगहों पर ये छापेमारी की गयी है। सभी जगहों पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

वैशाली में तीन जगहों पर एनआइए की रेड

वैशाली जिले में बुधवार की अहले सुबह एनआइए की टीम रेड मारने पहुंची। तीन जगहों पर एनआइए ने दबिश डाली और छापेमारी की है। इनमें एक आर्म्स सप्लायर के यहां

छापेमारी की सूचना है। मिली जानकारी के अनुसार, हाजीपुर शहर के एसडीओ रोड व कृष्णापुरी में छापा पड़ा है।

हाजीपुर में कहां पड़ी एनआइए की रेड?

हाजीपुर शहर के एसडीओ रोड में संदीप कुमार सिन्हा उर्फ छोटू लाला के घर में छापेमारी की गयी है जबकि कृष्णापुरी में सत्यम नाम के व्यक्ति के ठिकाने पर एनआइए की रेड हुई है। वहीं एक टीम महुआ थाना क्षेत्र में छापेमारी करने पहुंची। तीन जगहों पर एनआइए की रेड से जिले में हड़कंप मचा है।

आर्म्स एक्ट के आरोपी के भी घर में छापेमारी

मिल रही जानकारी के अनुसार, हाजीपुर में जिन लोगों के ठिकानों पर एनआइए ने दबिश डाली है उनमें एक व्यक्ति आर्म्स एक्ट में पूर्व में जेल जा चुका है। एनआईए ने ये छापेमारी किस मामले में की है, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आयी है। किसी भी तरह का आधिकारिक बयान इस छापेमारी को लेकर सामने नहीं आया है। हालांकि वैशाली के एसपी ने छापेमारी की पुष्टि जरूर की है।

सोना कांड में फंसे थानेदार पर यौन उत्पीड़न का आरोप

कानपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर में चोरी का 25 लाख का जेवरात हड़पने के केस में फंसे रेलबाजार थानेदार रहे दरोगा विजय दर्शन पर अब महिला कांस्टेबल ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। आरोप है कि थाने में नाइट ड्यूटी लगाकर उसका सेक्सुअल हैरेसमेंट कर रहे थे। कांस्टेबल की शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच का आदेश दिया है। यौन उत्पीड़न निवारण समिति (पॉश) कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मामलों की जांच करती है। कानपुर के बर्रा-6 में रहने वाली शिक्षिका शालिनी दुबे के घर करीब तीन महीने पहले 25 लाख के जेवरात की चोरी हुई थी। मामले की जांच के दौरान आरोप लगा कि रेलबाजार थानेदार रहे विजय दर्शन ने चोरों को पकड़ा और जेवरात बरामद करने के बाद छोड़ दिया था। बर्रा पुलिस ने मामले में चोरों की अरेस्टिंग की तो विजय दर्शन की करतूत सामने आई कि 25 लाख का सोना हड़पकर बेच दिया था। मामले में पुलिस कमिश्नर ने विजय दर्शन को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया था, लेकिन हाईकोर्ट के आदेश पर विजय दर्शन को बहाली मिल गई और 30 दिन में जांच पूरी करने का आदेश भी कोर्ट ने किया है।

गोरखपुर की महिला को राजस्थान में बेचा

गोरखपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में मानव तस्करी के अंदेशे से पुलिस चौकन्नी है, बता दें कि सहजनवा इलाके की एक महिला को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर राजस्थान में चार लाख रुपये में बेच दिया गया। चार महीने की कड़ी मशक्कत के बाद संतकबीरनगर पुलिस महिला को राजस्थान से वापस लेकर आई है इस घटना के बाद गोरखपुर पुलिस ने गिरोह की तलाश शुरू कर दी है, क्योंकि महिला ने एक और किशोरी के बंधक होने की जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक सहजनवा के टिकरिया मिनवा गांव निवासी एक महिला 8 जुलाई 2024 को अचानक लापता हो गई, वह एक फैक्ट्री में काम करती थी। उस दिन काम से लौटते वक्त रास्ते में एक महिला और तीन अन्य लोगों ने उसे बातचीत कर झांसे में लिया फिर नशीली चीज खिलाकर बेहोश कर दिया। जब होश आया तो उन्होंने खुद को राजस्थान के एक सुनसान इलाके में पाया। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उन्हें महावीर गुर्जर नामक व्यक्ति ने चार लाख रुपये में खरीदा था। वहां उसे बंधक बनाकर रखा था। इसके अलावा महावीर ने जबरन एक सादे कागज पर अंगूठा लगवाया। चार महीने तक वह किसी तरह बंधक बनकर काम करती रहीं। महिला के गायब होने के बाद उनके पति ने संतकबीरनगर के खलीलाबाद कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई।

नोएडा के प्ले स्कूल के टॉयलेट में लगाया हिडन कैमरा

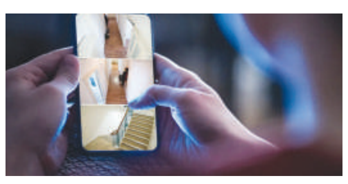

गौतम बुद्ध नगर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। नोएडा के एक प्ले स्कूल के टॉयलेट में हिडन कैमरा लगाने का मामला सामने आया है। महिला टीचर की शिकायत पर पुलिस ने स्कूल का डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हिडन कैमरा भी बरामद कर लिया है। नोएडा की थाना फेस 3 पुलिस ने लर्न विद फन प्ले स्कूल के निदेशक नवनीत सहाय को सेक्टर 70 से गिरफ्तार किया है। स्कूल निदेशक के खिलाफ एक महिला टीचर ने ही शिकायत की थी। टीचर ने बताया कि जब वह एक दिन टॉयलेट में गई तो देखा बल्ब के होल्डर में एक हिडन कैमरा लगा हुआ था। इस बारे में उन्होंने इसकी जानकारी स्कूल के निदेशक और को-ऑर्डिनेटर को दी और कैमरे को भी सौंप दिया। फिर महिला ने बताया कि कुछ दिन सब ठीक रहा लेकिन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई। महिला किसने लगाया इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं दी गई। टीचर ने बताया जब 10 दिसंबर को टॉयलेट में गई तो देखा फिर से कैमरा लगा हुआ है। इस बार मैंने कैमरे को सिक्योरिटी गार्ड से निकलवाया और उसे थाना फेस 3 पुलिस को सौंप दिया। महिला के लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते आरोपी डायरेक्टर को गिरफ्तार कर लिया।

काली मंदिर के पास पशु तस्करों ने पथराव कर निकाली पिस्टल

झाँसी, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शाहपुर इलाके में काली मंदिर के पास रात पशु लादने के दौरान विरोध पर पशु तस्करों ने पिस्टल निकाल ली और पथराव कर धमकाते हुए फरार हो गए। पशु तस्करों की करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गई है। घटना के बाद एसएसपी ने तस्करों पर कार्रवाई को रात में गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया है। शाहपुर काली मंदिर वाली गली में रहने वाले कृषि विभाग के अधिकारी विवेक दुबे सिद्धार्थनगर में तैनात हैं। उन्होंने अपना नया मकान बनवाया है। रामायण पाठ होने के बाद गृह प्रवेश को लेकर परिवार के लोग की रात में ही मकान की सफाई में जुटे थे। घर के बाहर पड़े बांस आदि भी हटा रहे थे। बताया जा रहा है कि रात लगभग सवा 11 बजे उसी मकान के आसपास छह-सात की संख्या में पशु तस्करों ने पिकअप पर गोवंश लादने का प्रयास किया। विवेक दुबे के रिश्तेदार प्रशांत त्रिपाठी ने पूछा कहां से आए हो तो उन्होंने खुद को लोकल बताया। लेकिन जब यह पूछा कि कहां ले जा रहे हो तो फिर तस्करों ने पिस्टल निकाल ली। तस्करों ने धमकी देते हुए कहा कि अंदर भाग जाओ नहीं तो मार देंगे।

पल्लवी पटेल के आरोपों पर मंत्री आशीष पटेल बोले

'मैं डरने और दबने वाला नहीं, सीबीआई जांच करा लें'

लखनऊ, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की बागी विधायक और अपना दल कमेरावादी पार्टी की नेता पल्लवी पटेल ने यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। पल्लवी पटेल के आरोपों पर कैबिनेट मंत्री और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल ने बातचीत में कहा, प्रयोजित लोगों के बारे में बात करने की क्या आवश्यकता है? आप टाइमिंग देखें, उत्तर प्रदेश में नकल का एक बड़ा काम होता था, मैंने उस पर ब्रेक लगाया और अब केवल सरकारी कॉलेज ही सेंटर बनते हैं। कुकुरमुत्ते की तरह कॉलेज खुलते थे, जिस पर ब्रेक लगा

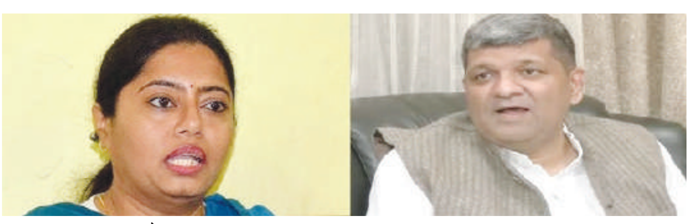

दिया। निश्चित तौर पर लोगों के हित प्रभावित होंगे, तो वह किसी ना किसी को पकड़ेंगे। उन्होंने साजिश के सवाल पर कहा, मेरा नाम आशीष पटेल है और सरदार पटेल का बेटा हूं। मैं डरने और दबने वाला नहीं हूं। मैंने तो कहा है कि जरूरत पड़े तो सीबीआई से जांच करा लीजिए, मेरे सारे कार्यों की सीबीआई से जांच कराएं। अब इसमें कोई कुछ कहने की जरूरत है या कुछ पूछने की जरूरत है। साजिश किसने की है? कौन इसके पीछे है, इसकी भी जांच भी होनी चाहिए। आशीष पटेल ने कहा कि आप समय को देखिए, विधानसभा सत्र शुरू होने के एक दिन पहले ये मामला उछाला गया है। आप खुद ही इस तरह के खेल को समझने की कोशिश करें। मैं न तो नकल माफिया से डरने वाला हूं, और न ही किसी दबाव में आने वाला वाला हूं। ईंट का जवाब पत्थर से दूंगा। सोनेलाल पटेल ने यही सिखाया है कि सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं करिए, और ध्यान रखिए, जब आपने कुछ गलत किया नहीं, तो डर किस बात का है। उन्होंने कहा कि मैं इसीलिए फिर से बोल रहा हूं कि अगर मुख्यमंत्री योगी आवश्यक समझें, तो मेरे विभाग में अब तक कराए गए सभी कार्यों की सीबीआई से जांच करा लें।

यूपी में बीजेपी दफ्तर पर चला बुलडोजर, नेता बोले- 'हमें तो अपनों ने लूटा, गैरों में कहां दम था'

बलिया, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया में भाजपा के कैंप कार्यालय पर नगर पालिका का बुलडोजर चल ही गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इसके पहले एक सप्ताह के भीतर भाजपा कैंप कार्यालय को हटाने के लिए जिला प्रशासन और नगर पालिका प्रशासन दो बार गया था, लेकिन भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह के विरोध के चलते उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ा था। कार्यालय के जमींदोज होने पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी के काम से जिला कार्यालय गया था, तभी लोगों ने बताया कि कार्यालय टूट गया है। सरकार के लोगों ने तोड़ा है। इसके पहले कोई नोटिस भी नहीं दी गई। जब से यह इंदिरा नगर मार्केट है तब से अपना कार्यालय भी है। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ने बताया कि सपा सरकार के समय भी कार्यालय तोड़ा गया, मैं धरने पर बैठा तो समाजवादी पार्टी की सरकार ने एक हफ्ते में पुनः कार्यालय बनाकर दिया। अपनी सरकार के खिलाफ धरने पर बैठने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अपनी सरकार के खिलाफ धरने पर क्या बैठना।

अवैध बालू खनन को रोकने में सरकार की मदद करिये, इनाम पाइये!

पटना, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार में अवैध बालू खनन को रोकना सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। इसे रोकने के लिए खान एवं भूतत्व विभाग लगातार कई स्तरों पर काम कर रहा है। अब विभाग ने अवैध उत्खनन के बारे में सूचना देने वाले व्यक्ति के खाते में इनाम की राशि भेजने का फैसला लिया है। इसके साथ ही लोग फोन के जरिए भी बालू की खरीद कर सकेंगे। सूचना देने वाले को मिलेगा इनाम अवैध बालू उत्खनन को लेकर सूचना देने वालों को सरकार ने पुरस्कार देने का फैसला लिया है। पुरस्कार की राशि सूचना देने वाले के खाते में ट्रांसफर की जाएगी। इसके अलावे जिलों में अवैध खनन के विरुद्ध शानदार प्रदर्शन करने वाले जिला खनिज विकास पदाधिकारियों और खान निरीक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा पुरस्कृत। बिहारी योद्धा होंगे पुरस्कृत अवैध खनन की जानकारी देने वाले बिहारी योद्धाओं के खातों में जल्द इनाम की राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 19 दिसंबर, 2024 5

सुविचार: दुनिया का सबसे अच्छा गहना है, "परिश्रम" और सबसे अच्छा जीवन साथी है, आत्मविश्वास।

केंद्र भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के विकास के लिए प्रतिबद्ध: किशन रेड्डी

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ है। आज मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने 2047 तक विकसित भारत के लिए सरकार के दृष्टिकोण पर जोर दिया और सांस्कृतिक विकास और राष्ट्रीय एकता में भाषाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषाओं में अपार विविधता के साथ दुनिया में एक अनूठा मॉडल है, जहां भाषाएं केवल संचार के साधन नहीं हैं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और परंपराओं का अमूल्य भंडार हैं। ऐतिहासिक रूप से, भाषाएं अक्सर राजनीतिक हितों के केंद्र में रही हैं, क्षेत्रीय भाषाओं को दबाने के प्रयासों ने लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर दिया है। उदाहरण के लिए, 1835 में, मैकाले की नीतियों ने शास्त्रीय भारतीय भाषाओं को दरकिनार कर दिया, शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी को बढ़ावा दिया और यूरोपीय ज्ञान प्रणालियों पर जोर दिया। मंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक चुनौतियों को समझते हुए सरकार ने क्षेत्रीय भाषाओं को सशक्तीकरण और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति के शक्तिशाली साधन के रूप में देखते हुए उनके संरक्षण और सुरक्षा की दिशा में लगातार काम किया है।

मंत्रियों और विधायकों ने बीआरएस सरकार की आलोचना की

अध्यक्ष ने विधानसभा में कुछ बीआरएस सदस्यों के व्यवहार पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्रियों और सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने पिछली बीआरएस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि राज्य को हर तरह से नष्ट कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस सरकार ने तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त रही। विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू ने बीआरएस सरकार पर पाखंड का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने ऑटो चालकों पर कर बढ़ा दिया था, जिससे ऑटो श्रमिकों के समर्थन के बारे में उनकी मौजूदा बयानबाजी हास्यास्पद हो गई है।

श्रीधर बाबू ने लोगों से किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और स्पष्ट किया कि विदेशी छात्रवृत्ति कार्यक्रम अभी भी प्रक्रिया में है, उन्होंने विपक्षी नेताओं से निराधार आरोप न लगाने का आग्रह किया। विधानसभा में गैरजिम्मेदाराना बयान अनुचित हैं। सरकारी सचेतक आदी श्रीनिवास ने दलित बंधु, केसीआर किट्स और मिशन काकतीय जैसी कल्याणकारी योजनाओं में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए पिछली बीआरएस सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने पिछली सरकार पर हर परियोजना में कमीशन के जरिए धन संचय करने का आरोप लगाया और दावा किया कि सार्वजनिक धन का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि बीआरएस के विपरीत, वर्तमान कांग्रेस सरकार ईमानदारी से काम करती है, उन्होंने कहा कि लोग बीआरएस की नीतियों को खारिज कर रहे हैं। पंचायत राज मंत्री सीथक्का ने अपने कार्यकाल के दौरान 4,500 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति लंबित छोड़ने के लिए बीआरएस सरकार की आलोचना की, जिसे वर्तमान प्रशासन अब मंजूरी दे रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 140.74 करोड़ रुपये की विदेशी छात्रवृत्ति का भुगतान पहले ही किया जा चुका है, जबकि 104 करोड़ रुपये का वितरण किया जाना बाकी है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सभी लंबित आवेदनों पर मार्च तक कार्रवाई की जाएगी और दिसंबर तक चयन पूरा कर लिया जाएगा। सीताक्का ने पिछली बीआरएस सरकार की एक दशक लंबे शासन के दौरान ऑटो चालकों को आर्थिक रूप से समर्थन देने में विफल रहने के लिए निंदा की, इसकी तुलना वर्तमान सरकार के तहत महिलाओं को प्रदान की जाने वाली मुफ्त बस सेवाओं से की।

उन्होंने महबूबनगर में फीस न चुका पाने के कारण लावण्या नामक एक छात्रा की दुखद आत्महत्या को भी याद किया, और शैक्षिक वित्त पोषण को संबोधित करने में बीआरएस प्रशासन की विफलताओं पर जोर दिया। इस बीच, अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद ने विधानसभा में कुछ बीआरएस सदस्यों के व्यवहार पर कड़ी असहमति व्यक्त की, और नए विधायकों के लिए उनके द्वारा स्थापित किए जा रहे उदाहरण पर सवाल उठाया। उन्होंने सदन में अनुचित टिप्पणियों के लिए बीआरएस विधायक राजशेखर रेड्डी को भी चेतावनी दी और विधायक विवेकानंद और राजेंद्र रेड्डी द्वारा विधानसभा के रिकॉर्ड से दिए गए विवादास्पद बयानों को हटाने की घोषणा की।

कविता ने मूसी नदी सौंदर्यीकरण पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए, बीआरएस एमएलसी कलवकुंतला कविता ने मूसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना के बारे में सरासर झूठ और विसंगतियों को उजागर किया।मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, बीआरएस नेता कविता ने सरकार पर परियोजना के इरादे, वित्त पोषण और प्रगति के बारे में जनता, विधायिका और प्रमुख हितधारकों को गुमराह करने का आरोप लगाया। निजामाबाद के पूर्व सांसद के. कविता ने खुलासा किया कि कांग्रेस सरकार ने 19 सितंबर, 2024 को विश्व बैंक को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें कहा गया कि विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हैं। हालांकि, 4 अक्टूबर को, सरकार ने डीपीआर तैयार करने के लिए मेनहार्ट कंसल्टेंसी, कुशमैन एंड वेकफील्ड इंडिया और आरआईओएस डिजाइन स्टूडियो के एक संघ को <160 करोड़ आवंटित करने का जीओ जारी किया। चौंकाने वाली बात यह है कि 17 दिसंबर को तेलंगाना विधानसभा में सरकार ने किसी भी डीपीआर के अस्तित्व से साफ इनकार कर दिया, जिससे उसके बयानों में घोर विरोधाभास उजागर हो गया। एमएलसी कविता ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर एक परियोजना की अनुमानित लागत 1.5 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने के लिए निशाना साधा, जो गंगा नदी सफाई परियोजना से 50% अधिक है, जबकि बजट का 1% भी आवंटित नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य लोक कल्याण या पारिस्थितिक बहाली को प्राथमिकता देने के बजाय, मॉल और रियल एस्टेट परियोजनाओं सहित वाणिज्यिक उपक्रमों के लिए रास्ता बनाने के लिए मूसी नदी के किनारे रहने वाले 16,000 से अधिक परिवारों को विस्थापित करना है। कविता ने कहा, "यह एक ऐसी सरकार है जो झूठ और पाखंड पर पनपती है।" बीआरएस के 10 वर्षों के शासन में, हमने तेलंगाना के गौरव और संसाधनों की रक्षा करते हुए कभी भी किसी बड़ी परियोजना के लिए विश्व बैंक से ऋण नहीं मांगा वे किसके हितों की सेवा कर रहे हैं- लोगों के या रियल एस्टेट के धंधेबाजों के? अपनी टिप्पणी के समापन पर एमएलसी के. कविता ने मुसी नदी के किनारे के लोगों के साथ खड़े होने की बीआरएस की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। उन्होंने उचित मुआवजे के बिना परिवारों को विस्थापित करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ लड़ने की कसम खाई और कांग्रेस सरकार पर तेलंगाना के नागरिकों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यह विकास नहीं है; यह धोखा है। हम कांग्रेस सरकार को हैदराबाद के भविष्य या उसके लोगों के अधिकारों को गिरवी नहीं रखने देंगे।

सीएम पर कथित अपमानजनक टिप्पणी

अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों के खिलाफ 4 मामले दर्ज

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के अन्य स्थानों पर साइबर क्राइम पुलिस ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए अभिनेता अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों पर कम से कम 4 मामले दर्ज किए हैं। कांग्रेस पार्टी के नेताओं और अन्य लोगों की शिकायतों के बाद ये मामले दर्ज किए गए।

अधिकारियों के अनुसार हैदराबाद और जिलों में साइबर अपराध पुलिस की इकाइयां अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नज़र रख रही हैं, जो अभिनेता की गिरफ्तारी के बाद, विशेष रूप से मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ असत्यापित और दुर्भावनापूर्ण पोस्ट फैलाने में लिप्त हैं।

साइबराबाद पुलिस की सोशल मीडिया निगरानी टीमों को कड़ी निगरानी रखने और ऐसे व्यक्तियों की गतिविधियों पर नज़र रखने का निर्देश दिया गया है। पुलिस ने अभिनेता की गिरफ़्तारी के मद्देनज़र लोगों को सोशल मीडिया पर अनुचित और भड़काऊ सामग्री पोस्ट न करने की चेतावनी भी दी है।

अधिकारी (पुलिस) सोशल मीडिया पर इस तरह की दुर्भावनापूर्ण सामग्री प्रसारित करने वाले बदमाशों पर भी कड़ी नज़र रख रहे हैं। पता चला है कि सभी वरिष्ठ अधिकारियों और स्टेशन हाउस अधिकारियों को ऐसे हर मामले में विशिष्ट मामले दर्ज करने और ऐसे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

मैलारदेवपल्ली में हल्का तनाव

फुटपाथ अतिक्रमण को किया गया ध्वस्त

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भारी पुलिस बंदोबस्त के बीच जीएचएमसी नगर नियोजन टीमों ने बुधवार को मैलारदेवपल्ली के लक्ष्मीगुडा में फुटपाथ पर कब्जा करने वाली दुकानों सहित फुटपाथ अतिक्रमण को ध्वस्त करना शुरू किया, जिसके बाद हल्का तनाव पैदा हो गया। स्थानीय पुलिस के साथ नगर नियोजन अधिकारी, अर्थमूवर्स और कर्मचारियों के साथ लक्ष्मीगुडा से वम्बे कॉलोनी तक सड़क के दोनों ओर मार्ग पर ध्वस्तीकरण कार्य करने के लिए मौके पर पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय लोगों द्वारा फुटपाथ पर अवैध निर्माण और दुकानों के कब्जे के संबंध में कई शिकायतें की गई थीं, जिससे पैदल चलने वालों को असुविधा हो रही थी और क्षेत्र में यातायात जाम हो रहा था। हालांकि, दुकानदारों और विक्रेताओं ने तोड़फोड़ पर कड़ी आपत्ति जताई और नगर निगम अधिकारियों के साथ बहस की, जिसके परिणामस्वरूप तनाव की स्थिति पैदा हो गई। इस बीच, राजेंद्रनगर विधायक प्रकाश गौड़ ने लक्ष्मीगुडा का दौरा किया और अधिकारियों से तोड़फोड़ अभियान के बारे में जानकारी ली।

तेलंगाना में क्लीनिकों पर छापेमारी

भ्रामक दावों के साथ बेची जा रही दवाइयां जब्त

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) के औषधि निरीक्षकों ने न्यूमाइन-100 टैबलेट (थायमिन टैबलेट 100एमजी) का पता लगाया है, जो पेड्डापल्ली में घूम रहे थे और 'खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्युटिकल्स' की आड़ में गलत तरीके से निर्मित और बेचे जा रहे थे। इन दवाओं का निर्माण एमके बायोटेक, संगरूर, पंजाब द्वारा किया गया तथा इनका विपणन न्यूराकल लाइफसाइंसेज, चंडीगढ़ द्वारा किया गया।

उक्त उत्पाद को 'खाद्य लाइसेंस' के तहत गलत तरीके से निर्मित किया गया था और खाद्य उत्पाद/न्यूट्रास्युटिकल होने का झूठा दावा किया गया था। उत्पाद की लेबल संरचना के अनुसार, इसे औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत एक दवा के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

टीएसडीसीए के महानिदेशक, वीबी कमलसन रेड्डी ने कहा कि उत्पाद का निर्माण केवल औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत जारी किए गए 'ड्रग लाइसेंस' के तहत ही किया जाना चाहिए, जिसमें औषधि नियमों की अनुसूची-एम में उल्लिखित 'अच्छे विनिर्माण अभ्यास' (जीएमपी) का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, इसे 'भारतीय फार्माकोपिया' (आईपी) में निर्धारित गुणवत्ता मानकों को पूरा करना होगा, जैसा कि अनिवार्य है।

एक अन्य असंबंधित घटना में, डीसीए की टीमों ने बाजार में ऐसी दवाइयों का पता लगाया जिनके लेबल पर भ्रामक दावे थे, जिसमें कहा गया था कि वे मधुमेह और 'प्रोफिलैक्सिस और आंखों के संक्रमण के उपचार के लिए हैं।' ऐसे दावे औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन हैं। मंचेरियल में जब्त की गई दवाओं में आईकेयर आई ऑइंटमेंट (एलोपैथिक दवा) शामिल है, जिसका निर्माण चंद्रा ड्रग्स, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा किया गया था, जो आंखों के संक्रमण की रोकथाम और उपचार का भ्रामक दावा कर रही थी।

अखीरा ड्रग्स, बालानगर, मेडचल-मलकाजगिरी द्वारा निर्मित एक अन्य औषधि वट्टी-वेरु चूर्ण (आयुर्वेदिक) को बालानगर में मधुमेह के उपचार का झूठा दावा करते हुए पकड़ा गया और जब्त कर लिया गया। टीएसडीसीए के महानिदेशक ने कहा कि 'मधुमेह' के उपचार और 'आंखों के संक्रमण के उपचार और रोकथाम के लिए' किसी दवा का विज्ञापन करना औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 / औषधि नियम, 1945 की अनुसूची जे के तहत प्रतिबंधित है।

सट्टा लगाने के आरोप में 24 लोग गिरफ्तार

टास्क फोर्स (दक्षिण) टीम ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (दक्षिण) टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बुधवार को शाहीनयथगंज में एक जुआ घर पर छापा मारा और 'सट्टा' सट्टेबाजी के आरोप में 4 आयोजकों सहित 24 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने उनके पास से 30,760 रुपये नकद, सट्टा चिट, लॉटरी चार्ट और 15 मोबाइल फोन जब्त किए।

गिरफ्तार किए गए लोगों में जुमेरात बाज़ार के मुख्य आयोजक विशाल सिंह, नरेश कुमार, अनिकेत सिंह, अक्षय सिंह, सभी उप-आयोजक और 20 पंटर शामिल हैं। सभी हैदराबाद के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, विशाल सिंह, जो मूर्ति निर्माता है, जुमेरात बाजार में पान की दुकान भी चलाता है। अपनी मामूली आय के कारण, उसने अवैध रूप से आसानी से पैसा कमाने के लिए सट्टा सट्टेबाजी का आयोजन करने का फैसला किया। विशाल ने अपनी पान की दुकान के बगल में एक कमरा किराए पर लेकर सट्टा गेमिंग हाउस शुरू किया और साथ ही भारी कमीशन देकर उप-आयोजकों को भी शामिल किया। उप-आयोजकों ने इलाके के आदतन सट्टेबाजों को अपने साथ जोड़ लिया और किराए के कमरे से सट्टा चलाने लगे।

टास्क फोर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे मुख्य रूप से ऑटो-रिक्शा चालकों, मजदूरों, होटल कर्मचारियों को इस खेल से आसानी से पैसा कमाने का लालच देकर अपना निशाना बनाते थे। इन पर विश्वास करके, निम्न आय वर्ग के ये सट्टेबाज अपनी मेहनत की कमाई का इस्तेमाल करके सट्टा सट्टेबाजी के आदी हो जाते हैं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जुआघर पर छापा मारा और संदिग्धों को पकड़ लिया तथा सामग्री जब्त कर ली। गिरफ्तार संदिग्धों को जब्त सामग्री के साथ आगे की कार्रवाई के लिए शाहीनयथगंज पुलिस को सौंप दिया गया।

पूर्व विधायक पटनम नरेंद्र रेड्डी को जमानत मिली

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोडंगल के पूर्व विधायक और बीआरएस पार्टी के नेता पटनम नरेंद्र रेड्डी को एक अदालत ने जमानत दे दी है। ज्ञात हो कि पटनम नरेंद्र रेड्डी को पुलिस ने लागाचर्ला हिंसा की घटना में गिरफ्तार किया था और उन्हें चरलापल्ली जेल भेज दिया गया था।आज नामपल्ली विशेष अदालत ने उन्हें सशर्त जमानत दे दी। नरेंद्र रेड्डी समेत 24 किसानों को जमानत दी गई है। पटनम नरेंद्र रेड्डी को 50 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दी गई और बाकी को 20 हजार रुपये के मुचलके पर जमानत दी गई।

क्रिप्टो में महिला निवेशकों में हैदराबाद सबसे आगे

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद न केवल क्रिप्टो में महिला निवेशकों का उच्चतम अनुपात 45 प्रतिशत दर्ज करने में अग्रणी है, बल्कि 2024 में भारत के क्रिप्टो निवेश में चौथे सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में भी स्थान रखता है, कॉइनस्विच द्वारा प्रकाशित वार्षिक निवेशक रिपोर्ट 'इंडियाज क्रिप्टो पोर्टफोलियो 2024: हाउ इंडिया इन्वेस्ट्स' में कहा गया है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि रिपोर्ट, जो भारत के विविध क्रिप्टो पारिस्थितिकी तंत्र में गहराई से उतरती है और डिजिटल परिसंपत्तियों के साथ देश की बढ़ती भागीदारी पर प्रकाश डालती है, ने कहा कि हैदराबाद अपने निवेशक सफलता के लिए भी खड़ा है, जो हरे रंग में पोर्टफोलियो का तीसरा सबसे बड़ा प्रतिशत है, इसके 84 प्रतिशत निवेशकों को शीर्ष 10 शहरों में सकारात्मक रिटर्न मिल रहा है।

नलगोंडा में झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर छापा

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) के अधिकारियों ने नलगोंडा के मदुगुलापल्ली मंडल के अगामोथकूर गांव में स्थित सहस्र पीपुल्स फर्स्ट एड सेंटर पर छापा मारा, जिसका संचालन एक झोलाछाप डॉक्टर परशनाबोइना लक्ष्मैया द्वारा किया जा रहा था, जो बिना उचित योग्यता के चिकित्सा का अभ्यास कर रहा था। छापे के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने बिना ड्रग लाइसेंस के परिसर में रखी गई 31 प्रकार की दवाइयां, जिनमें एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक आदि शामिल थीं, का पता लगाया, जिनकी कीमत 16,670 रुपये थी। डीसीए अधिकारियों ने झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक में एमोक्सीक्लिन+पोटेशियम क्लावुलैनेट समेत कई एंटीबायोटिक्स और मिथाइलप्रेडनिसोलोन जैसे स्टेरॉयड पाए। डीसीए अधिकारियों ने जांच के लिए नमूने उठाए।

विधानसभा में मंत्री कोमटिरेड्डी की टिप्पणी पर हुई गरमागरम बहस

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस और बीआरएस विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक के कारण बुधवार को राज्य विधानसभा की कार्यवाही बाधित हुई, जिसके कारण अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद को हस्तक्षेप करना पड़ा और विवादास्पद टिप्पणियों को रिकार्ड से हटाना पड़ा। प्रश्नकाल के दौरान टकराव तब शुरू हुआ जब सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने हैदराबाद-करीमनगर और हैदराबाद-बीजापुर सड़कों सहित प्रमुख राजमार्ग परियोजनाओं में देरी के लिए पिछली बीआरएस सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने यह भी दावा किया कि सिरसिला-कामारेड्डी-येलारेड्डी राजमार्ग को बीआरएस सरकार द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत करने में विफलता के कारण रद्द कर दिया गया था।

पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने वेंकट रेड्डी के दावों का खंडन करते हुए स्पष्ट किया कि डीपीआर तैयार नहीं की जा सकी क्योंकि केंद्र ने संरेखण प्रस्तावों को मंजूरी नहीं दी थी। उनके स्पष्टीकरण के बावजूद, वेंकट रेड्डी ने अपनी आलोचना जारी रखी और विषय से भटकते हुए केंद्र सरकार के अधीन एक परियोजना - उप्पल-घाटकेसर फ्लाईओवर में देरी का आरोप लगाया। स्थिति तब बिगड़ गई जब वेंकट रेड्डी ने हरीश राव पर कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत धन की हेराफेरी का आरोप लगाया, जिसके बाद हरीश राव ने अध्यक्ष से इस पर निर्णय देने की मांग की।

हरीश राव ने कहा कि वे इस मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हैं और वेंकट रेड्डी के भ्रष्ट आचरण को उजागर करेंगे। मंत्री की टिप्पणियों का अप्रत्यक्ष संदर्भ देते हुए उन्होंने विधायकों पर श्वास परीक्षण कराने का सुझाव भी दिया क्योंकि कुछ सदस्य शराब पीकर सदन में आए थे, जिससे बहस और तेज हो गई। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने हरीश राव से उनकी टिप्पणियों के लिए माफ़ी मांगने की मांग की, जिससे आगे की मौखिक झड़पें हुईं। सरकारी सचेतक बीरला इलैया ने भी विपक्षी सदस्यों के बीच हंगामा खड़ा कर दिया, उन्होंने कहा कि हरीश राव ने विपक्षी नेता और पूर्व मुख्यमंत्री का हवाला दिया होगा।

विधानसभा अध्यक्ष से सदन को नियंत्रण में रखने का आग्रह करते हुए विधायी कार्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने सदन को आश्वासन दिया कि असंबंधित टिप्पणियों को हटा दिया जाएगा, जिससे विधायी शिष्टाचार के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई। अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद ने व्यवस्था बहाल करने के लिए हस्तक्षेप किया तथा निर्देश दिया कि सभी आपत्तिजनक टिप्पणियों को रिकार्ड से हटा दिया जाए तथा सदस्यों को विधानमंडल के सिद्धांतों को बनाए रखने की याद दिलाई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 19 दिसंबर- 2024

वन इलेक्शन का ख़ौफ़ क्यों?

वन नेशन, वन इलेक्शन यानी एक देश, एक चुनाव, विधेयक लोकसभा में पेश हो चुका है। अब यह जेपीसी तय करेगी कि इसका क्या और कब तक करना है। केंद्र सरकार इस विधेयक को लेकर जहां नीतिगत निरंतरता, कम चुनाव खर्च और प्रशासनिक क्षमता बढ़ने का तर्क दे रही है, तो विपक्ष इसे किसी भी सूरत में लागू न करने के लिए एकजुट दिखाई दे रहा है। विपक्ष का सवाल है कि एक देश-एक चुनाव का मतलब लोकसभा, विधानसभाओं और नगर निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएँ। क्या ये संभव है? बता दें कि इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने सुझाव दिया है कि 2029 या 2034 में यह संभव हो सकता है। हालाँकि, ज़्यादातर विधानसभाओं के कार्यकाल अलग- अलग हैं और एक साथ चुनाव कराने में काफी मुश्किलें पेश हो सकती हैं। कमेटी ने कहा है कि एक साथ चुनाव की जो भी तरीक़ा तय हो तब जिन विधानसभाओं का कार्यकाल पहले ख़त्म हो रहा है उसे बढ़ा दिया जाए और जिनका कार्यकाल बाद में ख़त्म हो रहा है उनका कार्यकाल घटा दिया जाए। विपक्ष की आपत्ति यह है कि यह देश राज्य और संघ की अलग- अलग परम्परा पर चलता है। ऐसे में विधानसभाओं को आप लोकसभा के अधीन कैसे कर सकते हैं? बता दें कि देश की तासीर यह है कि वह लोकसभा चुनाव में अलग मन से वोट करता है और विधानसभा चुनाव में अलग मन से। नगर निकायों में तो मामला और भी अलग हो जाता है। मुद्दे, मामले, और इश्यू भी अलग - अलग होते हैं। अगर एक साथ चुनाव होते हैं तो लोकसभा चुनाव की धारा या बयार ही हर जगह बह सकती है। यानी केंद्र की सरकार में बैठे राजनीतिक दलों को ज़्यादा फ़ायदा हो सकता है। विपक्षी दलों ने यह आशंका भी जताई है कि इस नीति से छोटे और क्षेत्रीय दल समाप्त हो जाएँगे। क्षेत्रीय दलों की चिंता अपनी जगह सही हो सकती है लेकिन यदि कोई भी राजनीतिक दल जनता की भलाई का काम सिद्दत से कर रहा होगा तो वह हारेगा क्यों? इस आशंका के पीछे आख़िर कौन सा डर काम कर रहा है? अब मान लीजिए, यह विधेयक पारित हो जाता है जो कि सत्ता दल चाहेगा तो पारित हो ही जाएगा और एक बार एक साथ चुनाव हो भी जाएँगे। फिर भी जो सरकारें बीच में गिर जाएंगी, जैसी कि गिरती रही हैं, उनका क्या होगा? कमेटी ने इसके लिए भी सुझाव दिया है। बहुत स्पष्ट तो नहीं, लेकिन कहा गया है कि दो साल से ज़्यादा का समय रहते कोई सरकार गिर जाती है, तो वहाँ चुनाव कराए जाएँगे लेकिन इससे कम समय रहने पर चुनाव नहीं होंगे।आशंका यह है कि कम समय रहने पर सरकार गिरती है तो वहाँ राष्ट्रपति शासन लगाना होगा। यानी केंद्र का शासन। विपक्ष को यही चिंता सता रही है। फिर जब लोकसभा का कार्यकाल पूर्ण होने को आएगा, बीच में जिन विधानसभाओं में चुनाव हुए हैं, उनके कार्यकाल फिर घटाए जाएँगे? विपक्ष को यही सबसे बड़ी आपत्ति है। विपक्ष का कहना यह भी है कि इस व्यवस्था में चुनाव आयोग राष्ट्रपति को सलाह देने लगेगा! हालाँकि, अभी विधेयक में बहुत से संशोधनों की राह खुली हुई है। हो सकता है कोई परिपक्व ढाँचा सामने आ जाए और बात बनती दिख जाए।

मकर संक्रांति पर चीनी मांझा- सरकार को अभी से जागृत होने की जरुरत है

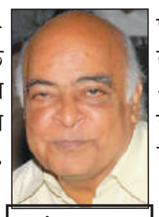

अशोक भाटिया

गत वर्ष ही घर आने-जाने के दौरान मुंबई के डिंडोशी पुलिस में तैनात एक पुलिसकर्मी का गला मांझे से कट गयाथा , जिससे उसकी मौत हो गई इन शिकायतो के बाद ही पिछले दिनों में शहर के कम से कम पांच पुलिस स्टेशनों ने चीनी मांझा बेचते, स्टॉक करते या उपयोग करते हुए पकड़े गए व्यक्तियों के खिलाफ मामले दर्ज किए । गौरतलब हो कि खेरवाड़ी पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कांस्टेबल समीर जाधव की जान भी चली गई थी जब वकोला फ्लाईओवर से लटके चीनी मांझे से उनका गला कट गया। जवाब में खेरवाड़ी पुलिस ने आईपीसी की धारा 304-ए के तहत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया। इस दुखद घटना के बाद पुलिस ने चीनी मांझा की बिक्री और खरीद में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के अपने प्रयास तेज कर दिए । लोगों का कहना है कि यह त्वरित कार्यवाई हुई है जबकि चीनी मांजा तो वर्षों से बाज़ार में बिक रहा है । नायलॉन की डोर से पतंग उड़ाते हुए पकड़े गए दो भाइयों को खेरवाड़ी पुलिस ने पकड़ लिया और उन्हें डोर बेचने वाले दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया है । बांगुर नगर पुलिस ने 56 वर्षीय एक महिला को बेचने के इरादे से मांझा जमा करने के आरोप में हिरासत में लिया। इसके अतिरिक्त डिंडोशी पुलिस ने 19 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया मालवणी पुलिस ने 36 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया, और सहार पुलिस ने मांजा बेचने के लिए 70 वर्षीय व्यक्ति पर मामला दर्ज किया। सभी आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 336 के तहत आरोप लगाए गए हैं।कुछ समय पूर्व चीनी मांझे की चपेट में आने से अभिनव नाम का एक लड़का बुरी तरह घायल हो गया, जिसके बाद उसे आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह लड़का अभी भी अस्पताल में भर्ती है जहां उनकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है।

ऐसा नहीं है इस तरह की ये पहली घटनाए है। कई सालों से इस तरह की कई दर्दनाक घटनाएं हो चुकी है। पिछले वर्ष भी बाइक पर सवार एक व्यक्ति चीनी मांझा से उस समय घायल हो गया जब वह फ्लाईओवर से गुजर रहा था। बाइक चलाते समय मांझा उसके गले में लिपट गया। मांझा की चपेट में आने से उसके गले में करीब 2 इंच गहरा घाव हो गया। इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया। चाइनीज मांझा से हुआ यह पहला हादसा नहीं था । चाइनीज मांझा न सिर्फ इंसानों के लिए बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी बहुत खतरनाक है और हर साल सैकड़ों पक्षी इसमें फंसकर अपनी जान गंवा देते हैं। दरअसल पतंगबाजी का मजा लेने वाले बच्चे व बड़े आपस में पतंग को लड़ाकर उसका मजा लेते हैं। पतंग लड़ाने के लिए लोग डोर को कटने से बचाने के लिए मजबूत धागे के लिए चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करते हैं। यह मांझा सादे धागे के मुकाबले सस्ता और मजबूत होता है। इस कारण इसकी मांग ज्यादा रहती है। डिमांड के कारण दुकानदार प्रतिबंध के बावजूद भी चोरी छिपे बेचते हैं। आज भारत समेत दुनिया के कई देशों में पतंगबाजी की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं, लेकिन पतंगबाजी का सबसे पुराना प्रमाण चीन में मिलता है। हान राजवंश के शासनकाल में पतंगों का सैन्य उपयोग भी होता था। वहां के सैन्य कमांडरों ने दुश्मन सेना की स्थिति और दूरी का पता लगाने के लिए पतंगों का भी इस्तेमाल किया। कहा जाता है कि पतंगबाजी भी चीन के रास्ते भारत पहुंची है। अब आपके मन में भी यह सवाल उठ रहा होगा कि आखिर यह मांझा इतना खतरनाक क्यों है और एक पतला धागा लोगों की जान कैसे ले सकता है?

योगी की आक्रामकता पर विपक्ष खामोश क्यों

राजेश कुमार पासी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि एक फायरब्रांड नेता की है । उन्होंने अपनी छवि के अनुरूप ही यूपी विधानसभा में 16 दिसम्बर को बेहद तल्ख लहजे में विपक्ष पर हमला किया। उनके जबरदस्त भाषण के दौरान पूरे सदन में चुप्पी छाई रही। उनके भाषण के बाद भी विपक्ष को समझ नहीं आ रहा है कि वो उनके तर्कों और तथ्यों का क्या जवाब दे। योगी जी की यही विशेषता है कि वो अपनी बात पूरे तर्क और तथ्य के साथ रखते हैं। उनकी कठोर से कठोर कार्यवाही कानून के अनुसार होती है। पूरा देश उन्हें बुलडोज़र बाबा के नाम से जानता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट भी उनके बुलडोजर को रोक नहीं पाया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस आने के बाद भी उनका बुलडोजर गरज रहा है क्योंकि उनकी सरकार अपनी सारी कार्यवाहियों को कानून के दायरे में रह कर करती है। भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं को उनमें भावी प्रधानमंत्री दिखाई देता है। देखा जाए तो वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में वो अकेले ऐसे नेता हैं जिन्हें मोदी का उत्तराधिकारी कहा जा सकता है। इसकी वजह यह है कि भाजपा एक कैडर बेस्ड पार्टी है इसलिये कैडर की भावनाओं के खिलाफ पार्टी नहीं जा सकती।इसके अलावा देश की जनभावनाओं को देखते हुए भी कहा जा सकता है कि वो मोदी के बाद देश के प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। जैसे मोदी जी एक राज्य के मुख्यमंत्री होने के बावजूद पूरे देश में लोकप्रिय हो चुके थे, ऐसे ही योगी जी की लोकप्रियता पूरे देश में फैल चुकी है। भाजपा में चुनाव प्रचार के लिए मोदी जी के बाद सबसे ज्यादा मांग योगी जी की होती है। अगर आज मोदी जी देश के प्रधानमंत्री हैं तो इसकी सबसे बड़ी वजह भाजपा कार्यकर्ताओं में उनकी लोकप्रियता थी । भाजपा संगठन में अपने कैडर की इच्छा के विपरीत जाने की हिम्मत नहीं हुई । मुझे लगता है कि भारतीय राजनीति में इतना दबंग मुख्यमंत्री कभी नहीं आया है । जिस साफगोई से योगी अपनी बात कह रहे हैं, वो राजनीति में एक विलक्षण चीज है । वो बिना किसी लाग-लपेट के पूरी स्पष्टवादिता के साथ अपनी बात रख रहे हैं । संभल हिंसा में 5 दंगाईयों के मारे जाने पर विपक्ष उन्हें घेरना चाहता है लेकिन वो रक्षात्मक होने की जगह आक्रामक तरीके से मुकाबला कर रहे हैं । उन्होंने संभल दंगों का पूरा इतिहास सदन में रख दिया और कहा कि संभल दंगों में 209 हिन्दुओं की हत्या हो चुकी है लेकिन विपक्ष उस पर बोलने को तैयार नहीं हैं । उन्होंने संभल हिंसा के दंगाइयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का संदेश सदन में दे दिया । उन्होंने कहा कि बिना साक्ष्य किसी को पकड़ा नहीं जा रहा है और अपराधियों को वो छोड़ने वाले नहीं हैं । उन्होंने 46 साल पुराने मंदिर के मिलने पर कहा कि आपने मंदिर नहीं तोड़ा, आपका अहसान है लेकिन वहां 22 कुंओं को किसने पाट दिया और कुंओं में हिन्दू देवी-देवताओं की मूर्तियां क्यों मिल रही हैं । योगी ने अल्लामा इकबाल का 'तराना-ऐ-मिल्ली' पढ़ कर सुनाया और उन्हें जेहादी करार दिया । जो लोग इकबाल को गंगा-जमुनी तहजीब का रहनुमा घोषित करते हैं, उन पर बड़ा प्रहार किया है ।

एक समाजवादी नेता ने कहा कि दंगा इसलिए हुआ क्योंकि हिंदुओं ने जय श्री राम का नारा लगाया था। इस पर योगी ने कहा कि इससे आपको दिक्कत नहीं होनी चाहिए । उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूं कि मुझे अल्लाह-हु-अकबर से दिक्कत है तो क्या आप बोलना बंद कर देंगे । उन्होंने कहा कि जब मंदिर और हिन्दू मोहल्ले से मुस्लिम जुलूस और यात्रा निकल सकती है तो मस्जिद और मुस्लिम मोहल्ले से हिन्दू यात्रा क्यों नहीं निकल सकती । उन्होंने कहा कि अगर ऐसी यात्राओं पर दंगा होता है तो सरकार उससे सख्ती से निपटेगी । उन्होंने कहा कि मुस्लिम जलूस और त्यौहारों पर समस्या नहीं खड़ी होगी लेकिन हिन्दू जलूस और त्यौहार पर अगर कोई समस्या खड़ी करेगा तो सरकार उससे सख्ती से निपटेगी । धर्मनिरपेक्षता पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता पर बात करना व्यर्थ हैं क्योंकि मूल संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द नहीं है । योगी अब राजनीति का एजेंडा तय कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के बाद उन्होंने ही 'बटोगे तो कटोगे' का नारा दिया जिसे बाद में पूरी भाजपा ने अपना लिया। उनका यह नारा अब धीरे-धीरे पूरे देश में फैल गया है। अब ये सिर्फ भाजपा का नारा नहीं रह गया है, ये पूरे हिन्दू समाज की आवाज बन गया है। मुझे लगता है कि ये नारा बहुत दूर तक जाने वाला है । उन्होंने बांग्लादेश, संभल, ज्ञानवापी और अयोध्या के दंगाइयों की बात करते हुए कहा कि सबका डीएनए एक है । योगी ने दिखा दिया है कि हिन्दू और हिंदुत्व की बात करते हुए उन्हें किसी किस्म का डर नहीं है और न ही किसी किस्म की शर्म है । मामला अदालत में चल रहा है, इसके बावजूद वो ये कहने से नहीं हिचके कि जुमे की नमाज से पहले जो मस्जिद में तकरीर की गई, उसके कारण दंगा हुआ । यही योगी की पहचान है. जब उन्होंने राजनीति शुरू की थी, तब ही बोल दिया था कि मैं हिन्दू हूं और ईद नहीं मनाता । इसके बावजूद उनके प्रशासन की विशेषता यह है कि उन्होंने कभी धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया है । उनके शासन में यूपी सरकार की किसी भी योजना में मुस्लिमों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया है । लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कहा था कि यूपी में मुस्लिमों की जनसंख्या बीस प्रतिशत है और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ चालीस प्रतिशत के करीब मिल रहा है । योगी जब बोलते हैं तो वो राजनीतिक लाभ-हानि को देखकर नहीं बोलते क्योंकि सत्ता का मोह उनको नहीं है । योगी कहते हैं कि औरंगजेब और बाबर भारत की पहचान नहीं हैं, भारत की पहचान राम-कृष्ण और गौतम बुद्ध हैं । भारत बाबर और औरंगजेब को अपना आदर्श नहीं मान सकता, भारत तो राम-कृष्ण और गौतम बुद्ध के रास्ते पर ही चलेगा । मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूढंने की बात पर वो कहते हैं कि मंदिरों को तोड़कर उनकी जमीन पर मंदिरो के मलबे से मस्जिदों का निर्माण क्यों हुआ, इसका जवाब मुस्लिम समुदाय और सेक्युलरों को देना चाहिए । उनके कहने का मतलब यही है कि यह करतूत इसलिए की गई है ताकि हिन्दुओं को अपमानित किया जा सके ।

योगी की एक विशेषता यह है कि वो अपनी बात बेहद स्पष्ट तरीके से सरल भाषा में कहते हैं ताकि उनकी बात जनता तक पहुंच सके । वो जानते हैं कि जनता जटिलताओं को नहीं समझती । वो भाजपा के नेताओं को समझा रहे हैं कि जटिल भाषा और छुपा कर बोलने से कुछ नहीं होने वाला, खुलकर बोलना होगा तभी आम जनता तक बात पहुंचेगी । योगी कानून के अनुसार काम करते हैं । उन्होंने कानूनी तरीके से सिर्फ अवैध संपत्तियों को ही गिराया है । यही कारण है कि जिन लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाया गया है उनकी हिम्मत अदालत जाने की नहीं हुई । विपक्ष को समझ नहीं आ रहा है कि वो योगी के हमलों पर क्या प्रतिक्रिया दे और कैसे दे । उनके तर्कों और तथ्यों की काट विपक्ष के पास नहीं है इसलिये इधर-उधर की बात करके उन पर हमला किया जाता है । योगी राजनीति में एक बड़ी लकीर खींच रहे हैं, जिसके सामने दूसरे नेताओं की लकीर बहुत छोटी नजर आ रही है ।

उनके भाषण के दौरान पूरा विपक्ष बिल्कुल चुप था, उसे समझ नहीं आ रहा था कि वो इसका क्या जवाब दे । इसके अलावा अगर किसी नेता ने कोई सवाल उठाया भी तो उन्होंने उसका करारा जवाब दिया । उन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति पर करारा प्रहार किया है और स्पष्ट कर दिया है कि वो हिंदुत्व की राजनीति करेंगे, चाहे कोई कुछ भी बोलता रहे ।

विपक्ष के लिए समस्या यह है कि वो मोदी जी के जाने का इंतजार कर रहा है लेकिन उसे अब डर लग रहा है कि मोदी के जाने के बाद अगर योगी सत्ता में आ गए तो उसकी मुश्किल बहुत बढ़ने वाली है । मोदी विपक्ष के हमले को सहन कर लेते हैं लेकिन योगी हर हमले का जवाब देते हैं । शायद यही कारण है कि भाजपा समर्थक योगी के आने का इंतजार कर रहे हैं । वास्तव में योगी हिन्दू मन की बात कह रहे हैं। वो हिंदुओं की आवाज बन चुके हैं जिसे अभी तक धर्मनिरपेक्षता के नाम पर दबाया गया है। योगी में हर हिन्दू खुद को देख रहा है, ये आने वाले समय में विपक्ष की बड़ी समस्या बनेगी।

पाकिस्तान की राह पर जाता बांग्लादेश

राधा रमण

बीते कुछ वर्षों से ऐसा आखिर क्या हो गया कि बांग्लादेश से हमारे संबंधों में कटुता आ गई। खेदजनक बात यह कि यह वही बांग्लादेश है जिसे करीब 53 साल पहले तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान से अलग करके बनाया था। इसके लिए 13 दिनों तक घनघोर युद्ध हुआ था। बांग्लादेश को बनाने में हमने न सिर्फ सैन्य सामग्री दी थी बल्कि हमारे सैनिकों ने अपनी जान का बलिदान दिया था। उसमें काफी संख्या में हिन्दू सैनिक भी थे। आज उसी बांग्लादेश में हिन्दुओं, बौद्धों और ईसाइयों पर चुन-चुन कर हमले किये जा रहे हैं। उनके घरों, प्रतिष्ठानों और पूजा-पंडालों को निशाना बनाया जा रहा है। उनकी बहन-बेटियों की आबरू सरेआम लूटी जा रही है। उनकी हत्या की जा रही है और हम आज भी वहाँ की अपदस्त प्रधानमंत्री के लिए लाल कालीन बिछाए हुए हैं। इसके खिलाफ अपने देश के आम जनमानस में गुस्सा है। जगह-जगह लोगबाग सडकों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं और सरकार मौन ओढ़े हुए है।

सवाल यह कि क्या सच में बांग्लादेश में कट्टरपंथी हावी हैं और वह भारत के लिए स्थायी नासूर बनने की ओर अग्रसर है? वहाँ की सरकार बेबस है या यह उसकी सोची-समझी रणनीति है? क्या बांग्लादेश पाकिस्तान की राह पर तो नहीं चल पड़ा है?

ऐसा नहीं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों से सिर्फ भारतीय दुखी और गुस्से में हैं। बांग्लादेश के अमन पसंद प्रबुद्ध लोग और वहाँ की मीडिया भी इसे ठीक नहीं मान रही है। बांग्लादेश के प्रमुख अंगरेजी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने इसपर अपने संपादकीय में लिखा है कि 'आशावादी नज़रिये से हम नहीं लिख रहे हैं बल्कि निराशावश लिख रहे हैं कि बांग्लादेश में शरारती तत्वों ने हिन्दुओं पर हमला करके जघन्य काम किया है, जिससे दुख है। कई मामलों में बौद्ध समुदाय पर भी हमले हुए। हिन्दू मंदिरों, पूजा पंडालों, बौद्ध लोगों के घरों या ईसाइयों के काम करने की जगहों या जहाँ कहीं भी सांप्रदायिक हिंसा हुई है और जहाँ पर अल्पसंख्यक आबादी को नफ़रत के इरादे से निशाना बनाया गया है, उसने हमारे राष्ट्र को कमज़ोर ही किया है। इसने हमारे लोगों में विभाजन पैदा किया है और समुदायों के बीच शत्रुता को जगह दी है।'

अखबार लिखता है कि 'यह बहुत लंबे समय से चल रहा है और सांप्रदायिक हिंसा से निपटने के मामले में जो हमने अब तक किया है, वो वापस हर साल हमारे सामने आ जाता है। जिन्होंने ये हमले किए उनकी पहचान की जाए और उन्हें गिरफ़्तार किया जाए। इसके साथ ही इसको पहली बार जिसने भड़काया उन्हें भी पकड़ा जाए। इस तरह की अफ़वाहें हैं कि देश को अस्थिर करने के लिए यह योजना बनाई गई और कई ग़लतफ़हमियों को लेकर भी बात है लेकिन जो भी कारण रहे हों, यह हमारी अल्पसंख्यक जनता है, जिसको सहना पड़ा है और हमारे लोगों की सुरक्षा के लिए कुछ ठोस कार्रवाई करनी होगी। बांग्लादेश तरक़्क़ी कर रहा है और हम विकासशील दुनिया के लिए एक नमूना हैं। लेकिन क्या हम इस बात को लेकर गंभीर हैं कि किसी भी पृष्ठभूमि का व्यक्ति इस राष्ट्र में सुरक्षित महसूस करेगा? क्या हम वास्तव में विकास कर पाएंगे? इस स्तर पर बांग्लादेश एक ऐसा देश लग रहा है, जिसमें अल्पसंख्यकों के लिए कोई जगह नहीं है, जबकि हमारे देश की नींव धर्मनिरपेक्षता की बुनियाद पर रखी गई है।'

ऐसा भी नहीं है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले वहाँ की सरकार के तख्तापलट के बाद ही हो रहे हैं। सच तो यह है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले 2021 की दुर्गापूजा के समय भी हुए थे लेकिन तब भारतीय मीडिया ने इस बात को न जाने क्यों प्रमुखता नहीं दी और बात आई-गई हो गई। यह भी सच है कि हाल के इन हमलों को लेकर सरकार का विरोध महज औपचारिकता का ही है। आज भी भारत कई स्तरों पर बांग्लादेश की मदद कर रहा है। उधर, बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुखिया नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने इन हमलों की निन्दा करके अपने कर्तव्य से मुक्ति पा ली। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनकी सरकार हमलावरों के खिलाफ कठोर कदम कब उठाएगी। कुछ करेगी भी या हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेगी।

बांग्लादेश के अल्पसंख्यक खासकर हिन्दू दहशत में हैं। रिपोर्ट लिखे जाने तक वहाँ हिन्दुओं के घरों और पूजा पंडालों पर 2000 से ज्यादा हमले हो चुके हैं। उनके जान के लाले पड़े हैं। पता नहीं कब उनके घर-प्रतिष्ठान पर हमला हो जाए और उनका जीवन संकट में पड़ जाए। वे भारत की तरफ आशाभरी निगाह से टकटकी लगाकर देख रहे हैं। इधर, मणिपुर मामले की तरह बांग्लादेश के मामले में भी प्रधानमंत्री की चुप्पी बरकरार है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश में हो रहे हमले और इस्कान मंदिर के महंत स्वामी चिन्मय कृष्ण दास की वहाँ की सरकार द्वारा देशद्रोह के मामले में गिरफ्तारी के विरोध में यहाँ दिल्ली, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, असम, पश्चिम बंगाल, गुजरात, राजस्थान और कर्नाटक समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन जारी है। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उससे जुड़े लोग भी शामिल हैं। लेकिन सरकार की ओर से निन्दा करने और दुःख जताने के अलावा कोई ठोस प्रतिक्रिया अभी तक नहीं की गई है। चिन्मय कृष्ण दास वहां हिन्दुओं के नेता रहे हैं और हमले के विरोध में सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे थे। उधर, अगरतला में बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में विरोध प्रदर्शन और तोड़फोड़ के खिलाफ बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी मामलों के सलाहकार ने न सिर्फ हमारे उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब कर लिया बल्कि उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई। जबकि भारत के विदेश मंत्रालय ने न सिर्फ घटना पर अफ़सोस जताया था बल्कि राजनयिक मिशन में तोड़फोड़ के सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था और सुरक्षा में चूक के लिए सात पुलिसकर्मियों को निलंबित भी किया था।

गपशप एक्सप्रेस

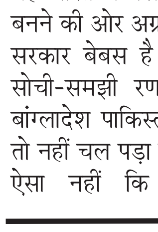

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

दोपहर के समय घरों की गलियों में एक खास हलचल होती है, जो सुबह की आपाधापी और शाम की चहल-पहल से बिल्कुल अलग होती है। यह समय होता है जब मोहल्ले की महिलाएं अपने तमाम कामकाज निपटाकर थोड़ी देर के लिए चैन की सांस लेती हैं और इस चैन को गपशप के मसालेदार लिबास में लपेटकर एक-दूसरे के साथ साझा करती हैं। यह गपशप केवल बातचीत नहीं होती, बल्कि इसमें दुनिया जहान के सारे मुद्दे, राजनीति से लेकर पड़ोस की पॉलिटिक्स तक, फिल्मी गॉसिप से लेकर नई रेसिपी तक, और कभी-कभी तो कौन किसकी सास से कितना परेशान है जैसे गंभीर विषय भी शामिल होते हैं।

जैसे ही एक महिला आवाज़ लगाती है, चाय बन गई, आ जाओ, बाकी मंडली अपने-अपने घरों से ऐसे निकलती हैं जैसे सभा में शामिल होना सीबीआई की बैठक में भाग लेने जैसा अनिवार्य कार्य हो। गोल चबूतरे पर, या किसी के आंगन में चटाई पर जम जाती हैं। हाथ में चाय का कप और मन में दिनभर की भड़ास लिए, बातों का सिलसिला शुरू हो जाता है।

अरे, कल सुनीता की बहू को देखा था? इतना महंगा सूट पहन रखा था! लगता है, बेटा बहुत कमा रहा है। ₹अरे बहन, वो सब दिखावा है। मैंने तो सुना है, वो ईएमआई पर जी रहे हैं। सूट का पैसा किस्तों में चुका रही होगी।

यह सुनते ही सबकी हंसी छूट जाती है। हंसी के ठहाकों के बीच, किसी को अचानक याद आता है कि पड़ोस की नई बहू के बारे में भी चर्चा नी चाहिए।

थोड़ी देर बाद गपशप का रुख फिल्मी दुनिया की ओर मुड़ता है। ₹कृति सेनन की नई फिल्म देखी? उसमें वो क्या नाम है, वही... वही हीरो जो बड़ा हैंडसम है !अरे, ऋतिक रोशन की बात कर रही हो? वो अब भी हीरो है क्या? मैं तो सोच रही थी, रिटायर हो गया होगा।

फिल्मों से होते हुए बातचीत का विषय अचानक राजनीति पर आ जाता है।

सुना है, हमारे वार्ड में नई सड़क बनने वाली है। हां, सुना तो है, पर मुझे शक है। नेता लोग सिर्फ चुनाव से पहले ऐसी बातें करते हैं।

बिल्कुल सही कहा। और हां, उस सड़क पर चाय की दुकान खुलने वाली है, मैंने सोच लिया है, अपने बेटे के लिए एक ठेला लगवा दूंगी। जब बात राजनीति से बोरिंग लगने लगती है, तो एक नई चिंगारी फूटती है - रेसिपी का ज्ञान। अरे, कल मैंने आलू पराठे में पुदीना डाला, मज़ा ही आ गया! क्या बात कर रही हो? मैंने तो आलू में दही मिलाकर बनाया था। तुम्हारी पुदीना रेसिपी ट्राई करूंगी।

और वो मटर-पनीर का जो मसाला तुमने बताया था, वो बिल्कुल काम का नहीं निकला। पनीर कच्चा रह गया। यह सुनते ही पनीर रेसिपी की गहन समीक्षा शुरू हो जाती है।

इस मंडली में सास-बहू के रिश्तों की चर्चा न हो, ऐसा भला हो सकता है?

मेरी बहू तो सुबह-सुबह उठकर पूजा करती है। पर किचन में घुसने का नाम नहीं लेती।अरे बहन, तुम फिर भी खुशकिस्मत हो। मेरी बहू तो पूजा का थाल हाथ में लिए फोन पर रील्स देखती रहती है। मुझे तो डर है कि एक दिन वो भगवान से भी चैट करने न लग जाए! इस पर सब जोर-जोर से हंस पड़ती हैं।

गपशप का यह दौर खत्म होने का नाम नहीं लेता, लेकिन घर के काम और बच्चों की पढ़ाई की याद दिलाने के लिए घड़ी का अलार्म बजने लगता है। सब एक-दूसरे को वादा करती हैं कि कल फिर मिलेंगे और फिर से उसी तरह हंसते-गुनगुनाते घर लौट जाती हैं। यह दोपहर की गपशप महिला मंडली के लिए केवल मज़े का जरिया नहीं, बल्कि एक थेरेपी है, जहां वे अपने दिल का हाल सुनाकर हल्का महसूस करती हैं। इन बातों में छिपा प्यार, शिकायतें, और हल्के-फुल्के ताने न सिर्फ उन्हें जोड़े रखते हैं, बल्कि जीवन के तनाव को कम करने का एक अनोखा तरीका भी बन जाते हैं।

प्रियंका गांधी के 'गांधीवादी थैले' की सियासत

कमलेश पांडेय

पॉलिटिकल सेलिब्रिटी, कांग्रेस महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी का 'बौद्धिक गांधीवादी थैला' अब एक नहीं बल्कि दो अंतरराष्ट्रीय विवादों की ओर लोगों का ध्यान बरबस खींच चुका है जिसमें इजरायल द्वारा फलस्तीनी सुन्नी मुसलमान उत्पीड़न और बंगलादेशी हिन्दू/ईसाई उत्पीड़न का मसला प्रमुख है। इस बीच सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के सवालों और जवाबों के बीच उत्तर प्रदेश के फायर ब्रांड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यूपी-इजराइल से जुड़ी रोजगारपरक टिप्पणी ने इस मामले पर देशी तड़का जड़ दिया है।

इससे सोशल मीडिया पर शुरू हुई सांप्रदायिक बहसों के साथ-साथ पापी पेट के सवाल को भी एक नया दूरदर्शी आयाम मिल चुका है, वहीं, यदि राजनीतिक नजरिए से देखें तो पहले सुन्नी मुस्लिम बहुल फलस्तीन से जुड़े सवालों पर गांधीवादी थैला संसद में जाते ववक्त प्रदर्शित करके और उस पर विवाद उत्पन्न होने के बाद दूसरे दिन बंगलादेशी हिंदुओं और ईसाइयों के उत्पीड़न से जुड़ा दूसरा थैला प्रदर्शित करके युवा सांसद प्रियंका गांधी ने अपने पूर्वज प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कांग्रेसी मध्यम मार्ग पर पुनः लौटने का दूरदर्शिता पूर्ण संकेत दिया है।

ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि जहां पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव ने कांग्रेस को दक्षिण मुखी बनाने के चक्कर में उत्तर भारतीयों को पार्टी से दूर कर दिया, वहीं पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अल्पसंख्यक प्रथम की बात छेड़कर बहुसंख्यकों को नाराज कर दिया। जानकार बताते हैं कि ऐसा करके इन लोगों ने भले ही अपना-अपना गठबंधन कार्यकाल पूरा कर लिया, लेकिन कांग्रेस खोखली होती गई। हालांकि, उसके बाद पार्टी का जनाधार इतना लुढ़का कि 2014 और 2019 में उसे नेता प्रतिपक्ष का तमगा भी नहीं मिला। हां, राहुल गांधी के जुझारूपन ने 2024 में यह तमगा हासिल कर लिया और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद अपनी बहन प्रियंका गांधी को भी सेफ सियासी मोड में अपनी छोड़ी हुई सीट से लोकसभा ले आए। वहीं, लोकसभा में आते ही प्रियंका गांधी ने लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ वाले तेवर दिखाने शुरू कर दिए।

सर्वप्रथम उन्होंने भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में लोकसभा में आयोजित विशेष बहस पर प्रथम विपक्षी सम्बोधन देते हुए और उसके बाद बैग पॉलिटिक्स को हवा देकर जनमानस को यह संकेत दे दिया कि भाई-बहन की यह जोड़ी कोई न कोई नया सियासी गुल खिलाती रहेगी जो कि राजनीति की पहली शर्त समझी जाती है।

वहीं बदलती राजनीतिक परिस्थितियों के बीच इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को अपनी हद में रहने के परोक्ष संकेत देकर भाई-बहन की जोड़ी ने अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं को भी स्पष्ट कर दिया है क्योंकि उन्हें पता है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का विकल्प केवल कांग्रेस है जिसे जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए चुनावी वैशाखियों को उनकी हद में रखना होगा ताकि कार्यकर्ताओं के मनोबल ऊंचे रहें। वहीं, पीएम मोदी के प्रबल विरोधों के बीच राहुल गांधी की अल्पसंख्यक समर्थक और उद्योगपति विरोधी छवि बनने से भी कांग्रेस भीतर ही भीतर चिंतित है। इसलिए उसने प्रियंका गांधी को आगे करके अपना मध्यम मार्ग वाला कांग्रेस कार्ड फिर फेंका है ताकि इंडिया गठबंधन में नेतृत्व के सवाल पर यदि कांग्रेस अलग थलग भी पड़ जाए तो उसका मध्यममार्गी स्वरूप जनमानस को रिझाए, जिसके दम पर वह लगभग 6 दशकों तक वामपंथियों और दक्षिणपंथियों को पछाड़ती रही है।यही वजह है कि राहुल गांधी के साथ साथ प्रियंका गांधी ने भी खुद को सियासी चर्चा का विषय बनाये रखने के लिए अपने नवप्रयोगों को हवा दी जिससे राजनीतिक चर्चाओं का कोर्स ही बदल गया। बताते चलें कि संसद के मौजूदा सत्र से अपनी संसदीय पारी की शुरुआत करने वाली कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी के बैग इन दिनों खासी चर्चा और विवाद का केंद्र बन रहे हैं।

इससे उनकी इंदिरा गांधी वाली छवि भी परिपुष्ट हुई है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की रणनीति है कि 2029 में मोदी-योगी के मुकाबले राहुल-प्रियंका के फेस को इतना मजबूत बना दिया जाए कि उन्हें इंडिया गठबंधन के सहयोगी मनमाफिक नचाने की जुर्रत ही नहीं कर सकें क्योंकि वह इस बात को समझती हैं कि पीएम फेस के लिए राहुल का मुकाबला मोदी, योगी, फडणवीस, सम्राट आदि से कम और अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, अरविंद केजरीवाल जैसों से ज्यादा होगी। इसलिए उन्होंने कांग्रेस को अपने बूते आगे बढ़ाने का निश्चय किया है और रणनीतिक रूप से गठबंधन सहयोगियों के लिए अपने दरवाजे खोल रखे हैं, लेकिन अपनी शर्तों पर !

ये राशियां होती हैं पढ़ाई में बेहद अच्छी, हमेशा रहते हैं अव्वल

हर व्यक्ति दूसरे से अलग होता है। हर व्यक्ति की आदतें और व्यवहार अलग-अलग होते हैं। कुछ लोगों को खाली समय में घूमना-फिरना, दोस्तों से मिलना या टीवी देखना पसंद होता है। वहीं कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें बस किताबों में डूबे रहना पसंद होता है। उनकी इस आदत की वजह से कई बार लोग उन्हें किताबी कीड़ा भी कहते हैं। ज्योतिष शास्त्र कहता है कि राशियों का भी व्यक्ति के स्वभाव पर असर पड़ता है। ज्योतिष चिराग दारूवाला ऐसी ही पांच राशियों के बारे में बता रहे हैं, जिनके जातकों को पढ़ना बहुत पसंद होता है और वे पढ़ाई में अव्वल होते हैं। तो आइए जानते हैं वे कौन सी राशि हैं।

1. मिथुन राशि

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मिथुन राशि के लोग बुद्धिमान होने के साथ-साथ तार्किक भी होते हैं। ये लोग हमेशा अपना ज्ञान बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए इन्हें किताबें पढ़ना पसंद होता है। इस राशि के लोग बहुत बुद्धिमान होते हैं।

2. कन्या राशि

कन्या राशि के लोगों को पढ़ना बहुत पसंद होता है और वे लंबे समय तक किताबें पढ़कर अपना समय बिताना पसंद करते हैं। इन्हें किताबी कीड़ा कहना गलत नहीं होगा। इस राशि के लोगों को उपहार में किताबें मिलना बहुत पसंद होता है।

3. धनु राशि

इस राशि के लोगों को किताबी कीड़ा नहीं कहा जा सकता क्योंकि एक ही जगह पर बैठकर घंटों पढ़ाई करना इन्हें परेशान करता है, लेकिन ये स्वभाव से जिज्ञासु होते हैं और जब भी पढ़ते हैं तो पूरी एकाग्रता के साथ पढ़ते हैं। इस राशि के लोग अक्सर अपनी क्लास में अव्वल आते हैं।

4. कुंभ राशि

इस राशि के लोगों में ज्यादा से ज्यादा जानने की जिज्ञासा होती है। इन्हें नई-नई चीजें सीखना और उनके बारे में जानना अच्छा लगता है। ये लोग किसी भी परीक्षा से पहले चीजों को याद कर लेते हैं। साथ ही उन चीजों को बेहतर तरीके से समझना भी इनकी आदत में शामिल होता है। ये लोग पहले चीजों को समझते हैं और फिर उस पर सवाल उठाते हैं।

5. मकर राशि

इस राशि के लोग जब पढ़ाई करते हैं तो पूरी लगन के साथ करते हैं। ये पढ़ाई में हमेशा आगे रहते हैं और जब पढ़ने बैठते हैं तो अपना पाठ पूरा करके ही उठते हैं। सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि अगर ये कोई काम ठान लें तो उसे पूरा किए बिना राहत की सांस नहीं लेते।

खरमास में ये चमत्कारिक उपाय सिर्फ पति-पत्नी को ही करना चाहिए

15 दिसंबर 2024 से खरमास की शुरुआत हो चुकी है। माना जाता है कि, खरमास के दौरान सूर्य के तेज में कमी आ जाती है। इसीलिए खरमास के दौरान शुभ-मांगलिक कार्यों को करने की मनाही होती है। मान्यताओं के अनुसार, शुभ कार्य करते समय सूर्य का प्रबल होना आवश्यक है। लेकिन खरमास के दौरान सूर्य के तेज में कमी आ जाती है। हालांकि खरमास एक ऐसी अवधि भी है जिसमें धार्मिक उपाय करने से कई तरह के लाभ प्राप्त हो सकते हैं। इस दौरान वैवाहिक और पारिवारिक जीवन में सुख शांति लाने के कई उपाय हैं। इन्हीं उपायों में से कुछ के बारे में आज हम आपको अपने इस लेख में जानकारी देंगे। इन उपायों को पति-पत्नी को मिलकर करना चाहिए।

सूर्य को दें अर्घ्य

खरमास के दौरान सूर्य देव को जल का अर्घ्य देना बहुत उत्तम होता है। अगर संभव हो तो तांबे के लोटे से अर्घ्य दें। इस उपाय को करने से कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है। इसके साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों का भी अंत होता है। पारिवारिक जीवन में भी इस उपाय को करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

यह उपाय वैवाहिक और प्रेम जीवन में लाएगा संतुलन

अगर आपको वैवाहिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, या फिर प्रेम जीवन ठीक नहीं चल रहा, तो खरमास में गुरुवार या शुक्रवार के दिन आपके एक आसान सा उपाय करना है। आपको मिट्टी के एक दीये में कपूर के दो टुकड़े जलाने हैं और इसका धुआं पूरे घर में फैलाना है। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मकता दूर होती है और साथ ही वैवाहिक जीवन में आपको अच्छे परिणाम मिलने लग जाते हैं। पति-पत्नी के बीच में आ रहे मतभेद भी इस उपाय को करने से दूर होते हैं। हालांकि, पति-पत्नी को मिलकर इस उपाय को करना चाहिए।

खरमास में ऐसे करें तुलसी पूजन

तुलसी को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना गया है। खरमास के दौरान भी आपको तुलसी की पूजा अवश्य करनी चाहिए और साथ ही 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। इस आसान से उपाय को करने से आपको खरमास के दौरान बेहद अच्छे परिमाम मिल सकते हैं। ऐसा करना आर्थिक रूप से आपको संपन्न बनाता है, साथ ही परिवार में खुशियां आती हैं। यह उपाय वैवाहिक और प्रेम जीवन की परेशानियों को दूर करने वाला भी माना गया है।

खरमास में करें इन मंत्रों का जप

खरमास के दौरान आपको मंत्र जप करने से भी शुभ फल प्राप्त होते हैं। नीचे दिए गए मंत्रों में से कुछ मंत्रों का जप भी अगर आप दिन में एक बार कर लेते हैं, तो जीवन की कई परेशानियों से आपको छुटकारा मिल सकता है।

ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।

ॐ श्रीं ह्रीं पूर्ण गृहस्थ सुख सिद्धये ह्रीं श्रीं ॐ नमः।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः।

क्या होता है महाकुंभ में शाही स्नान?

भानु प्रताप दुबे

पूरे देश के साधु-संतों का महाकुंभ का बेसब्री से इंतजार रहता है। इस साल 12 साल बाद प्रयाग में महाकुंभ का आयोजन होगा। प्रयाग महाकुंभ की शुरुआत पौष पूर्णिमा स्नान के साथ 13 जनवरी 2025 को है। वहीं महाशिवरात्रि के दिन 26 फरवरी 2025 को अंतिम स्नान के साथ इस महापर्व का समापन होगा। इस दौरान 5 शाही स्नान भी होंगे। गौरतलब है कि 14 जनवरी (मकर संक्रांति), 29 जनवरी (मौनी अमावस्या)3 फरवरी (बसंत पंचमी), 12 फरवरी (माघी पूर्णिमा), 26 फरवरी (महाशिवरात्रि)को महाकुंभ के दौरान शाही स्नान होगा।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से जातकों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और सभी पापों से छुटकारा मिल जाता है। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम के तट पर स्नान करने का विशेष

महत्व है। इस त्रिवेणी संगम पर विशेष अवसरों पर स्नान करने को शाही स्नान के नाम से जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि त्रिवेणी संगम पर शाही स्नान किस कारण से किया जाता है?

क्या है धार्मिक मान्यता?

दरअसल, सनातन धर्म में प्रयागराज का संगम स्नान बेहद पवित्र माना जाता है। प्रयागराज में गंगा यमुना और सरस्वती नदी का संगम होता है। ऐसी धार्मिक मान्यता है कि महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में स्नान करने से जातकों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और पापों से छुटकारा मिलता है।

कब होता है शाही स्नान?

प्रयागराज में गंगा जमुना और सरस्वती के मिलन का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है महाकुंभ, कुंभ और अर्धकुंभ जैसै आयोजनों में साधु-संतों को सम्मान के साथ स्नान कराया जाता है। इसलिए ही इसे शाही स्नान कहा जाता है। महाकुंभ या कुंभ के दौरान ग्रह और नक्षत्रों की विशेष स्थिति के कारण जल चमत्कारी हो जाता है। शाही स्नान तभी किया जाता है, जब ग्रह नक्षत्र बेहद शुभ स्थिति में होते हैं। ये स्नान करने से सभी पापों का नाश होता और आत्मा शुद्ध होकर मोक्ष प्राप्ति की ओर चली जाती है।

शुक्र दिसंबर के आखिरी हफ्ते में बदलेंगे चाल

शुक्र ग्रह 28 दिसंबर को अपने मित्र शनि की राशि कुंभ में गोचर करेंगे। शुक्र को ज्योतिष में भौतिकता, कला, रोमांस आदि का कारक माना जाता है। इनके कुंभ राशि में गोचर करने के बाद कुछ राशियों के जीवन में बेहतरीन बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इन राशियों को प्रेम जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे और करियर-कारोबार के लिए भी समय अच्छा रहेगा।

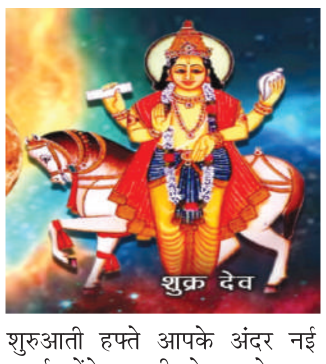

वृषभ राशि

शुक्र ग्रह का गोचर आपकी राशि से दसवें स्थान में होगा। यह करियर, कर्म आदि का भाव कहा जाता है। शुक्र के गोचर के बाद आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे बदलाव दिखेंगे, सहकर्मी साथ देंगे और आपके काम की तारीफ भी हो सकती है। कलात्मक क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोगों को बड़ी उपलब्धि इस दौरान प्राप्त हो सकती है। 2025 के शुरुआती हफ्ते आपके अंदर नई ऊर्जा भरेंगे। अपनी योग्यता के बल पर नए मुकाम पर आप पहुंच सकते हैं। इस राशि के उन लोगों के लिए भी समय यादगार रहेगा जो खेलों से जुड़े हैं। पारिवारिक जीवन में संतुलन बना रहेगा।

मिथुन राशि

आपके धर्म भाव में शुभ ग्रह शुक्र का गोचर होगा। इस गोचर के चलते नये साल में शांति और सद्भाव के साथ आप प्रयास करेंगे। नए साल को लेकर जो नए संकल्प आपने लिए हैं उन्हें लागू कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी और कमाई के कुछ नए स्रोत भी आपको प्राप्त हो सकते हैं। भाग्य भी इस दौरान आपको भरपूर सहयोग देगा। माता-पिता के जरिये भी लाभ मिलने की उम्मीद है। अगर आप नया कारोबार शुरू करने का विचार बना रहे हैं, तो इस दौरान जी तोड़ मेहनत कर सकते हैं।

सिंह राशि

शुक्र आपके विवाह और साझेदारी के भाव में गोचर करेंगे। शुक्र के गोचर के बाद आपके वैवाहिक जीवन में कई चेंज दिखेंगे। जीवनसाथी के साथ आपके मतभेद दूर होंगे। वहीं कुछ विवाहित जातकों के जीवन में नए मेहमान की दस्तक हो सकती है। इस राशि के वो जातक बड़ा धन लाभ पा सकते हैं, जो साझेदारी में कारोबार करते हैं। करियर के क्षेत्र में भी ऊंचाइयां इस राशि के जातक छू सकते हैं। 2025 के शुरुआती दिनों में कोई बड़ी खुशखबरी भी इस राशि के जातकों को मिल सकती है। सेहत में भी अच्छे बदलाव देखने को मिलेंगे।

तुला राशि

शुक्र ग्रह आपकी राशि के स्वामी हैं और आपके पंचम भाव में संचार करेंगे। शुक्र का गोचर आपमें सकारात्मक विचार भरेगा। सामाजिक स्तर पर तुला राशि के जातकों को कई शुभ फल इस दौरान मिल सकते हैं। आपकी ख्याति बढ़ेगी। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा, वहीं सिंगल जातकों को कोई खास इस दौरान मिल सकता है। अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे हैं, तो रिजल्ट आपके पक्ष में आ सकता है। प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को शिक्षा जीवन में आशातीत लाभ प्राप्त होंगे।

किस दिशा में है आपके घर का मेन गेट?

पूर्व दिशा में मुख्य दरवाजा

इस दिशा से ही सूर्य देव उगते हैं, इसलिए वास्तु में इस दिशा को बेहद शुभ माना जाता है। इस दिशा में अगर आपके घर का दरवाजा है तो आपके जीवन पर इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। सूर्य की ही तरह आपकी किस्मत भी चमकेगी और आपको समय-समय पर भाग्य का साथ मिलेगा।

वास्तु की मानें तो इस दिशा में घर का दरवाजा होने से सूर्य के उगते ही प्रकाश आपके मुख्य दरवाजे पर पड़ता है जिससे घर से नकारात्मकता दूर होती है। इस दिशा में घर का दरवाजा होने से घर के सदस्यों में आध्यात्मिक ऊर्जा भी बढ़ती है। पूर्व दिशा में दरवाजा होने से घर के लोगों का आत्मविश्वास प्रबल रहता है और उन्हें जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता मिलती है। इसलिए घर का दरवाजा पूर्व दिशा में होना शुभ माना जाता है।

उत्तर दिशा में मुख्य दरवाजा

घर का मुख्य द्वार अगर उत्तर दिशा में हो तो इसे भी शुभ माना जाता है। यह देवताओं की दिशा मानी जाती है और इस दिशा में बना मुख्य दरवाजा आपके घर में सुख-समृद्धि लाने वाला माना जाता है। जिन लोगों का मेन गेट उत्तर दिशा में होता है, उन्हें यात्राएं करने का भी खूब मौका मिलता है और यात्राओं से इन्हें लाभ भी होता है। इस दिशा में मुख्य द्वार होने से आपकी बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है और आप विवेकशील बनते हैं। वास्तु में इस दिशा में आप मेन गेट बना सकते हैं।

पश्चिम दिशा में मुख्य दरवाजा

इस दिशा में मुख्य द्वार का होना आपको मिलेजुले फल प्रदान करता है। आपको करियर-कारोबार के क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है, लेकिन सफलता की सीढ़ियां आप अवश्य छूते हैं। धीरे-धीरे ही सही लेकिन आप जीवन में धन, पद, प्रतिष्ठा अवश्य प्राप्त करते हैं। इस दिशा में घर का मुख्य द्वार होने से कई खतरे आपके ऊपर से टल जाते हैं। ऐसे लोग सफल होने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखते।

उत्तर दिशा में मुख्य दरवाजा

अगर आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा में है तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। यह दिशा वास्तु में यम की मानी गयी है। इस दिशा में घर का मुख्य दरवाजा होने से व्यक्ति का बार-बार नुकसान हो सकता है और बनते काम भी बिगड़ सकते हैं। घर की मुखिया के जीवन में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहती है।

ऐसे लोगों के जीवन में भय बना रहता है, किसी न किसी वजह से चिंतित हो सकते हैं। वास्तु के अनुसार, इसलिए गलती से भी इस दिशा में घर का मुख्य दरवाजा नहीं बनाना चाहिए।

लेकिन इस दिशा में अगर आपने घर का मुख्य दरवाजा बना लिया है, तो उपाय के तौर पर घर के मुख्य द्वार के ऊपर पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर आपको लगा देनी चाहिए, इससे कई परेशानियों से आप बच सकते हैं।

सोनभद्र में है अगोरी दुर्ग मंदिर, आस्था ऐसी है कि दूर दराज से आते हैं भक्त

यूपी का सोनभद्र जनपद ऐसे तो ऐतिहासिक और पौराणिक स्वरूप का पर्याय माना जाता है। इस जिले में कई देवी देवताओं के मंदिर है तो ऋषियों की तपोस्थली भी है। यह जिला ऐसे में कई दशक सदियों पुराना किला है। अगोरी दुर्ग सोनभद्र जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज से लगभग 35 किलोमीटर दूर मौजूद है। इस किला परिसर के मुख्य द्वार पर ही मौजूद देवी दुर्गा का धाम है।

यहां आज भी भक्तों की मुरादे मां पूरी करती हैं। यहां दूर दराज से भक्त मां का दर्शन करने के लिए यूपी समेत अन्य राज्यों से भी आते हैं। यह मंदिर किले के समय का ही निर्मित बताया जाता है। राजा ने किले के साथ ही इस मंदिर की स्थापना कराई थी। देवी दुर्गा राज परिवार की कुल देवी भी कहीं जाती हैं। भले ही बदलते समय के साथ यह किला अब अपने अस्तित्व खोने के कगार पर पहुंच गया है। इस मंदिर का स्वरूप और यहां आने वाले भक्तों की आस्था है। यही वजह है कि आज भी लोग अपने सपने को पूरा करने के लिए माता दुर्गा का आशीर्वाद लेने दूर दराज सेआते हैं।

मंदिर विक्रम संवत 1600 का

मां सबकी मनोरथ भी पूरी करती हैं। आज भी उसी समय से इस मंदिर के प्रधान पुजारी खरवार ही रहते हैं। वे लगभग दसवीं पीढ़ी के पुजारी मुराहू खरवार लोकल 18 से खास बात चीत में कहते हैं कि यह मंदिर विक्रम संवत 1600 का है। इस मंदिर की स्थापना राजा ने किला बनवाने से भी पूर्व में की है। यहां माता के आशीर्वाद से आज भी इस राज परिवार के लोग राजपुर में रहते हैं। माता की कृपा हमेशा उस राज परिवार पर रही है।

इस श्मशान घाट के शवों को खा जाता था राक्षस भगवान शिव ने की थी भक्तों की रक्षा!

चामुंडा नंदिकेश्वर धाम जिसे चामुंडा देवी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, यह धार्मिक स्थान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले की धर्मशाला तहसील में पालमपुर से मात्र 19 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस धार्मिक स्थान की सबसे खास बात यह है कि इस मंदिर के किनारे बह रही बनेर खड्ड के किनारे एक श्मशान घाट है जंहा प्रतिदिन शव जलाया जाता है।

एक पौराणिक कथा के अनुसार कहा जाता है कि इस स्थान पर एक समय जिंदावली नाम का राक्षस हुआ करता था, जो लोगो का नरसंहार किया करता था। इससे परेशान होकर उस समय के राजा ने उनसे विनम्र प्राथना की और निवेदन किया कि आप रोज कई लोगो का नरसंहार कर रहे हैं, ऐसे में तो एक हमारी प्रजा बहुत जल्द खत्म हो जायेगी। ऐसे में राक्षस ने कहा कि तुम तो अपनी प्रजा की रक्षा की बात कर रहे हो, परन्तु मेरी भूख का क्या? ऐसे में राजा ने राक्षस से कहा कि हम आपकी भूख के लिए प्रतिदिन एक जिन्दा व्यक्ति या मृत व्यक्ति देंगे जिससे आपकी भूख भी हट जायेगी और मेरी प्रजा भी जल्दी खत्म नहीं होंगी। ऐसे में कई वर्षो तक ऐसा चलता रहा।

गांव की महिला और भगवान शिव से जुड़ी कहानी

गांव में जब भी किसी की भी मृत्यु होती तो उसे उसके शव को राक्षस को दे दिया जाता और जिस दिन कोई शव नहीं होता तो उस दिन जिन्दा व्यक्ति राक्षस को सौंप दिया जाता। ऐसे में एक गांव में एक महिला के दो बेटे थे जिसमे से एक बेटे की बलि चढ़ गयी थी और अब दूसरे की बारी थी जिसे राक्षक को सौंपना था। ऐसे में महिला ने जिस दिन अपने बेटे को राक्षस के पास भेजना था, उस दिन महिला ने कई स्वादिष्ट पकवान बनाये और शिव भगवान को प्रसाद के रूप में चढ़ाया और भगवान शिव की आराधना की, ऐसे में भगवान शिव महिला की भक्ति और अपने बेटो के प्रति प्रेम को देखकर काफी प्रसन हुए, और एक साधू का रूप धारण कर महिला के पास पहुंचे।

महिला, साधू को देखकर महिला वही पकवान साधू को भी परोसे। ऐसे में महिला की नम आँखों को देकर जब साधू ने महिला से पूछा की तुम एक तरफ स्वादिष्ट पकवान भी बना रही हो और दूसरी तरफ रो भी रही हो ऐसा क्यों? ऐसे में महिला ने साधू को राक्षस जिंदावली की पूरी कहानी बताई। साधू ने महिला से कहा कि आप परेशान क्यों हो रही हो। आपके बेटे की जगह मैं चला जाता हूं। मेरे आगे पीछे वैसे भी कोई नहीं है। ऐसा करने से आपका बेटा भी बच जाएगा और राक्षस की भूख भी मिट जायेगी।

जब भगवान शिव साधु के भेष में राक्षस से मिले

जब साधू श्मशान पहुंचा तो उसने अपने आप को राक्षस को सौंप दिया। जैसे ही राक्षक ने उस साधू की बलि देनी चाही तो बड़ी-बड़ी चट्टानें और शिलायें उस राक्षस के ऊपर गिरने लगी। और उन्ही चट्टानों और शिलाओं के नीचे आकर उस राक्षस की मृत्यु हो गयी। ऐसे में राक्षक को जब अपने पापों का पच्यताप हुआ तो उसने भगवान शिव की उपासना की और जिसके बाद भगवान शिव ने प्रसन होकर राक्षस को कहा कि इस स्थान पर जो भी शव आएगा उसकी आत्मा मेरे चरणों में आएगी।

ध्यान और शांति की तलाश में आते हैं लोग

स्थानीय ओंकार ठाकुर ने बताया कि इस घाट पर ध्यान और साधना करने से आत्मा को शुद्धि और मुक्ति प्राप्त होती है। यह स्थान देवी की कृपा से ऊर्जावान और पवित्र माना जाता है। श्मशान घाट के पास की कुछ संरचनाएं और मूर्तियां प्राचीन कला और संस्कृति को दर्शाती हैं, जिनमें देवी-देवताओं की मूर्तियाँ शामिल हैं। आज भी यह स्थान धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बना हुआ है और लोग यहां अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए आते हैं। भक्त और पर्यटक यहां ध्यान और शांति की तलाश में भी आते हैं। इस प्रकार, चामुंडा देवी मंदिर के पास का श्मशान घाट धार्मिक, पौराणिक, और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, जो जीवन और मृत्यु के गहरे दर्शन को व्यक्त करता है।

अल्लू अर्जुन बनने में जुटे शाहिद कपूर क्या पुष्पा 2 की तरह बना पाएंगे फिल्म

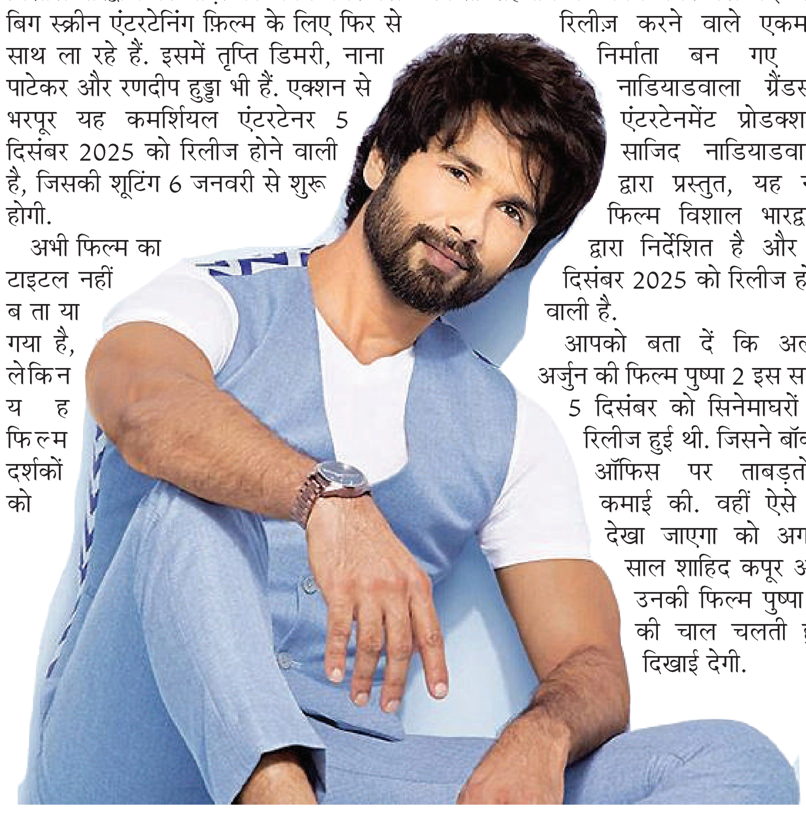

2025 साजिद नाडियाडवाला का साल होने वाला है. इस साल में उनकी चार बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं. नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के प्रमुख, शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की जोड़ी को अपने बैनर तले बिग स्क्रीन एंटरटेनिंग फ़िल्म के लिए फिर से साथ ला रहे हैं. इसमें तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी हैं. एक्शन से भरपूर यह कमर्शियल एंटरटेनर 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली है, जिसकी शूटिंग 6 जनवरी से शुरू होगी.

अभी फिल्म का टाइटल नहीं बताया गया है, लेकिन यह फिल्म दर्शकों को शानदार मनोरंजन देने का वादा करती है. सिकंदर, हाउसफुल 5, बागी 4 और विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनने वाली अगली फिल्म के साथ, साजिद नाडियाडवाला बिना किसी सहयोग के अपने बैनर तले कई मेगा रिलीज करने वाले एकमात्र निर्माता बन गए हैं. नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन, साजिद नाडियाडवाला द्वारा प्रस्तुत, यह नई फिल्म विशाल भारद्वाज द्वारा निर्देशित है और 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाली है.

आपको बता दें कि अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 इस साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. जिसने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई की. वहीं ऐसे में देखा जाएगा को अगले साल शाहिद कपूर और उनकी फिल्म पुष्पा 2 की चाल चलती हुई दिखाई देगी.

2024 में बॉक्स ऑफिस पर हुई पैसों की बारिश दुनियाभर में कमाए 9273 करोड़

साल 2024 खत्म होने वाला है. फिल्म इंडस्ट्री के लिए ये साल अच्छा रहा. कई ऐसी फिल्में आईं जिन्होंने रिलीज के साथ ही मेकर्स के ऊपर पैसों की बारिश कर दी है. कल्कि 2898 एडी से लेकर पुष्पा 2 तक फिल्मों ने इतनी कमाई की कि बॉक्स ऑफिस हिल गया.

2024 में इतना हुआ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक इस साल का टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 9273.27 करोड़ है. फिल्म ने हिंदी भाषा में नेट 3699.29 करोड़ का बिजनेस किया और ग्रॉस 4534.67 करोड़ कमाए. टोटल ओवरसीज की बात करें तो ये 1111.05 करोड़ रुपये है.

आइए जानते हैं कौनसी फिल्म ने कितने झंडे गाड़े

साल 2024 हॉरर कॉमेडी फिल्मों के नाम रहा. छोटे बजट की फिल्म मुंज्या ने फैंस को हंसा-हंसाकर इतना डराया कि फिल्म ने 126 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था.

वहीं शैतान ने 213.79 करोड़, भूल भुलैया 3 ने 389.26 करोड़ और स्त्री 2 ने 857.15 करोड़ वर्ल्डवाइड कमाए थे. इसके अलावा टॉप फिल्मों की लिस्ट में फीमेल लीड फिल्म क्रू का नाम भी शामिल है. इस फिल्म में करीना कपूर, कृति सेनन और तबु लीड रोल में थे. फिल्म ने 151.63 करोड़ की कमाई की थी.

दुनियाभर में फिल्म ने कमाए इतने करोड़

पुष्पा 2 1336.2
स्त्री 2 857.15 करोड़
कल्कि 2898 एडी 1042.25 करोड़
भूल भुलैया 3 389.26 करोड़
फाइटर 358.89 करोड़
शैतान 213.79 करोड़
सिंघम अगेन 372.41 करोड़
मुंज्या 126 करोड़
तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 139 करोड़
क्रू 151.63 करोड़

शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म तेरी बातों में उलझा जिया भी हिट हुई थी. इस फिल्म में कृति सेनन रोबोट के रोल में थीं. फिल्म ने 139 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था. वहीं ऋतिक रोशन की फाइटर ने भी बॉक्स ऑफिस हिला डाला था. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 358.89 करोड़ का कलेक्शन किया था. सिंघम अगेन ने दुनियाभर में 372.41 करोड़ का बिजनेस किया.

वहीं प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी दुनियाभर में 1042.25 करोड़ की कमाई के साथ ब्लॉकबस्टर हिट हो गई थी. पुष्पा 2 ने अभी तक वर्ल्डवाइड 1336.2 करोड़ कमा लिए हैं. फिल्म लगातार कमाई कर रही है.

इसके अलावा दुनियाभर में हनुमान ने 295.29 करोड़, आर्टिकल 370 ने 105.15 करोड़, श्रीकांत ने 60.59 करोड़, चंदू चैम्पियन ने 89.24 करोड़, बैड न्यूज ने 113.77, अमरन ने 333.47 करोड़ की कमाई की थी.

सर्दियों की धूप में टीना दत्ता ने शॉर्ट टू-पीस ड्रेस में दिए दिलकश पोज

टीना दत्ता ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में टीना दत्ता शॉर्ट टू-पीस ड्रेस पर हार्ट वाली लोगो के साथ नजर आ रही हैं। इस नये लूक में पिंक कलर की ग्लास के साथ क्यूट नजर आ रही हैं। इस लुक के साथ तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में टीना लिखा कि क्रिसमस की छुट्टियों के लिए सब कुछ तैयार करना हैं। टीना की पहचान प्रसिद्ध टीवी सीरियल उतरन से मिली। एक्ट्रेस टीना दत्ताों छोटे-बड़े पर्दे से दूर हैं. टीना दत्ता ने बतौर चाइल्ट आर्टिस्ट काम किया है. वह पांच साल की उम्र में ही काम करने लगी थीं. वह 'सिस्टर निवेदिता' सीरियल में दिखी थीं.

फिर उन्होंने फिल्मों में डेब्यू किया और वह साल 2005 में उन्होंने 'परिणीता' के बचपन के रोल में दिखीं. टीना दत्ता ने साल 2009 में आए 'उतरन' में लीड रोल किया था.

टीना दत्ता ने 'पिता मातृ संतान', 'दस नंबरी', 'सागरकन्या' जैसी तमाम फिल्मों में भी एक्टिंग की है और अलग-अलग रोल किए. टीना दत्ता साल 2017-19 में 'कर्मफल दाता शनि' और 'डायन' में दिखीं. टीना दत्ता ने रोहित शेट्टी के डेयरिंग स्टंट बेस्ड शो 'खतरों के खिलाड़ी 7' में भी हिस्सा लिया था.

परवरिश पर उठाए सवाल तो मुकेश खन्ना पर भड़कीं सोनाक्षी

बोलीं- पिता के संस्कारों के कारण सम्मान से जवाब दिया, हमें खबरों का हिस्सा ना बनाएं

सोनाक्षी सिन्हा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक लंबा नोट लिखा है। इसके जरिए उन्होंने शक्तिमान फेम मुकेश खन्ना के उस बयान का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने रामायण में भगवान हनुमान से जुड़े सवाल का जवाब ना देने पर एक्ट्रेस को ट्रोल किया था और उनकी परवरिश पर सवाल खड़े किए थे। सोनाक्षी ने कहा, 'अगली बार अगर मेरी परवरिश पर सवाल उठाए तो याद रखें उसी परवरिश के कारण आज मैंने आपको सम्मान से जवाब दिया है।'

दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा, 'मुकेश खन्ना सर जी, मैंने हाल ही में आपका एक बयान पढ़ा, जिसमें रामायण से जुड़े सवाल का जवाब नहीं देने पर आपने मेरे पिता के संस्कारों पर सवाल खड़े कर दिए। तो सबसे पहले मैं आपको याद दिला दूं उस दिन हॉट सीट (KBC शो) पर दो महिलाएं बैठी थीं और दोनों ही उस सवाल का जवाब नहीं दे पाई थीं। लेकिन आपने सिर्फ मेरा ही नाम लिया।'

सोनाक्षी ने लिखा, 'हां, शायद उस दिन मुझसे थोड़ी भूल हो गई, जोकि आमतौर पर एक इंसान से हो जाती है। मुझे उस समय याद नहीं आया था कि संजीवनी बूटी किसके लिए लाई गई थी। लेकिन इतना साफ है कि आप भगवान राम द्वारा सिखाए गए माफ करने और भूलने के कुछ पाठ भी भूल गए हैं। अगर भगवान राम मंथरा को माफ कर सकते हैं, अगर वह कैकेयी को माफ कर सकते हैं। अगर वे महान युद्ध के बाद रावण को भी माफ कर सकते हैं तो आप यकीनन इसकी तुलना में इतनी छोटी सी बात को छोड़ सकते हैं। वैसे तो मुझे आपकी माफी नहीं चाहिए, लेकिन हां मैं चाहती हूं कि आप भी इसे भूल जाए और एक ही बात को बार-बार उठाना का कोई फायद नहीं है। इसे बंद करें ताकि मैं और मेरा परिवार किसी और खबरों का हिस्सा ना बने।'

सोनाक्षी ने आगे लिखा, 'आखिरी बात अगर अगली बार आप मेरे पिता या फिर उनकी द्वारा दी गई परवरिश के बारे में कुछ कहते हैं तो याद रखिए कि आज उसी परवरिश की वजह से मैंने आपको रिस्पेक्ट से जवाब दिया है।'

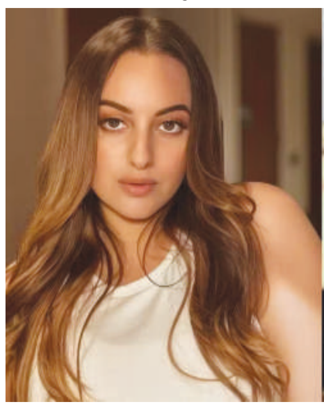

बता दें, मुकेश खन्ना ने सिद्धार्थ कन्नन से बातचीत में कहा था कि उन्हें लगता है कि आजकल के बच्चों को काफी गाइडेंस की जरूरत है। नई पीढ़ी के बच्चे भटक रहे हैं। गर्लफ्रेंड- बॉयफ्रेंड के साथ घूमते रहते हैं।

आज के बच्चे इंटरनेट के कारण भटक रहे हैं। उन्हें अपने दादा-दादी के नाम भी याद नहीं रहते। एक लड़की को तो ये भी नहीं पता था कि भगवान हनुमान किसके लिए संजीवनी बूटी लाए थे।

जबकि वो लड़की शत्रुघ्न सिन्हा की बेटी है। मुकेश खन्ना अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। इसी बीच उन्हें गूगल पर भी लगातार सर्च किया जा रहा है। यही वजह है कि वह गूगल पर ट्रेंड कर रहे हैं।

'शादी के बाद लोगों के देखने का नजरिया बदल जाता है', शर्मिला टैगोर ने सुनाई आपबीती

बॉलीवुड अदाकारा शर्मिला टैगोर ने अपने साथ हुई कुछ बातों को साझा किया है। शर्मिला ने कहा कि उन्हें अपने परिवार के बारे में पता होने से आत्मविश्वास था। उन्हें एक बुरी लड़की करार दिया गया क्योंकि वे समाज के अनुरूप नहीं चल रही थीं। उन्होंने कहा कि मंसूर अली खान पटौदी से शादी करने के बाद उनके बारे में धारणा बदल गई और जब उनके बच्चे हुए तो यह पूरी तरह से अलग हो गई।

शर्मिला टैगोर ने बताया फिल्म इंडस्ट्री का सच

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की बात करें तो अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने बताया कि जब वे फिल्मों में शामिल हुईं, तो सिनेमा में काम करना बहुत बुरा माना जाता था इसलिए शादी के बाद उन्होंने खुद को फिल्मों से अलग कर लिया। उनका अपना एक छोटा सा क्लब था। वे समाज से भी दूर रहते थे, क्योंकि यह बहुत ही आलोचनात्मक था। उन्होंने कहा, पुरुष अभिनेताओं को स्वीकार किया जाता था, लेकिन महिलाओं का सम्मान नहीं किया जाता था।

अपने काम और परिवार को लेकर बोलीं अभिनेत्री

उन्होंने कहा कि वे अलग तरह के परिवार से आती हैं। मैं जीएन टैगोर की बेटी हूं। मैं जानती हूं कि मैं कौन हूं और मेरे पास आत्मविश्वास भी है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या सोचेंगे। मैं पहले भी ऐसी ही थी, जैसी अभी हूं। लोग अपनी सोच के साथ थे, वे अलग तरह से रहते थे, मैं वैसा नहीं करती थी जैसा लोगों को अच्छा लगता था इसलिए मैं बुरी लड़की थी।

मैं हर किसी को खुश नहीं कर सकती

शर्मिला टैगोर ने कहा कि वे हर किसी को खुश करने के लिए नहीं बनी हैं। हालांकि, परिवार के समर्थन के कारण उन्हें लोगों की बातों का फर्क पड़ना बंद हो गया। उन्होंने कहा कि जब आपकी शादी हो जाती है तो लोगों का देखने का नजरिया कुछ बदल जाता है। मां बनने के बाद तो लोगों में और भी बदलाव आ जाते हैं।

अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'महाभारत' को बनाने से डरते हैं आमिर

बोले- ये हमारे खून में है, बस डर लगता है कोई गलती ना हो जाए

आमिर खान ने हाल ही में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वह इस प्रोजेक्ट पर काम करने से क्यों डर रहे हैं। इसके साथ ही आमिर ने यह भी कहा कि अगर फिल्म लापता लेडीज को ऑस्कर मिलता है, तो पूरे देश में तूफान मच जाएगा। अगर हम जीतते हैं, तो लोग क्रेजी हो जाएंगे।

आमिर खान ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा, 'यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है और मेरे लिए किसी चैलेंज से कम नहीं है। मुझे डर है कि इसे बनाते समय मुझसे कोई गलती न हो जाए। यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, क्योंकि महाभारत हमारे लिए बहुत करीब है। यह हमारे खून में है, इसलिए मैं इसे बिल्कुल सही तरीके से बनाना चाहता हूं।'

आमिर ने कहा, 'मैं हर भारतीय को गर्व महसूस कराना चाहता हूं और साथ ही दुनिया को यह दिखाना चाहता हूं कि भारत के पास क्या है। मुझे नहीं पता, यह कब बन पाएगा।'

आमिर खान ने ऑस्कर अवॉर्ड्स जीतने के सपने को लेकर कहा, 'लापता लेडीज ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुई है, और अगर यह भारत के लिए ऑस्कर जीतने में सफल हो जाती है, तो लोग क्रेजी हो जाएंगे। मुझे नहीं पता कि एक प्रतियोगिता को कितनी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। लेकिन मुझे बहुत खुशी होगी, क्योंकि जब कोई फिल्म ऑस्कर जीतती है, तो लोग उसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। इससे फिल्म को दुनिया भर में भारत की ऑडियंस मिलती है।'

ऑस्कर जीतने पर आमिर खान ने अपने रिएक्शन के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'इससे भी जरूरी बात यह है कि हम भारतीय इतने क्रेजी हैं। हम एक भारतीय फिल्म के ऑस्कर जीतने का इंतजार कर रहे हैं, तो पूरे देश में तूफान मच जाएगा। अगर हम जीतते हैं, तो लोग पागल हो जाएंगे। मुझे बड़ी खुशी होगी अगर मैं अपने देश के लोगों के लिए यह अवॉर्ड जीत सकूं।' बता दें, आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सितारे जमीन पर' पर काम कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म 2007 में आई फिल्म तारे जमीन पर का सीक्वल है। पहले इस फिल्म को दिसंबर 2024 में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब इसे अगले साल रिलीज किया जाएगा।

स्नेहा उल्लाल गंभीर बीमारी के कारण 30 मिनट भी खड़े होना था मुश्किल, कहा था- सलमान से कभी काम नहीं मांगूंगी

स्नेहा उल्लाल याद है? उनका 18 दिसंबर को 37वां बर्थडे है। स्नेहा उल्लाल ने जब साल 2005 में फिल्म 'लकी नो टाइम फॉर लव' से फिल्मी दुनिया में कदम रखे थे, तो सब हैरान रह गए थे। स्नेहा उल्लाल देखने में हूबहू ऐश्वर्या राय की हमशक्ल लगती थीं। आज भी वैसी हैं और लोग अब भी उन्हें दूसरी ऐश्वर्या राय कहते हैं। सलमान ही स्नेहा उल्लाल को फिल्मों में लेकर आए, पर उनका एक्टिंग करियर नहीं चला और वह साउथ फिल्मों में चली गईं। हालांकि, एक ऐसा भी वक्त आया जब एक गंभीर बीमारी के कारण वह आधे घंटे भी खड़ी नहीं रह पाती थीं। स्नेहा उल्लाल के बर्थडे पर उनसे जुड़े कुछ किस्से बता रहे हैं।

सलमान की बहन अर्पिता की दोस्त, एक साथ पढ़ीं

स्नेहा उल्लाल मस्कट की रहने वाली हैं, लेकिन बाद में वह मां के साथ मुंबई शिफ्ट हो गईं। यहां उन्होंने वर्तक कॉलेज में एडमिशन लिया। इसी कॉलेज में सलमान की बहन अर्पिता खान पढ़ती थीं। दोनों की दोस्ती हो गई। अर्पिता ने ही सलमान को फिल्म 'लकीः नो टाइम फॉर लव' के लिए नाम सुझाया था।

स्नेहा को देख सलमान भी समझ बैठे थे ऐश्वर्या

'लकीः नो टाइम फॉर लव' में स्नेहा उल्लाल को देख फैंस भी गच्चा खा गए थे। खुद सलमान ने भी एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वह भी स्नेहा को देखकर कन्फ्यूज हो गए थे और लगा कि ऐश्वर्या राय हैं। स्नेहा उल्लाल का बॉलीवुड में सिक्का नहीं जमा तो वह साउथ फिल्मों की ओर मुड़ गईं। वहां उन्होंने तेलुगू फिल्मों में काम किया और नाम कमाया। हालांकि, ऐसा वक्त भी आया जब स्नेहा उल्लाल फिल्मी दुनिया से गायब हो गईं। यह साल 2014 की बात है।

खून से जुड़ी इस बीमारी से जकड़ा, 30 मिनट भी खड़ी नहीं हो पाती थीं

स्नेहा उल्लाल ने साल 2014 में तेलुगू फिल्म अन्था नी मायालोने के बाद फिल्मों से दूरी बना ली थी। इसकी वजह थी उनकी बीमारी। स्नेहा ने 'ईटाइम्स' को बताया था कि उन्हें खून से जुड़ी एक ऑटो इम्यून बीमारी हो गई थी, जिसकी वजह से पूरा इम्यून सिस्टम ही बिगड़ गया। स्नेहा उल्लाल का शरीर इतना कमजोर हो गया था कि वह 30 मिनट भी खड़ी नहीं रह पाती थीं।

4 साल बाद की वापसी, 2022 के बाद से कोई प्रोजेक्ट नहीं

स्नेहा उल्लाल ने बताया था कि इस बीमारी में भी वह लगातार शूटिंग करती रहीं, जिससे हालत और बिगड़ गई। हालात ऐसे हो गए कि वह शूट की स्थिति में भी नहीं रहीं और फिल्मों के साथ-साथ हर इवेंट से दूरी बना ली। करीब चार साल शोबिज से दूर रहने के बाद स्नेहा उल्लाल ने फिल्मों में वापसी की। स्नेहा उल्लाल ने 2020 में एक वेब सीरीज में काम किया और फिर 2022 में फिल्म 'लव यू लोकतंत्र' में नजर आईं। इसके बाद से स्नेहा ने किसी नई फिल्म का ऐलान नहीं किया है।

स्नेहा उल्लाल ने कहा था- सलमान से कभी मदद नहीं मांगूंगी

स्नेहा उल्लाल का फिल्मों में करियर नहीं चला, पर उन्होंने कभी सलमान से मदद नहीं मांगी। हालांकि, वह डेब्यू के बाद से लगातार एक्टर के संपर्क में बनी रहीं। एक बार मीडिया से बात करते हुए स्नेहा उल्लाल ने कहा था कि सभी लोग कहते हैं कि उन्हें सलमान से काम के बारे में बात करनी चाहिए। लेकिन उन्होंने कभी ऐसा नहीं किया, और करेंगी भी नहीं। स्नेहा ने कहा था कि उनका और सलमान का रिश्ता काम से भी ज्यादा अहम है।

इन योगासनों के अभ्यास से उम्र का अंदाजा लगा पाना है मुश्किल, शिल्पा और मलाइका ने भी अपनाया

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी 49 साल की हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 16 साल पहले उन्हें शिल्पा सर्वाइकल की समस्या से परेशान थी, इससे निजात पाने के लिए उन्होंने योग करना शुरू किया। योग का उनके शरीर व जीवन पर ऐसा असर पड़ा कि वह नियमित योगाभ्यास करने लगीं। योग के कारण ही शिल्पा काफी हिट, परफेक्ट फिगर और उम्र से कम की नजर आती हैं।

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा एक शानदार डांसर हैं। बहुत लंबे समय से उन्होंने योग को अपने जीवन का हिस्सा बना लिया। वह सालों से नियमित तौर पर रोजाना योग कर रही हैं। उनका मानना है कि यह शारीरिक कसरत से कहीं बढ़कर है। योग का ही असर है कि मलाइका 51 साल की उम्र में 35 की नजर आती हैं।

शिल्पा और मलाइका को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है। दोनों ही पौष्टिक खान-पान के साथ ही योग पर काफी ध्यान देती हैं। आइए जानते हैं कि शिल्पा शेट्टी और मलाइका अरोड़ा परफेक्ट फिगर और उम्र से कम दिखने के लिए कौन से योगासन करती हैं जिसे आप भी अपनाकर अपनी उम्र से छोटी दिख सकती हैं।

मलाइका अरोड़ा और योग

मलाइका अरोड़ा परफेक्ट फिगर और त्वचा में निखार के लिए कुछ योगासनों को नियमित तौर पर अपनाती हैं। इसमें चक्की चालनासन, अर्ध कपोतासन, अधो मुख श्वानासन, उत्कटासन, मत्स्यासन, ताड़ासन, हनुमानासन, उत्थान पृष्ठासन जैसी योग क्रियाएं शामिल हैं।

शिल्पा शेट्टी और योग

शिल्पा शेट्टी बढ़ती उम्र में फिट रहने और जवान दिखने के लिए वीरभद्रासन, बद्ध वीरभद्रासन और पदोत्तानासन का अभ्यास करती हैं। शिल्पा वृश्चिक आसन का भी अभ्यास करती हैं

चक्की चलनासन के फायदे

यह आसन पेट की चर्बी को कम करता है और पाचन में सुधार करता है। इस आसन के अभ्यास से पीठ के निचले हिस्से के दर्द से राहत मिलती है। मन शांत और संतुलित रहता है और एकाग्रता बढ़ती है। चक्की चलनासन से बुढ़ापे के लक्षणों को कम करने में मदद मिलती है। हाथ, पैर और पीठ टोन होती है। मासिक धर्म संबंधी विकारों से पीड़ित महिलाओं को फायदा होता है।

अर्ध कपोतासन

अर्ध कपोतासन के अभ्यास से तनाव कम होता है। कमर में लचीलापन और दर्द से राहत मिलती है। पूरे शरीर की अकड़न दूर होती है और पैरों और कमर की मांसपेशियों को खींचना हैं। कूल्हों को खोलता है और लचीला बनाता है। साइटिका के दर्द को कम करता है। प्रजनन क्षमता को बढ़ाने और गर्भ धारण करने में सहायता करने में भी अर्ध कपोतासन फायदेमंद योग है।

अधो मुख श्वानासन

अधोमुख श्वानासन शरीर में ऑक्सीजन युक्त रक्त का संचार बढ़ता है। सर्दी-खांसी से बचाव करता है। मस्तिष्क और चेहरे में रक्त प्रवाह बढ़ता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकती रहती है। पाचन तंत्र बेहतर बनाने व एसिडिटी, अपच और गैस्ट्रिक समस्याओं से लड़ने में अधोमुख श्वानासन फायदेमंद योग क्रिया है।

सर्दियों में गलती से भी न करें ये काम वरना बिगड़ने लगेगी त्वचा की रंगत

सर्दियों में त्वचा का सूखापन एक बेहद ही आम समस्या है। इस मौसम में त्वचा का ख्याल रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि ठंडी हवा, कम नमी और तापमान में बदलाव के कारण त्वचा रूखी और बेजान हो जाती है। वैसे तो आजकल बाजार में त्वचा की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए हर स्किन टाइप की क्रीम और बॉडी लोशन मिलते हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल के बाद भी बहुत से लोगों को त्वचा संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

यदि आपके साथ भी कई दिक्कतें सामने आ रही हैं तो आपको अपने डेली रूटीन में बदलाव करने की जरूरत है। यहां हम आपको कुछ ऐसी बाते बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको सर्दी के मौसम में खासतौर पर रखना है। इन उपायों को अपनाकर आप सर्दियों में अपनी त्वचा को न सिर्फ स्वस्थ बल्कि चमकदार और मुलायम बनाए रख सकते हैं।

ज्यादा गर्म पानी से नहाना

किसी भी मौसम में ज्यादा गर्म पानी से नहाना त्वचा को रूखा और बेजान बना सकता है। इससे त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है, और सूखापन बढ़ सकता है। इसलिए हमेशा हल्के गुनगुने पानी से नहाएं।

एसिड-बेस्ड स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना

सर्दियों में एसिड-बेस्ड स्किनकेयर प्रोडक्ट्स का उपयोग न करें, क्योंकि ये त्वचा को और अधिक सूखा सकते हैं। हल्के और हाइड्रेटिंग प्रोडक्ट्स का चुनाव करें, ताकी आपकी त्वचा में नमी बरकरार रहे।

चेहरा बिना कवर किए घूमना

ठंडी हवाएं त्वचा को काफी नुकसान पहुंचा देती हैं, खासतौर पर अगर बात करें चेहरे की तो ठंडी हवाओं की वजह से चेहरा काफी ड्राई हो जाता है। ऐसे में इस मौसम में चेहरे को स्कार्फ या मफलर से ढक कर रखें।

साधारण क्रीम लगाना

सर्दियों में त्वचा को अधिक मॉइस्चराइजेशन की आवश्यकता होती है। अगर आप नियमित रूप से अच्छे मॉइस्चराइजर का उपयोग नहीं करते, तो आपकी त्वचा रूखी और बेजान हो सकती है।

सनस्क्रीन का इस्तेमाल न करना

सर्दी में भी सूरज की हानिकारक यूवी किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए सर्दियों में भी सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। भले ही आप घर पर रहें, लेकिन फिर भी सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

नाखूनों को बार-बार पानी में भिगोना

सर्दी में नाखूनों को लंबे समय तक ठंडे वातावरण में छोड़ना उन्हें कमजोर बना सकता है। ग्लव्स पहनने से नाखून सुरक्षित रहते हैं। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी त्वचा को सर्दियों में भी स्वस्थ और निखरी हुई रख सकते हैं।

इन जानवरों की आयु होती है बहुत कम, एक जीव की उम्र होती है महज 24 घंटे

पृथ्वी पर जीवों की लाखों प्रजातियां पाई जाती हैं, ये सभी अपने आप में विशेष होती हैं। कुछ सुनहरे रंग के कारण लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनते हैं तो कुछ अपने भारी भरकम वजन के कारण अक्सर चर्चा में रहते हैं। ग्रीनलैंड शार्क को पृथ्वी पर सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले जानवरों में से एक माना जाता है, इसका जीवनकाल 500 साल तक हो सकता है। इसके अलावा कछुए का जीवनकाल 150 साल तक का माना जाता है। पर इस लेख में हम आपको ऐसे जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं जिनका जीवनकाल बहुत कम होता है।

नेचर और एनिमल रिपोर्ट्स से पता चलता है कि कुछ जीवों की आयु तो इतनी कम होती है कि वे मजह एक दिन ही जीवित रहते हैं। आइए ऐसे ही कम आयु वाले जीवों-कीड़ों के बारे में जानते हैं।

कुछ हफ्तों तक जीवित रहती हैं तितलियां

क्या आप जानते हैं तितलियों का जीवनकाल केवल कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों तक होती है। अमेरिकी कॉपर प्रजाति वाली तितलियों का जीवनकाल लगभग दो सप्ताह तक ही होती है। तितलियां फूलों से परागकण लेकर पौधों के विकास में बहुत सहायक जीव होती है। पर इनकी आयु 60-80 दिनों तक से अधिक नहीं होती है।

गिरगिट की आयु

तितलियों के अलावा, रंग बदलने के लिए मशहूर जीव गिरगिट भी बहुत कम समय तक जीवित रहते हैं। गिरगिटों की एक प्रजाति लैबोर्ड्स चैमेलियॉन जिसे फ्रेंच एक्सप्लोरर जीन लैबोर्ड के नाम से भी जाना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये जीव 4 से 5 महीने ही जीवित रहते हैं। गिरगिटों की अन्य प्रजातियों की भी उम्र इसी के आसपास होती है।

मक्खी का जीवन सबसे कम

मक्खी का जीवनकाल सबसे छोटा होता है, चाहे आप किसी भी प्रजाति की बात कर रहे हों ये आमतौर पर एक से डेढ़ दिन ही जीवित रहती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मेफ्लाई मक्खी का औसत जीवनकाल केवल 24 घंटे होता है। कुछ मक्खियों की प्रजातियों की आयु कुछ सप्ताह तक की भी हो सकती है।

फ्रूट फ्लाई मक्खी का जीवनकाल

फ्रूट फ्लाई बेहद छोटी मक्खियां होती हैं जो केवल कुछ इंच की ही होती हैं। ये सड़े हुए फलों पर बैठती हैं। मक्खियों की ये प्रजाति डेढ़ माह से अधिक नहीं होती है। माना जाता है कि फ्रूट फ्लाई अपने जीवनकाल में दो हजार तक अंडे दे सकती है और ये अंडे औसत 12 दिनों में तैयार होकर मक्खियों में परिवर्तित हो जाती हैं।

पॉजिटिविटी का संचार करेंगे ये पौधे, घर में हमेशा रहेगी बरकत

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई सारे पेड़-पौधे बताए गए हैं जिन्हें घर में लगाने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। यदि घर में पेड़-पौधे लगाते समय वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए ता व्यक्ति की किस्मत बदल सकती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं वास्तु शास्त्र में किन पौधों को लकी माना जाता है.....

तुलसी

वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी को बहुत ही पवित्र और शुभ पौधा माना जाता है। यह घर में पॉजिटिविटी बढ़ाती है। घर में इसे लगाने से नेगेटिविटी दूर होती है और पॉजिटिविटी का संचार होता है। घर के आंगन, बालकनी या फिर खिड़की के पास आप यह पौधा लगा सकते हैं।

अपराजिता का पौधा

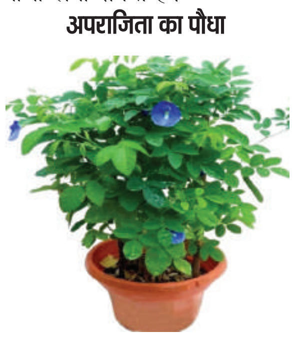

हिंदू धर्म में यह पौधा बहुत ही महत्व माना जाता है। ऐसे में इस पौधे को घर की पूर्व, उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। माना जाता है कि इस पौधे को घर में लगाने से मां लक्ष्मी विराजमान रहती है। इस पौधे को घर में लगाने से धन-धान्य की भी कोई कमी नहीं रहती। इस पौधे को लगाने से व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति भी होती है।

शमी का पौधा

भगवान शिव की पूजा में शमी का पौधा भी विशेष रुप से अर्पित किया जाता है। ऐसे में शमी का पौधा घर में होने से पॉजिटिविटी आती है और सौभाग्य आकर्षित होता है। शमी का पौधा घर में लगाने से परिवार में भी सुख-शांति बनी रहती है। इस पौधो को घर में लगाने से शनि का अशुभ प्रभाव भी दूर होता है।

बांस का पौधा

यह पौधा फेंगशुई और वास्तु

दोनों शास्त्रों में बहुत ही शुभ माना जाता है। इस पौधे को सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इस पौधे में 5,6 या फिर 7 डंठल लगाने शुभ माने जाते हैं। यह पौधा व्यक्ति के सौभाग्य में भी वृद्धि करता है। बांस के पौधे को घर के पूर्व कोने में रखना शुभ माना जाता है।

जेड प्लांट

वास्तु शास्त्र के अनुसार, जेड

प्लांट की गोल पत्तियां घर में लगाने से धन का आगमन तेजी से बढ़ता है।

इसे धन रखने वाली जगह पर रखना चाहिए। इस पौधे को घर में लगाने से बरकत बनी रहती है। साथ ही इससे स्वास्थ्य और संपदा भी बनी रहती है।

आंवले का मुरब्बा

सर्दियां आते ही बाजार में आंवले का जाते हैं। इसे सलाद और अचार के रूप में तो खाया ही जाता है, पर क्या आपको पता है कि आंवले का मुरब्बा न सिर्फ खाने में टेस्टी लगता है, बल्कि सर्दियों में इसे खाने में इम्यूनिटी बहुत स्ट्रांग होती है। आइए हन आपको बताते हैं इसकी आसान रेसिपी...

सामग्री

आंवला- 250 ग्राम

गुड़- 300 ग्राम (क्रम्बल किया हुआ)

नींबू- 1

काली मिर्च- 1/4 छोटा चम्मच

काला नमक- 1/2 छोटा चम्मच

आंवले का मुरब्बा बनाने की विधि

- सबसे पहले आंवले को धोकर स्टीम कर लें। आंवले को जल्दी से ठंडा करने के लिए एक प्लेट में रख लें।
- फिर कांटे से उसमें छेद करके एयर टाइट कांटेनर में भरकर रख लें।- गुड़ को आंवले के ऊपर रखकर, ढक्कन बंद करके, धूप में गुड़ के पिघलने और चाशनी बनने तक रख दें।
- 2 दिन बाद गुड़ पिघल जाएगा। इसे गाढ़ा करने के लिए आंवले को कढ़ाई में डालकर पकने दें।
- गुड़ की चाशनी को 5 मिनट गाढ़ा होने तक पका लें।
- मुरब्बे के ठंडे होने पर, इसमें 1 नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिला लें। मुरब्बा बनकर तैयार है।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये फल नहीं होगी विटामिन-बी12 की कमी

पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चे की डाइट में सभी हेल्दी चीजें ही शामिल की जाएं। हेल्दी चीजें बच्चों को न देने के कारण उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है लेकिन आजकल के खराब खान-पान के कारण बच्चों की डाइट खराब है वह कोई भी चीज खाने में सौ तरह के नखरे दिखाते हैं। इसी चलते उनके शरीर में कई तरह के विटामिन्स की कमी होने लगती है। बच्चों के शारीरिक और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए विटामिन-बी12 बहुत ही जरुरी माना जाता है। यदि बच्चों में इस विटामिन की कमी हो जाए तो ब्रेन डैमेज, नर्व डैमैज जैसी कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए जरुरी है कि पेरेंट्स बच्चों की डाइट में विटामिन-बी12 से युक्त चीजों को शामिल करें। आज आपको इस आर्टिकल के जरिए बताते हैं कि विटामिन-बी12 की कमी आप बच्चों के शरीर में से कैसे पूरी कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

संतरा

संतरा विटामिन-सी का बहुत अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाने और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बच्चों को दूर रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा संतरा विटामिन-बी12 से भरपूर माना जाता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स,

कैल्शियम जैसे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं जो बच्चों की ग्रोथ करने में और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सेब

सेब में विटामिन-बी12 के साथ-साथ एंटीऑक्सीडेंट्स, फ्लेवेनॉयड्स और फाइबर मौजूद होता है। रोजाना का एक सेब आप बच्चे को खाने के लिए दे सकते हैं। इससे उसकी सेहत में भी सुधार होगा और बच्चे के शरीर में से पोषक तत्वों की कमी भी पूरी होगी। रोजाना एक सेब खाने से बच्चे बीमारी भी नहीं होंगे।

ब्लूबेरी

मुख्यतौर पर ब्लूबेरी का सेवन वेट लॉस के लिए ही किया जाता है लेकिन यह विटामिन-बी12 का भी बहुत अच्छा स्त्रोत मानी जाती है। बच्चों को ब्लूबेरी के लिए जरुर दें। इससे बालों और स्किन को भी फायदा होता है। इससे बच्चे की स्किन की ड्राईनेस भी दूर होगी।

अमरुद

इसका सेवन करना भी बच्चे के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह मौसम के अनुसार बच्चों के लिए अच्छा फल माना जाता है। बच्चों को इसे खाने के लिए दें यह उनके लिए बहुत ही लाभकारी फल माना जाता है। यह विटामिन-सी, विटामिन-बी12 का अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह बच्चे का ब्लड शुगर लेवल भी सुधारने में मदद करता है। अमरुद खाने से बच्चों में डायबिटीज का रिस्क भी कम होता है।

ये चीजें भी खिला सकते हैं

यदि आपका बच्चा नॉन वेज खा लेता है तो आप उसे मछली, दही या फिर तले हुए अंडे दे सकते हैं। इसके अलावा डेयरी प्रोडक्ट्स में भी काफी अच्छी मात्रा में विटामिन-बी12 मौजूद होता है। आप उन्हें यह खाने के लिए दे सकते हैं।

विजय माल्या और नीरव मोदी से वसूले 15,000 करोड़

सीतारमण ने किया दावा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार ने विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे आर्थिक अपराधियों की 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां बैंकों और वैध दावेदारों को लौटाई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीड़ितों या सही दावेदारों को 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कर दी हैं और आर्थिक अपराधियों के खिलाफ लड़ाई निरंतर जारी रहेगी। सीतारमण ने वर्ष 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच पर लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि भगोड़े विजय माल्या की 14,131.6 करोड़ रुपये की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस कर दी गई है। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी मामले में 1,052.58 करोड़ रुपये की संपत्ति सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी बैंकों को वापस कर दी गई है। वित्त मंत्री के जवाब के अनुसार, मेहुल चोकसी मामले में 2,565.90 करोड़ रुपये की संपत्तियां जब्त की गई हैं और उन्हें नीलाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड मामले में, धोखाधड़ी के शिकार वास्तविक निवेशकों को 17.47 करोड़ रुपये की संपत्तियां वापस कर दी गईं।

उन्होंने कहा, 'पीएमएलए के मामले में, ईडी ने प्रमुख मामलों में कम से कम 22,280 करोड़ रुपये की संपत्तियां सफलतापूर्वक वापस हासिल की हैं... हमने किसी को नहीं छोड़ा है, भले ही वे देश छोड़कर भाग गए हों, हम उनके पीछे पड़े हैं। ईडी ने यह पैसा इकट्ठा किया है और बैंकों को वापस दे दिया है। इसलिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि हमने आर्थिक अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा है। हम उनके पीछे पड़े हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जो पैसा बैंकों में वापस जाना है, वह वापस आ जाए।'

वन मोबिक्विक का शेयर 58% ऊपर, 442 पर लिस्ट

विशाल मेगा मार्ट ने दिया 33% का रिटर्न, साई लाइफ साइंसेज भी 18% ऊपर लिस्ट

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड, विशाल मेगा मार्ट लिमिटेड और साई लाइफ साइंसेज लिमिटेड के शेयर्स की आज यानी 18 दिसंबर को बाजार में लिस्टिंग हुई। वन मोबिक्विक का शेयर एनएससी पर 57.7% प्रीमियम के साथ 440 पर लिस्ट हुआ है। वहीं बीएससी पर 58.5% प्रीमियम के साथ 442.25 पर लिस्टिंग हुई है। इसका का इश्यू प्राइस 279 था।

विशाल मेगा मार्ट का शेयर एनएससी पर 33.3% प्रीमियम के साथ 104 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं बीएससी पर लिस्टिंग 41.03% प्रीमियम के साथ 110 रुपए पर हुई। इसका इश्यू प्राइस 78 रुपए था।

साई लाइफ साइंसेज का शेयर एनएससी पर 18.4% प्रीमियम के साथ 650 रुपए पर लिस्ट हुआ। वहीं बीएससी पर लिस्टिंग 19.7% प्रीमियम के साथ 657.25 रुपए पर हुई। इसका इश्यू प्राइस 549 रुपए था। वन मोबिक्विक सिस्टम्स का आईपीओ टोटल 125.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 138.42 गुना, क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 138.42 गुना और नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स कैटेगरी में 125.82 गुना सब्सक्राइब हुआ था।विशाल मेगा मार्ट का आईपीओ टोटल 28.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। रिटेल कैटेगरी में यह इश्यू 2.37 गुना, QIB कैटेगरी में 85.11 गुना और NII कैटेगरी में 15.00 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

अनिल अंबानी के हाथ लगी बड़ी डील

एक झटके में चमक जाएगी किस्मत!

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस पावर के हाथ बड़ी डील लगी है। रिलायंस पावर की सब्सिडियरी रिलायंस एनयू सनटेक प्राइवेट को बड़ा सोलर और बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट मिला है। यह प्रोजेक्ट उसे सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एसईसीआई) ने दिया है। इसमें 930 मेगावाट का सोलर प्लांट और 465 मेगावाट/1860 मेगावाट घंटे की बैटरी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) शामिल है। यह घोषणा मंगलवार को अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस पावर ने की। यह प्रोजेक्ट भारत ही नहीं, बल्कि एशिया में (चीन को छोड़कर) एक ही जगह पर ग्रिड स्टोरेज बैटरीज का सबसे बड़ा डिप्लॉयमेंट होगा। इस प्रोजेक्ट से डिस्काम को कम कीमत पर बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

रिलायंस पावर ने बताया है कि यह भारत का सबसे बड़ा सोलर और बैटरी स्टोरेज सिस्टम प्रोजेक्ट है। 2000 मेगावाट के इंटरस्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम से जुड़े सोलर पावर प्रोजेक्ट्स और 1000 मेगावाट/4000 मेगावाट घंटे एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के लिए 5 कंपनियों ने बोली लगाई थी। इनमें से रिलायंस पावर को सबसे बड़ा हिस्सा मिला है। रिलायंस एनयू सनटेक को 9 दिसंबर, 2024 को SECI से 930 मेगावाट के सोलर एनर्जी कॉन्ट्रैक्ट मिला।

इस प्रोजेक्ट के तहत रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रोजाना चार घंटे की पीक पावर सप्लाई (या 4 घंटे की डिस्चार्ज अवधि) की गारंटी देगी। SECI रिलायंस एनयू सनटेक के साथ 25 साल के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट करेगा। इससे मिलने वाली सोलर पावर भारत के कई डिस्कॉम्स को बेची जाएगी।

यह प्रोजेक्ट डिस्कॉम्स के लिए राहत की खबर है। अभी डिस्कॉम्स को पीक आवर्स के दौरान पावर एक्सचेंज से 10 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदनी पड़ती है। इस प्रोजेक्ट से उन्हें सस्ती और सुनिश्चित बिजली मिलेगी। समझ लीजिये, अगर आपके घर में शाम को बिजली की ज्यादा जरूरत होती है तो ये प्रोजेक्ट उस समय के लिए अतिरिक्त बिजली स्टोर करके रखेगा। ठीक वैसे ही जैसे एक बड़ी बैटरी जरूरत पड़ने पर बिजली देती है।

बाइडन प्रशासन ने जाते-जाते एच-1बी वीजा नियमों में ढील दी

भारतीय पेशेवरों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने जाते-जाते एच-1बी वीजा के नियमों में ढील देने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से अमेरिकी कंपनियों के लिए विशेष कौशल वाले विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करना आसान हो जाएगा। बाइडन प्रशासन के इस निर्णय के बाद एफ-1 छात्र वीजा से एच-1बी वीजा में आसानी से बदलाव हो सकेगा। बाइडन सरकार के इस कदम से हजारों भारतीय तकनीकी पेशेवरों को लाभ मिलने की संभावना है। अमेरिका में इन दिनों सत्ता हस्तांकरण की प्रक्रिया चल रही है। नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने वाले हैं।

एच-1बी वीजा सबसे अधिक मांग वाला एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, जिनमें सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर करती हैं। ऐसे में भारतीय आईटी पेशेवरों को बाइडन प्रशासन के इस फैसले से लाभ मिल सकता है।

मंगलवार को होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) की ओर से घोषित इस नियम का उद्देश्य विशेष पदों और गैर-लाभकारी व सरकारी अनुसंधान संगठनों के लिए नियमों को आधुनिक बनाकर नियोक्ताओं और श्रमिकों को अधिक लचीलापन प्रदान करना है। इन संगठनों के लिए एच-1बी वीजा की सीमाओं में छूट दी गई है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन बदलावों से अमेरिकी नियोक्ताओं को अपनी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्ति करने और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को शपथ ग्रहण समारोह के बाद अमेरिका के अगले राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालेंगे।

एफ-1 वीजाधारक छात्रों को भी मिल सकेगा लाभ

डीएचएस के अनुसार, यह नियम वैसे एफ-1 वीजाधारक छात्रों के लिए लचीलापन लाएगा, जो अपनी स्थिति को एच-1बी में बदलना चाहते हैं। इससे अमेरिकी नागरिकता व आव्रजन सेवाओं (यूएससीआईएस) को उन अधिकांश व्यक्तियों के आवेदनों पर अधिक तेजी से कार्रवाई करने में मदद मिलेगी, जिन्हें पहले एच1-बी वीजा के लिए मंजूरी मिल चुकी थी।

होमलैंड सिक्योरिटी के सचिव एलेजांद्रो एन मयोरकास ने कहा, अमेरिकी व्यवसाय उच्च कुशल प्रतिभाओं की भर्ती के लिए एच-1बी वीजा कार्यक्रम पर निर्भर हैं, जिससे देश भर के समुदायों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा, कार्यक्रम में ये सुधार नियोक्ताओं को वैश्विक प्रतिभाओं को नियुक्त करने के लिए अधिक लचीलापन प्रदान करेगा, यह हमारी आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाएगा और उच्च कुशल श्रमिकों को नियुक्त करने में मदद करेगा।

यूएससीआईएस के निदेशक उर एम. जादौ ने कहा, एच-1बी वीजा कार्यक्रम 1990 में कांग्रेस की ओर से बनाया गया था और इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए इसे आधुनिक बनाने की जरूरत थी।

नए नियम 17 जनवरी 2025 से लागू होंगे। उसके बाद वीजा की सभी याचिकाओं के लिए गैर-आप्रवासी कर्मचारी को फॉर्म I-129 का नया संस्करण भरना पड़ेगा।

3,72,282 पॉलिसीहोल्डर्स को नहीं है खबर

एलआईसी के पास पड़े हैं 880 करोड़ रुपये, कैसे करें क्लेम?

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (एलआईसी) का कहना है कि साल 2023-24 में उसके पास 880.93 करोड़ रुपये की अनक्लेम्ड मैच्योरिटी रकम पड़ी हुई है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि साल 2024 में 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने मैच्योरिटी पूरी होने के बाद भी अपनी रकम नहीं ली। ऐसे में सवाल उठता है कि अनक्लेम्ड रकम के बारे में पता लगाने के लिए क्या करने की जरूरत है?

क्या उठाए गए हैं कदम?

एलआईसी ने अनक्लेम्ड और बकाया क्लेम कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें प्रिंट मीडिया और डिजिटल मीडिया के विज्ञापन के अलावा, पॉलिसीधारकों को उनकी बकाया राशि का दावा करने के लिए रेडियो जिंगल्स भी शामिल हैं। मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि दावा निपटाने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। दावा पूरा करने के लिए केवल वैध NEFT की जरूरत है।

रकम का क्या होता है?

अगर किसी रकम के लिए 10 साल से ज्यादा समय तक कोई दावेदार नहीं आता है तो पूरी रकम सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में चली जाती है। नियमों के मुताबिक इस पैसे का इस्तेमाल बुज़ुर्गों की भलाई के लिए किया जाता है।

15 फरवरी, 2024 के IRDAI के सर्कुलर के मुताबिक, 'इंश्योरेंस कंपनियों से बातचीत के आधार पर यह समझ में आया है कि अनक्लेम्ड रकम बढ़ने की एक वजह ये है कि कई ऐसे मामले हैं जहां ग्राहकों का पता लगाया जा सकता है। लेकिन कई कारणों से इंश्योरेंस कंपनियां दावा नहीं चुका पा रही हैं।

क्या है कारण?

-किसी बीमा पॉलिसी के तहत मुकदमेबाजी के कारण-विरोधी दावों के कारण-किसी सरकारी एजेंसी द्वारा बीमा पॉलिसियों को फ्रीज/ब्लॉक करने के कारण-उपभोक्ताओं ने पेंशन और बीमा उत्पादों पर दावा नहीं किया है-उपभोक्ता देश से बाहर हैं और इसलिए समय लग रहा है। सर्कुलर के मुताबिक, हर इंश्योरेंस कंपनी को अपनी वेबसाइट पर 1000 रुपये या उससे ज्यादा की किसी भी अनक्लेम्ड रकम की जानकारी जरूर दिखानी होगी। यह जानकारी 10 साल पूरे होने के बाद भी दिखानी होगी।

होंडा और निसान मोटर्स का हो सकता है मर्जर

कंपनियां साथ आकर टोयोटा को टक्कर देना चाहती हैं, 24% चढ़ा निसान का शेयर

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। होंडा मोटर कंपनी और निसान मोटर कंपनी का मर्जर हो सकता है। दोनों कार मेकर्स साथ आकर टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन के साथ ग्लोबल मार्केट में कॉम्पिटिशन करने पर विचार कर रही हैं। होंडा के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट शिंजी आओयामा ने कहा कि होंडा और निसान दोनों कंपनियां मर्जर के अलावा कैपिटल टाइ-अप और होल्डिंग कंपनी बनाने सहित कई अन्य विकल्पों पर भी चर्चा कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मित्सुबिशी मोटर्स कॉर्प भी इस डील में साथ आ सकती है, क्योंकि इसका पहले से ही निसान के साथ कैपिटल टाइज है। होंडा-निसान मर्जर की खबर के बाद जापान के टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में निसान के शेयर में 23.70% की तेजी रही।

सोना 208 रुपए बढ़कर 76570 रुपए पर पहुंचा

चांदी 88,950 रुपए किलो बिक रही

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 18 दिसंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 208 रुपए बढ़कर 76,570 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,362 रुपए प्रति दस ग्राम थी।

चांदी का भाव भी आज 425 रुपए बढ़कर 88,950 रुपए पर पहुंच गया है। कल चांदी 88,525 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

जून तक 85 हजार रुपए तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि एक बड़ी रैली के बाद सोने में गिरावट आनी थी, वह आ चुकी है। अमेरिका के बाद UK ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे गोल्ड ETF की खरीदारी बढ़ेगी। ऐसे में अगले साल 30 जून तक सोना 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी HUID कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- AZ4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

अब भूले हुए एमएफ निवेश की खोज होगी आसान, सेबी बना रहा खास पोर्टल

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जो निवेशक अपने म्यूचुअल फंड को भूल गए हैं, उन्हें अब इसे खोजने में आसानी होगी। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने निवेशकों के लिए निष्क्रिय और बिना दावे वाले म्यूचुअल फंड (एमएफ) फोलियो का पता लगाने के लिए एक सर्विस प्लेटफॉर्म विकसित करने का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि म्यूचुअल फंड इन्वेस्टमेंट ट्रेसिंग एंड रिट्रिवल असिस्टेंट नाम के प्रस्तावित सर्विस प्लेटफॉर्म का विकास दो प्रमुख रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट CAMS और KFintech करेंगे।

यह प्लेटफॉर्म निवेशकों को भूले हुए एमएफ निवेशों की खोज करने, मौजूदा मानकों के अनुरूप केवाईसी को अपडेट करने और धोखाधड़ी से भुनाने के जोखिम को कम करने को सुरक्षा उपायों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके साथ ही यह प्लेटफॉर्म बिना दावे वाले म्यूचुअल फंड फोलियो में कमी लाने में मददगार बनेगा और एक पारदर्शी वित्तीय पारिस्थितिकी बनाने में योगदान देगा। सेबी ने कहा कि म्यूचुअल फंड निवेशक कभी-कभी अपने निवेश पर नजर नहीं रख पाते हैं। इसकी वजह यह हो सकती है कि निवेश न्यूनतम केवाईसी ब्योरे के साथ भौतिक रूप में किया गया हो।

सेंसेक्स 502 अंक नीचे 80,182 के स्तर पर बंद

निफ्टी 137 अंक गिरकर 24,198 पर आया; मीडिया और सरकारी बैंक सबसे ज्यादा गिरे

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में बुधवार (18 दिसंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 502 अंक गिरकर 80,182 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 137 अंक नीचे 24,198 के स्तर पर बंद हुआ।

बुधवार के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट और 8 में तेजी रही। जबकि, निफ्टी के 50 शेयरों में से 33 में गिरावट और 17 में तेजी देखने को मिली।

एनएसई सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में सबसे ज्यादा 2.24%, सरकारी बैंकों के शेयर में 1.92% और निफ्टी मेटल में 1.36% की गिरावट रही।

जबकि, हेल्थकेयर, आईटी और फार्मा सेक्टर में मामूली तेजी रही।एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.21% की गिरावट जबकि कोरिया के कोस्पी में 0.95% की तेजी है। चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.52% की तेजी के साथ कारोबार कर रहा है।NSE के डेटा के अनुसार, 17 दिसंबर को विदेशी निवेशकों की नेट सेल 6,409.86 करोड़ रुपए रही। इस दौरान घरेलू निवेशकों ने 2,706.48 करोड़ के शेयर्स खरीदे।

17 दिसंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.61% गिरकर 43,449 पर बंद हुआ। S&P 500 0.39% की गिरावट के साथ 6,050 और नैस्डैक 0.32% नीचे 20,109 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर मार्केट में लिस्टिंग के लिए 19 दिसंबर को कंपनियों के 5 इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ ओपन होंगे। इसमें ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड, ममता मशीनरी लिमिटेड, सनाथन टेक्सटाइल्स लिमिटेड और कॉनकॉर्ड एनवायरो सिस्टम्स लिमिटेड शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	धनु	मे
चंद्र-	कर्क	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	वृश्चिक	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	मकर	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
धनु----	06-29	बजे
मकर...	08-35	बजे
कुंभ -	10-26	बजे
मीन-	12-04	बजे
मेष---	13-40	बजे
वृष---	15-25	बजे
मिथुन	17-26	बजे
कर्क...	19-38	बजे
सिंह---	21-50	बजे
कन्या---	23-57	बजे
तुला----	02-02	बजे
वृश्चिक...	04-12	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
सूर्योदय - 06-44
सूर्यास्त. -17-42
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -197294912 5
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी . 10-03 तक उपरान्त पंचमी
मास - पौष कृष्ण , गुरुवार 19 December
नक्षत्र - आश्लेषा 00-57 तक उपरान्त मघा
योग - वैधृति 18-33 तक उप विष्कुंभ
करण- बालव 10-03 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री दीपनारायण पुरी पुण्य

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:36 से 14:59 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ .	06:44 - 08:05	शुभ	अमृत	17:42 - 19:22	शुभ
रोग	08:05 - 09:28	अशुभ	चंचल	19:22 - 20:59	शुभ
उत्पात	09:28 - 10:51	अशुभ	रोग	20:59 - 22:37	अशुभ
चंचल	10:51 - 12:13	शुभ	काल.	22:37 - 00:14	अशुभ
लाभ	12:13 - 13:36	शुभ	लाभ	00:14 - 01:51	शुभ
अमृत.	13:36 - 14:59	शुभ	उत्पात	01:51 - 03:28	अशुभ
काल	14:59 - 16:22	अशुभ	शुभ	03:28 - 05:05	शुभ
शुभ	16:22 - 17:42	शुभ	अमृत	05:05 - 06:44	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप अपने संपर्क में आने वाले हर व्यक्ति के साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करेंगे कोई आपकी उदारता से प्रभावित होकर दिन के अंत तक आपसे अपनी भावना का इजहार कर सकता है हालाँकि अभी भी आपके मन में कडवे अनुभव भरे हुए हैं लेकिन अब समय आ गया है की आप सारी नकारात्मकता को दूर करके एक नयी शुरुआत करें

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

इस समय आपको जीवन में दो ही विकल्प मिलेंगे और दोनों में से किसी एक को भी छोड़ना आपके लिए समान दर्दनाक होगा आपको अब अपने दिल की सुननी चाहिए अपने खाली समय में अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं.लेकिन उनकी प्राथमिकताएं भी तय करें आपकी महत्वकाक्षाएं बढ़ गई हैं और आप उन्हें जितनी जल्दी हो सके,पूरे कर लेना चाहते हैं

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी । आपका अपना आत्मविश्वास और ग्रहों का संयोग आज आपकी कैरियर सम्भंधी सभी बाधाओं को आसानी से दूर करेगा ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

यह आप के लिए एक महान दिन है! आप दूसरों को अपने विचारों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे । हो सकता है की आपकी मासूमियत और ईमानदारी, व्यंग्य और आक्रामकता के रूप में लोगो को लगे क्यों की लोग आप से ज्यादा परिचित नहीं हैं। इसलिए सावधान रहे क्यों की हो सकता है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अछा रहेगा ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप मे अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए एक स्वाभाविक प्रवृत्ति रहेगी , लेकिन ये स्थिति आपके वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपकी मुसीबत को बढ़ा सकती हैं। तथ्य यह है कि किसी भी वास्तविक इच्छा से प्रेरित न होकर आपके आलसी होने की आदत से आप अधिक कार्य से परहेज कर रहे है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है , ताकि आपका करियर उचित दिशा में चलता रहे ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'वन नेशन, वन इलेक्शन' से कैसे भरेगा सरकारी खजाना ?

एक वोट पर कितना होता है खर्च

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पहले संसद के बाहर और अब संसद के अंदर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' को लेकर पक्ष और विपक्ष आमने-सामने है. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी इसके पक्ष में है, साथ ही एनडीए कुनबे में शामिल लगभग सभी सहयोगी दलों का बीजेपी को समर्थन है. वहीं कांग्रेस खुलकर 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का विरोध कर रही है, कांग्रेस के साथ सपा, आरजेडी, आप और डीएमके जैसी क्षेत्रीय पार्टियां भी विरोध कर रही हैं।

दरअसल, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव कराए जाए, यानी वोटर्स लोकसभा और विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन में अपना वोट डालेंगे। सरकार का कहना है कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से सरकार का कामकाज आसान हो जाएगा. देश में बार-बार चुनाव होने से काम अटकता है. क्योंकि चुनाव की घोषणा होते ही आचार संहिता लागू हो जाती है. जिससे परियोजनाओं में देरी होती है और विकास कार्य प्रभावित होते हैं. वहीं लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होने से सरकार नीति निर्माण और उसके अमल पर ज्यादा ध्यान दे पाएगी. यही नहीं, दावा किया जा रहा है कि एक बार चुनाव कराने से लागत कम होगी और संसाधन भी कम लगेंगे. जो पैसे बचेंगे और देश के विकास में खर्च किया जाएगा।

रिपोर्ट की मानें तो भारत में 1952 से 2023 तक प्रतिवर्ष औसतन 6 चुनाव हुए. यह आंकड़ा सिर्फ लोकसभा और विधानसभा के लिए बार-बार होने वाले चुनावों का है. वहीं अगर स्थानीय चुनावों को शामिल कर लिया जाए तो प्रतिवर्ष चुनावों की संख्या कई गुणा बढ़ जाएगी. तर्क है कि एक साथ चुनाव से खासकर विधानसभा चुनावों में सरकार, उम्मीदवारों और पार्टियों अलग-अलग खर्चा होता है, वो सब कम हो जाएगा. एक साथ चुनाव कराने से वोटर्स के रजिस्ट्रेशन और वोटर लिस्ट तैयार करने का काम आसान हो जाएगा. एक ही बार में ठीक से इस काम को अंजाम दिया जा सकेगा. कम चुनाव होने से राज्यों पर भी वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा।

> विपक्ष का तर्क...

भारत में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करने में कई चुनौतियां और खामियां हैं. खासकर कांग्रेस का तर्क है कि भारत जैसे विशाल देश में ये संभव नहीं है, क्योंकि हर राज्य की अलग चुनौतियां और उसके मुद्दे हैं. एक साथ चुनाव से वो प्रभावित होंगे. सांस्कृतिक तौर पर भी ये असंभव है। एक साथ चुनाव कराने से क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं, क्योंकि वे स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उजागर करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं. वे पैसे और चुनावी रणनीतियों के मामले में राष्ट्रीय पार्टियों से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम नहीं हो सकते. क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के पास सीमित संसाधन हैं, जबकि सामने राष्ट्रीय दलों के संसाधन होने की वजह से वो हावी हो सकते हैं।

संविधान में संशोधन के बिना भारत में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लागू करना संभव नहीं है, और इस संशोधन को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों, संभवतः प्रमुख राजनीतिक दलों द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए. 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की सबसे बड़ी चुनौती विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं की शर्तों को लोकसभा की शर्तों के साथ समन्वयित करना है। मध्यावधि चुनाव या राष्ट्रपति शासन जैसी स्थितियों में, अगर कोई पार्टी बहुमत पाने में विफल रहती है, तो एक राष्ट्र एक चुनाव अवधारणा लागू होने पर इससे कैसे निपटना है, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है. दरअसल, आज के दौर में चुनाव बहुत महंगे हो चुके हैं।

> बचत का तर्क... कैसे भरेगा सरकारी खजाना ?

कहा जा रहा है कि एक साथ देश में चुनाव होने से सरकारी खजाने पर कम बोझ पड़ेगा. दावा है कि इससे जो पैसा बचेगा, वह इंडस्ट्रियल ग्रोथ में लगेगा. एक देश-एक चुनाव लागू होने से देश की जीडीपी भी एक से डेढ़ फीसदी बढ़ सकती है।

अगर चुनावी खर्च की बात की जाए तो इसकी मुद्रास्फीति सूचकांक के आधार पर तय होती है. बीते वर्षों में सेवाओं और वस्तुओं की कीमतों में हुई वृद्धि के आधार पर खर्च की सीमा तय की जाती है. देश में आजादी के बाद साल 1951 में पहला आम चुनाव हुआ था. इस चुनाव में करीब 10.5 करोड़ रुपये खर्च हुआ था. चुनाव आयोग के मुताबिक 1951 कुल 17.32 मतदाता थे, जो साल 2019 में बढ़कर 91.2 करोड़ हो गए थे. आयोग के मुताबिक 2024 के चुनाव में 98 करोड़ मतदाताओं के नाम लिस्ट में थे।

मोदी सरकार पहली बार 2014 में सत्ता में आई थी. चुनाव आयोग के मुताबिक इस चुनाव को कराने में करीब 3870 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. इससे पहले 2009 लोकसभा चुनाव में 1114.4 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. 2009 के मुकाबले में 2014 में चुनावी खर्च करीब तीन गुना बढ़ गया. वहीं 2019 के लोकसभा चुनाव में खर्च करीब 6600 करोड़ रुपये रहा था।

> एक वोट के लिए कितना खर्च ?

2024 के लोकसभा चुनाव में एक वोट के लिए खर्च का हिसाब निकालें तो पता चलता है कि देश में पहली बार जब 1951 में आम चुनाव हुए थे, तब करीब 17 करोड़ वोटर्स ने भाग लिया था. उस वक्त हरेक मतदाता पर 60 पैसे का खर्च आया था. जबकि इस चुनाव में कुल 10.5 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. वहीं, 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 6600 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जबकि कुल मतदाता की संख्या करीब 91.2 करोड़ थी. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में यह खर्च बढ़कर 72 रुपये प्रति वोटर पहुंच गया था. साल 2014 के चुनाव में प्रति मतदाता खर्च करीब 46 रुपये था. इससे पहले 2009 के लोकसभा चुनाव में 17 रुपये प्रति वोटर, और 2004 के चुनाव में 12 रुपये प्रति वोटर खर्चा आया था. देश में सबसे कम खर्च वाला लोकसभा चुनाव 1957 में हुआ था, तब चुनाव आयोग ने सिर्फ 5.9 करोड़ रुपये खर्च किए थे, यानी हरेक मतदाता तब चुनाव खर्च सिर्फ 30 पैसे आया था।

> चुनाव खर्च के हिसाब

लोकसभा चुनाव 2024 में एक उम्मीदवार को अधिकतम 95 लाख रुपये खर्च कर सकता था. इनमें चुनाव प्रचार, वाहन, खाना-पानी, टेंट और बैनर-पोस्टर तक शामिल है. चुनाव के दौरान गायकों और सोशल मीडिया पर दिए गए विज्ञापन का भी हिसाब होता है. फिलहाल विधानसभा चुनाव के लिए ये रकम प्रति उम्मीदवार के लिए अधिकतम 40 लाख रुपये निर्धारित है. इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव में भी खर्च अधिकतम 95 लाख रुपये, 2014 के लोकसभा चुनाव में 70 लाख रुपये, 2009 के चुनाव में 25 लाख रुपये, और 2004 के लोकसभा चुनाव में 25 लाख रुपये खर्च का दायरा था. देश के पहले चुनाव यानी 1951 में एक उम्मीदवार अधिकतम 25 हजार रुपये तक खर्च कर सकता था. हालांकि ताजा मुद्दा में देश में एकसाथ चुनाव कराने का है. EC ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इसके लिए बहुत सी तैयारियों की जरूरत होगी. वोटर लिस्ट अपडेट करना, वोटिंग मशीनें खरीदना और सुरक्षा बलों का इंतजाम करना, ये कुछ जरूरी काम हैं।

> खर्च कौन वहन करता है ?

अक्टूबर 1979 में कानून और व्यवस्था मंत्रालय की ओर से जारी दिशानिर्देशों के अन

कोयला चाहिए तो 15 दिन में कोल इंडिया जवाब दे

> 1.36 लाख करोड़ रुपए बकाए को लेकर हेमंत सरकार सख्त > सीएम बोले-बीजेपी भी आवाज उठाए

रांची, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने कोयला रॉयल्टी और राजस्व मद में झारखंड के बकाए 1.36 लाख करोड़ की मांग खारिज कर दिए जाने के बाद हेमंत सरकार एक्शन में आ गई है। कोल कंपनियों के यहां 1.36 लाख करोड़ रुपए बकाए की वसूली के लिए राज्य सरकार ने लीगल प्रोसेस शुरू करने का आदेश दिया।

राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया है। भू-राजस्व विभाग के विशेष सचिव को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। विशेष सचिव 15 दिनों के अंतराल पर भू-राजस्व सचिव को विधिक कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराएंगे।

तो कोयले का एक ढेला भी नहीं जाएगा बाहर

इधर, झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने जो जवाब दिया है, उसमें कोल इंडस्ट्री का उल्लेख ही नहीं है। चौधरी ने चालाकी से 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के जीएसटी, सेंट्रल असिस्टेंस, स्पेशल असिस्टेंस का डेटा बताकर बकाए से इंकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि भू-राजस्व विभाग ने कोल इंडिया को 15 दिनों के भीतर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया है। अगर कोल इंडिया ने बकाया नहीं दिया, तो हम राजमहल से राजहरा तक कोयला खदान नहीं चलने देंगे। कोयले का एक ढेला भी बाहर नहीं जाएगा। हम बकाया छोड़नेवाले नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा के मंत्री- सांसद आज कहां हैं। सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा-हमने बता दिया है कि किस मद में कितना बकाया है।

सीएम की चिट्ठी में है पूरा डिटेल

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में इसका पूरा डिटेल है। भूमि अधिग्रहण, कोल वाश और सूद में कितना बकाया है। हमारे पक्ष में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय बेंच का आदेश आ चुका है। उसमें कहा गया है कि रॉयल्टी टैक्स नहीं है। अब हम झारखंड के भूखंड से रेलवे की होनेवाली माल ढुलाई के फ्रेट पर भी रॉयल्टी लेंगे। यह झुकनेवाली नहीं, हक लेनेवाली सरकार है। जिन निजी कंपनियों को झारखंड में कोयला खदान मिला है, वे पहले राज्य सरकार का पैसा जमा करे, फिर फावड़ा चलाया। नहीं तो सब बंद होगा।

हेमंत बोले-हमारी मांग जायज, भाजपा सांसद भी आवाज उठाएं

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हमारी मांग जायज है। राज्य के भाजपा सांसद भी बकाए की मांग के लिए केंद्र और संसद में आवाज बुलंद करें। मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने लिखा है कि भाजपा सांसदों से उम्मीद है कि वे आवाज बुलंद करेंगे। झारखंड के विकास के लिए यह बेहद जरूरी है। इधर, राज्य सरकार 20 दिसंबर को राजस्थान के जैसलमेर में राज्यों के साथ केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की होने वाली केंद्रीय प्री बजट मीटिंग में भी इस मांग को उठाएगी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर राज्य की ओर से मेमोरेंडम रखेंगे। वित्त सचिव प्रशांत कुमार भी रहेंगे। राज्य सरकार केंद्रीय प्री बजट मीटिंग में याद दिलाएगी कि वर्ष 2022 में केंद्रीय वित्त मंत्री को सीएम हेमंत सोरेन ने उन बकाए के लिए उन्हें पत्र लिखा था।

अनवर ढेबर के रिश्तेदार के घर ईडी की रेड

गरियाबंद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गरियाबंद जिले के मैनपुर में ईडी ने कारोबारी इकबाल मेमन के घर छापा मारा है। टीम आज (बुधवार) सुबह 6 बजे 10 से ज्यादा गाड़ियों में कारोबारी के घर पहुंची।

टीम घर में प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है। इकबाल मेमन छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले के आरोपी अनवर ढेबर का रिश्तेदार (मौसा) बताया जा रहा है। वहीं रायपुर के मौदहापारा में चावल कारोबारी रफीक मेमन के घर भी दबिश दी गई है। गरियाबांद के जाड़ापदर में बनाए जा रहे राइस मिल को लेकर कुछ दिन पहले ग्रामीणों ने विरोध जताया था। ये मिल इकबाल के बेटे गुलाम द्वारा बनाई जा रही थी। विवाद बढ़ने के बाद ग्रामीणों ने ईडी के पास पहुंचकर एक लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। ग्रामीणों ने शराब सिंडिकेट के पैसे का इन्वेस्टमेंट करने आरोप लगाया है।

भूपेश सरकार में डेपुटेशन पर गए आईएएस की होगी वापसी

सुबोध सिंह लौटेंगे छत्तीसगढ़, मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सेन्ट्रल डेपुटेशन से आईएएस सुबोध सिंह की छत्तीसगढ़ वापसी होने वाली है। केन्द्र सरकार के डीओपीटी यानी डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने सुबोध सिंह की छत्तीसगढ़ वापसी को हरी झंडी दी है। पिछले 5 सालों से सिंह डेपुटेशन पर दिल्ली में काम कर रहे थे। वे नीट-यूजी पेपर लीक के बाद एनटीए से हटाए गए थे। सीनियरिटी के अनुसार सुबोध सिंह प्रिंसिपल सेक्रेटरी के तौर पर छत्तीसगढ़ आएंगे। राज्य सरकार की तरफ से उनकी वापसी की मांग की गई थी। माना जा रहा है इसी महीने के अंत तक वे छत्तीसगढ़ आ सकते हैं। सुबोध सिंह स्टील मिनिस्ट्री में एडिशनल सेक्रेटरी और वित्तीय सलाहकार के तौर पर इस समय काम कर रहे हैं। सुबोध कुमार सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1997 बैच के अधिकारी हैं और अपने करियर में रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कलेक्टर के तौर पर कार्य कर चुके हैं। डॉ. रमन सिंह के तीसरे कार्यकाल के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के रूप में अहम जिम्मेदारी निभाई थी। रमन सरकार के समय सुबोध सिंह उनके करीबी अफसरों में गिने जाते थे। छत्तीसगढ़ में रहते हुए उनकी छवि निर्विवाद अधिकारी के रूप में रही।

5 हजार एकड़ टाऊ की फसल बर्फ जमने से बर्बाद

रायपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जशपुर में बर्फ जमने से करीब पांच हजार एकड़ में लगी टाऊ की फसल बर्बाद हो गई है। पाले की परत जमने से दाने खराब हो गए हैं। बीते कुछ दिनों से रोजाना खड़ी फसल के ऊपर सुबह के वक्त बर्फ की परत जम रही है। किसानों के मुताबिक इस साल करीब 35 करोड़ रुपए की टाऊ की फसल जिले के पठारी इलाके से निकलने को तैयार थी। छत्तीसगढ़ के उत्तरी हिस्से में कड़ाके की ठंड पड़ रही। मंगलवार को बलरामपुर सबसे ठंडा रहा, यहां न्यूनतम तापमान 3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। हालांकि अगले तीन दिन ठंड से थोड़ी राहत मिलेगी। नमी युक्त हवा आने के कारण न्यूनतम तापमान 3 से 5 डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं अगले दो दिन बस्तर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

कांग्रेस का भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, दीपक बैज के साथ सैंकड़ों कार्यकर्ता राजभवन पहुंचे

नहीं दिखे बघेल और सिंहदेव

रायपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही है। रायपुर में कांग्रेस का राजभवन मार्च शुरू हो गया है। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने रायपुर के घड़ी चौक में गुरु घासीदास की पूजा अर्चना कर राजभवन मार्च शुरू किया। कांग्रेस का यह विरोध मुख्य रूप से गौतम अडानी और मणिपुर हिंसा पर पीएम मोदी की चुप्पी को लेकर है। पीसीसी चीफ दीपक बैज के साथ सैंकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता राजभवन के पास पहुंचे हैं। हालांकि, भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, चरणदास महंत जैसे बड़े नेता विरोध प्रदर्शन में नहीं दिखे।

कांग्रेस देशभर में कर रही प्रदर्शन

बता दें कि कांग्रेस देशभर में केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों, अमेरिका की अदालत में अडानी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों, पूंजीपतियों को सरंक्षण देने और मणिपुर में बढ़ती हिंसा के विरोध में प्रदर्शन कर रही है।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री के समर्थक की गोली मारकर हत्या

बाइक सवार अपराधियों ने सीने में मारी 4 गोली, 26 दिन पहले हुई थी शादी

जमशेदपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में बुधवार को पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के समर्थक आलोक भगत उर्फ आलोक मुन्ना की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना कदमा थाना अंतर्गत शास्त्रीनगर ब्लॉक नंबर 3 में हुई। अपराधियों ने आलोक को सीने में चार गोली मारी। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। इसी साल 22 नवंबर को आलोक की शादी हुई थी।

आलोक के घर से करीब 300 मीटर की दूरी पर बाइक सवार चार अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। आलोक अपनी बुलेट बाइक से बाजार से फूल और दूध लेकर घर लौट रहा था। इसी दौरान पहले से घात लगाए अपराधियों ने उसे गोली मारी। एक गोली उसके पैर में लगी तो वह बुलेट के साथ जमीन पर गिर पड़ा। वह उठकर भागा और अपने एक पड़ोसी के घर में जा घुसा।

आलोक कांग्रेस पार्टी से जुड़ा था

यहां पीछा करते हुए अपराधी पहुंचे और उसके सीने में गोली मार दी। इसके बाद अपराधी भाग निकले। स्थानीय लोगों की मदद से आलोक को तुरंत टीएमएच ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आलोक कुमार उर्फ मुन्ना कांग्रेस पार्टी से जुड़ा था और टाइगर क्लब नाम की एक संस्था भी चलाता था।

पुलिस ने घटनास्थल से खोखा किया बरामद

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची घटनास्थल से पुलिस ने खोखा और मृतक की बाइक बरामद की है। आलोक की हत्या में छोटू बच्चा का नाम सामने आ रहा है। हाल ही में समाप्त हुए विधानसभा चुनाव के दौरान भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। वैसे पुलिस पूरे घटना की जांच कर रही है और अपराधियों की धर पकड़ के लिए सीसीटीवी फुटेज का सहारा ले रही है।

काली पूजा विसर्जन के दौरान हुआ था विवाद

बीते चार नवंबर को काली पूजा विसर्जन के दौरान मारपीट हुई थी। इस दौरान आलोक के भाई मनोज भगत के बयान पर मामला दर्ज कराया गया था।

मनोज भगत ने शिकायत में बताया था कि काली पूजा विसर्जन के दौरान छोटू बच्चा, आकाश सिंह, नरेश सिंह समेत 10–15 लोगों ने घेर लिया मारपीट शुरू कर दी। छोटू बच्चा ने भाई आलोक पर हथियार तान दिया। बीच बचाव में मारपीट हुई थी।

जामताड़ा से बांग्लादेश चावल सप्लाई मामला

राइस मिल मालिक का है बांग्लादेश कनेक्शन, खाद्य आपूर्ति मंत्री बोले-दोषियों पर हर हाल में होगी कार्रवाई

जामताड़ा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जामताड़ा के बेना स्थित रामेश्वरम राइस मिल में बांग्लादेश के पैकेट में एफसीआई का चावल मिलने की घटना के पूरे झारखंड को चौंका दिया है। इस मामले को राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफ़ान ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा कि यहां से चावल न सिर्फ बांग्लादेश भेजे जा रहे हैं बल्कि चावल पर प्लास्टिक की पॉलिस कर काला बाजारी भी की जा रही है। ऐसा कर जनता के स्वास्थ्य से भी खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जामताड़ा का यह दुर्भाग्य है कि जिस विभाग का मैं मंत्री हूं उसी विभाग में नकली प्लास्टिक का चावल बनाकर बांग्लादेश भेजा जा रहा है। जो चावल गरीब को मिलना चाहिए था वो गरीब को न मिलकर राइस मिल में जाता था। वहां से भारी मात्रा में पैकेट बनाकर बांग्लादेश सप्लाई की जाती थी। जहां तक मुझे जानकारी है, जो संचालनकर्ता है, उसका पहले से बांग्लादेश से कनेक्शन है। वह दवाई घोटाले में जेल जा चुका है। अब ये मामला चौकाने वाला है कि मेरे क्षेत्र में इतना बड़ा गोरख धंधा चल रहा था। किसके इशारे पर चल रहा था। मास्टर माइंड कौन है। कौन इसका देख-रेख कर रहा था, यह जांच का विषय है। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है। जो भी दोषी होंगे उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा।

धान खरीदी केंद्र में चोरी, 80 बोरियां उठा ले गए चोर, पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

दुर्ग, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दुर्ग धमधा थाना क्षेत्र में एक सेवा सहकारी समिति केंद्र से धान चोरी का मामला सामने आया है। चोर धान खरीदी केंद्र से 80 बोरियां धान की चोरी कर लिए गए। धान चोरी को शिकायत के बाद पुलिस ने धान खरीदी केंद्र से धान चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

धमधा थाना प्रभारी युवराज साहू ने बताया कि ग्राम घोठा धान खरीदी केंद्र के सहायक प्रबंधक राजू पटेल ने थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने पुलिस को बताया कि धान खरीदी केन्द्र ग्राम हिरेतरा में 14 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हुआ है। जहां किसानों का धान खरीदी कर धान के बोरों को रखा गया था। 13 दिसंबर को धान बोरों का मिलान करने के बाद मंडी के चौकीदारों को बताकर वह ऑफिस काम से दूसरी सोसायटी ग्राम घोठा धान खरीदी केंद्र चला गया था। इसके बाद फिर 16 दिसंबर को निरीक्षण करने में धान बोरा की दो-तीन लाइन कम दिखाई दीं। इस पर गिनती कर मिलान किया तो पता चला कि करीब 80 बोरा धान गायब था। जिसका मंडी परिसर के आसपास तलाश की गई। लेकिन नहीं मिलने पर इसकी शिकायत पुलिस ने की गई। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। धान खरीदी केंद्र से 80 बोरा धान की कीमत 73 हजार 600 बताई है। पुलिस से घटना में इस्तेमाल मोटर साइकिल और चोरी के धान बरामद की है।

आरोपी धान खरीदी पहुंचकर मोटर साइकिल में धान लोड कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे इस गिरोह के द्वारा धमधा के आसपास अन्य धान खरीदी केंद्र से धान के बोरा चोरी कर देवकर के एक व्यापारी को बेचते थे। इस गिरोह के सदस्य हिरेतरा धान खरीदी केंद्र में चोरी करने पहुंचे थे। धान चोरी करने ग्रामीणों ने करण पारधी और रघु पारधी को पकड़ लिया।

पकड़ा गया रेप और हत्या का आरोपी तो गांव वालों ने पीटा

फटे कपड़ों में बेहोश मिली थी नाबालिग

चायबासा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चायबासा में हाल में दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई है. पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक व्यक्ति द्वारा कथित तौर पर बलात्कार के बाद एक आंगनवाड़ी केंद्र के पास बेहोश पड़ी मिली 14 साल की लड़की की बुधवार को ओडिशा के एक अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने ये जानकारी दी है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लड़की के परिवार के सदस्यों ने जगन्नाथपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि नाबालिग के साथ बलात्कार किया गया है. जगन्नाथपुर थाना प्रभारी शिवनारायण तिवारी ने बताया कि- ग्रामीणों के अनुसार,फटे कपड़ों के साथ नाबालिग मंगलवार शाम को एक आंगनवाड़ी केंद्र के पास बेहोश पड़ी मिली थी. उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और बाद में सीमावर्ती ओडिशा के एक उप-विभागीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने अंतिम सांस ली। उन्होंने कहा कि मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए दिन में उसके शरीर का पोस्टमार्टम किया जाएगा. तिवारी ने कहा,'आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसे यहां एक अदालत में पेश किया जाएगा. मामले में एक एफआईआर भी दर्ज की गई है.

रूस ने कैंसर की वैक्सीन बनाई

पुतिन सरकार ने कहा-2025 से नागरिकों को मुफ्त लगाएंगे; यह सदी की सबसे बड़ी खोज

मॉस्को, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमने कैंसर की वैक्सीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है। इसकी जानकारी रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय के रेडियोलॉजी मेडिकल रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर आंद्रेई कप्रीन ने रेडियो पर दी।

रूसी न्यूज एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, इस वैक्सीन को अगले साल से रूस के नागरिकों को फ्री में लगाया जाएगा। डायरेक्टर आंद्रेई ने बताया कि रूस ने कैंसर के खिलाफ अपनी एमआरएनए वैक्सीन विकसित कर ली है। रूस की इस खोज को सदी की सबसे बड़ी खोज माना जा रहा है। वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल से पता चला है कि इससे ट्यूमर के विकास को रोकने में मदद मिलती है। इससे पहले इस साल की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बताया था कि रूस कैंसर की वैक्सीन बनाने के बेहद करीब है।

क्या होती है एमआरएनए वैक्सीन

एमआरएनए या मैसेंजर-आरएनए इंसानों के जेनेटिक कोड का एक छोटा सा हिस्सा है, जो हमारी सेल्स (कोशिकाओं) में प्रोटीन बनाती है। इसे आसान भाषा में ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब हमारे शरीर पर कोई वायरस या बैक्टीरिया हमला करता है तो एमआरएनए टेक्नोलॉजी हमारी सेल्स को उस वायरस या बैक्टीरिया से लड़ने के लिए प्रोटीन बनाने का मैसेज भेजती है। इससे हमारे इम्यून सिस्टम को जो जरूरी प्रोटीन चाहिए, वो मिल जाता है और हमारे शरीर में एंटीबॉडी बन जाती है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये है कि इससे कन्वेंशनल वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा जल्दी वैक्सीन बन सकती है। इसके साथ ही इससे शरीर की इम्युनिटी भी मजबूत होती है। एमआरएनए टेक्नोलॉजी पर आधारित यह कैंसर की वैक्सीन पहली वैक्सीन है।

भारत में पुरुषों से ज्यादा महिलाओं को कैंसर

भारत में 2022 में कैंसर के 14.13 लाख नए केस सामने आए थे। इनमें 7.22 लाख महिलाओं में, जबकि 6.91 लाख पुरुषों में कैंसर पाया गया। 2022 में 9.16 लाख मरीजों की कैंसर से मौत हुई।

5 साल में भारत में 12% की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) का आकलन है कि 5 साल में देश में 12% की दर से कैंसर मरीज बढ़ेंगे, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती कम उम्र में कैंसर का शिकार होने की है।

नेचर जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के अनुसार, कम उम्र में कैंसर की सबसे बड़ी वजहें में हमारी लाइफस्टाइल है। ग्लोबल कैंसर ऑब्जर्वेटरी के आंकड़ों के अनुसार, 50 साल की उम्र से पहले ब्रेस्ट, प्रोस्टेट और थायराइड कैंसर सबसे ज्यादा हो रहे हैं। भारत में ब्रेस्ट, मुंह, गर्भाशय और फेफड़ों के कैंसर के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं।

बाइडेन प्रशासन बोला-भारत से संबंध मजबूत

उम्मीद है ट्रम्प आगे ले जाएंगे; ट्रम्प ने कहा इंडिया जितना टैरिफ लगाएगा, हम भी लगाएंगे

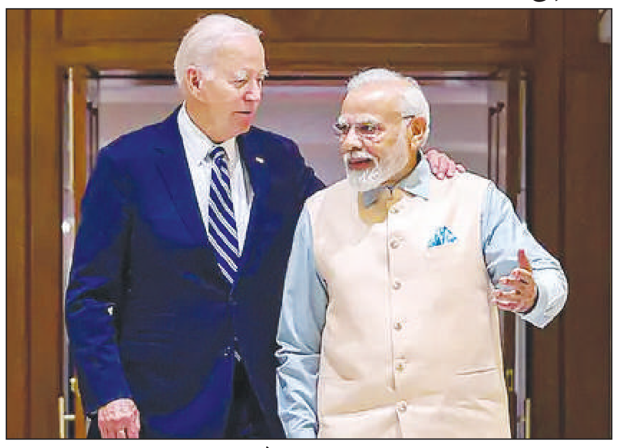

वॉशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी सत्ता से बाहर हो रहे राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार ने कहा है कि वह भारत के साथ अमेरिकी संबंधों को मजबूत स्थिति में छोड़ रही है। हमें उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति रहने के दौरान भी ये मजबूत रहेंगे। ट्रम्प भारत के साथ संबंधों को आगे ले जाएंगे। बाइडेन सरकार में उप विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने मंगलवार को एक कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि हमने पिछले कुछ महीनों में भारत के साथ संबंधों को मजबूती देने का काम किया है। दोनों देशों के बीच पिछले कुछ समय में उच्चस्तरीय बातचीत हुई हैं। इनमें डेलावेयर में होने वाली क्वाड समिट भी शामिल है।

कैंपबेल ने कहा कि हमने इंडस्ट्री, टेक्नोलॉजी और डिफेंस के क्षेत्र में भारत के संबंधों को अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में पहुंचाया है। दोनों देश अब स्पेस सेक्टर के लिए भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

ट्रम्प की भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अगर भारत अमेरिका पर टैरिफ लगाता है तो इसके जवाब में हम भी भारत पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प ने कहा कि भारत और ब्राजील उन देशों में शामिल हैं, जो अमेरिकी सामानों पर सबसे ज्यादा टैरिफ लगाते हैं।

ट्रम्प ने कहा कि हम उन्हें अगर कोई सामान भेजते हैं, तो वे उस पर 100% और 200% टैरिफ लगाते हैं। अगर वे टैरिफ लगाना चाहते हैं तो ठीक है, हम भी उन पर बराबर टैरिफ लगाएंगे। ट्रम्प के अलावा उनके प्रशासन में कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि जैसा व्यवहार आप हमारे साथ करेंगे, वैसा ही आपके साथ होगा।

पन्नू और अडाणी मामला भारत अमेरिका संबंधों में चुनौती

बाइडेन प्रशासन ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका संबंधों में 2 चार्जशीट की वजह से चुनौतियां आई हैं। हालांकि, दोनों देश इनका सफलतापूर्वक सामना करेंगे। इन 2 चार्जशीट में से पहली खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत पन्नू और दूसरी बिजनैसमेन गौतम अडाणी से जुड़ी हुई है। पन्नू मामले में दर्ज चार्जशीट में अमेरिकी न्याय विभाग ने एक भारतीय अधिकारी पर पन्नू की हत्या की साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। वहीं दूसरी चार्जशीट में अरबपति गौतम अडाणी पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। ये दोनों चार्जशीट न्यूयॉर्क की अदालत में दायर की गई हैं। बाइडेन प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों के बीच इसे लेकर गहरी बातचीत हुई है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम स्थिति को ठीक तरीके से संभाल लेंगे।

सीरिया जेल पर सीएनएन की रिपोर्ट झूठी निकली

जिसे कैदी बताया वो असद सरकार का खुफिया अधिकारी निकला, चैनल ने कहा-हमें गुमराह किया गया

दमिश्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद के देश छोड़कर भागने के बाद 8 दिसंबर को विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद हजारों कैदी वहां की जेलों से आजाद करा दिए गए थे। इन्हीं कैदियों में से एक कैदी की रिहाई का लाइव फुटेज अमेरिकी चैनल सीएनएन पर भी प्रसारित हुआ था। अब पता चला है कि वो पूरा मामला ही फेक था। सीएनएन ने भी यह माना है कि उसे गुमराह किया गया था। मीडिया चैनल ने सोमवार को कहा कि दमिश्क की जेल से जिस कैदी की रिहाई का दावा किया गया था, वह कोई सामान्य कैदी नहीं था बल्कि असद सरकार का खुफिया अधिकारी था।

पाक सरकार ने 84 भारतीय तीर्थयात्रियों को दिया वीजा

वॉशिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान उच्चायोग ने बुधवार को बताया कि उन्होंने 84 भारतीय तीर्थयात्रियों को वीजा जारी किए हैं। जिसके बाद ये तीर्थयात्री पाकिस्तान पंजाब के चकवाल जिले में स्थित प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल श्री कटासराज मंदिर के दर्शन करने जा सकेंगे। ये तीर्थयात्री 19 से 25 दिसंबर तक पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। श्री कटास राज मंदिर को किला कटास के नाम से भी जाना जाता है। यह एक परिसर है, जिससे कई हिंदू मंदिर जुड़े हुए हैं।

परमाणु सुरक्षा बल प्रमुख की हत्या मामले में संदिग्ध हिरासत में

रूस का दावा-यूक्रेन ने कराया बम धमाका

मॉस्को, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस ने मंगलवार को बम धमाका करने और रूस के परमाणु सुरक्षा बल के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की हत्या के मामले में उजबेकिस्तान के एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है। रूस ने कहा कि युवक ने यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के निर्देश पर बम लगाने की बात कबूल की है।

मॉस्को में बम धमाका हुआ था। आरोपी ने बम को स्कूटर में छिपाया था। इस बम धमाके में रूस के परमाणु सुरक्षा बल के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव और उनके सहायक की मौत हो गई थी। रूस ने बताया कि हत्या की जिम्मेदारी यूक्रेन की एसबीयू खुफिया सेवा ने ली। मामले की जांच कर रही समिति ने कहा कि मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। उसने पूछताछ में बताया कि उसे मॉस्को में हमले के लिए विस्फोटक उपकरण मिला था। उसने इसे एक इलेक्ट्रिक स्कूटर में रखा और जहां जनरल इगोर किरिलोव रहते थे उस अपार्टमेंट ब्लॉक के प्रवेश द्वार के बाहर स्कूटर को खड़ा कर दिया।

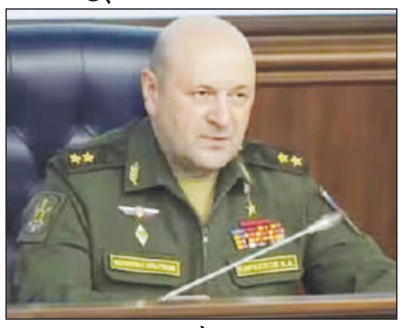

कार में लगाया था कैमरा, यूक्रेन से हो रही थी निगरानी

जांच टीम ने बताया कि युवक ने बम लगे स्कूटर से थोड़ी ही दूर पर एक कार को खड़ा किया। इस कार उसने किराये लिया था। जिसमें कैमरा लगाया गया था। इस कैमरे के जरिये हत्या की योजना बनाने वाले यूक्रेन के द्निप्रो शहर से पूरी निगरानी कर रहे थे। जैसे ही किरिलोव अपने अपार्टमेंट से बाहर निकले तो उसने दूर से बटन दबाकर स्कूटर में विस्फोट कर दिया। इसकी चपेट में आकर किरिलोव की मौत हो गई।

जांच टीम ने बताया कि हिरासत में लिए गए युवक का जन्म 1995 में हुआ था। उसको बम विस्फोट और हत्या को अंजाम देने के लिए 100,000 डॉलर तथा एक यूरोपीय देश में रहने की पेशकश की गई थी। जांच टीम ने बताया कि हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले में एक और संदिग्ध को हिरासत में लिया गया है।

यूक्रेन की अदालत ने सुनाई थी सजा

जनरल किरिलोव की मौत रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि वह पुतिन के करीबी और रूसी परमाणु-जैविक व रासायनिक रक्षा बलों के प्रमुख थे। उन्हें एक दिन पहले ही यूक्रेन की अदालत ने देश पर रूसी हमले के दौरान प्रतिबंधित रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल के लिए उनकी गैर मौजूदगी में सजा सुनाई थी। रूस ने यूक्रेन के आरोप खारिज किए हैं कि किरिलोव ने युद्ध में रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल किया है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बम धमाका, तीन जवानों की गई जान

इस्लामाबाद, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से एक दुखद जानकारी सामने आई है। यहां पोलियो कर्मचारियों को ले जा रहे एक वाहन को निशाना बनाकर विस्फोट किया गया। इसमें सुरक्षा बलों के तीन कर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

यह घटना डेरा इस्माइल खान जिले के दरबान इलाके में मंगलवार को उस समय हुई, जब पोलियो ड्यूटी के लिए जा रहे सुरक्षा बलों के एक वाहन पर सड़क किनारे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के जरिए विस्फोट किया गया। मरने वालों की पहचान अशफाक, मुख्तियार वली और मुहम्मद आरिफ के रूप में हुई है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

अभी तक किसी भी गुट ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस हमले से एक दिन पहले खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अलग-अलग घटनाओं में एक पोलियो कर्मी और एक पुलिस कांस्टेबल को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पाकिस्तान में सोमवार से शुरू हुए पोलियो रोधी अभियान के पहले ही दिन अज्ञात हमलावरों ने बन्नू जिले में गोलीबारी कर एक पोलियो कर्मी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने बताया कि मृतक पोलियो कर्मी ड्यूटी पर जा रहा था जब काला खेल मस्ती खान में उस पर हमला किया गया। करक जिले में एक अन्य घटना में पोलियो कर्मियों की टीम को एस्कॉर्ट कर रहे कांस्टेबल इश्तियाक अहमद की उस समय मौत हो गई थी, जब मोटरसाइकिल सवार अज्ञात लोगों ने गोलियां चलाईं।

ब्रिटेन के प्रिंस पर चीनी जासूस से करीबी का आरोप

शाही परिवार के क्रिसमस फेस्टिवल से दूर रहेंगे एंड्रयू; पूर्व पीएम कैमरन का नाम भी जुड़ा

लंदन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू पर चीन के जासूस के करीबी होने का आरोप लगा है। प्रिंस एंड्रयू चीनी कारोबारी यांग टेंगबो के साथ करीबी संबंधों के चलते जांच के दायरे में हैं। यांग टेंगबो पर चीन के लिए जासूसी करने का आरोप है। यांग टेंगबो को अब तक कोड नेम H6 के नाम से जाना जाता था। हालांकि, सोमवार को एक कोर्ट ने उसका नाम सार्वजनिक न करने के आदेश को हटा दिया था। इसके बाद यांग की पहचान सार्वजनिक की गई।

वहीं प्रिंस एंड्रयू ने यांग से संबंधों के आरोप के बाद शाही परिवार के क्रिसमस फेस्टिवल से दूर रहने के फैसला किया है। वे इस साल इस समारोह में शामिल नहीं होंगे। प्रिंस एंड्रयू ब्रिटेन की पूर्व महारानी एलिजाबेथ के तीसरे बच्चे और वर्तमान किंग चार्ल्स के मझले भाई हैं। उन्हें ड्यूक ऑफ यॉर्क भी कहा जाता है।

कंसल्टेंसी फर्म के डायरेक्टर हैं यांग

यांग टेंगबो (50) को क्रिस यांग के नाम से भी जाना जाता है। यांग एक कंसल्टेंसी कंपनी हैम्पटन ग्रुप इंटरनेशनल के डायरेक्टर हैं। ये कंपनी चीन में ब्रिटेन की कंपनियों के उनके संचालन के लिए सलाह देने का काम करती है। यांग टेंगबो इससे पहले ब्रिटेन के पूर्व पीएम डेविड कैमरन और थेरेसा मे जैसे प्रमुख राजनेताओं के साथ देखे गए हैं। प्रिंस एंड्रयू ने चीनी कारोबारियों को बढ़ावा देने के लिए एक पिच एट पैलेस चाइना प्लेटफार्म बनाया था। यांग इस प्लेटफार्म में शामिल महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।

यांग पर चीन कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के लिए संदिग्ध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई-5 ने यांग पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने एजेंसी की रिपोर्ट को स्वीकार करते हुए यांग की अपील को खारिज कर दिया है।

प्रिंस एंड्रयू ने आरोपों पर सफाई दी

प्रिंस एंड्रयू के कार्यालय ने उन पर लगे आरोपों को लेकर सफाई दी है। कार्यालय ने बताया कि प्रिंस एंड्रयू ने यांग से आधिकारिक तौर पर मुलाकात की थी। प्रिंस ने यांग के साथ किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर चर्चा नहीं की थी। वहीं यांग ने सफाई देते हुए कहा है कि उसने ब्रिटेन में कोई भी गैरकानूनी काम नहीं किया है। यांग ने आरोप लगाया कि ब्रिटेन और चीन के बीच बढ़ते राजनीतिक तनाव का शिकार बनाया जा रहा है। हालांकि, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने हाल ही में चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने की इच्छा जाहिर की थी। स्टार्मर ने पिछले महीने जी20 के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात की थी। वे 2018 के बाद शी जिनपिंग से मुलाकात करने वाले पहले ब्रिटिश पीएम हैं। हालांकि, विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता चीन को ब्रिटेन के लिए बड़ा खतरा बताते रहे हैं।

कनाडा ने किया नई सीमा सुरक्षा योजना का ऐलान

ओटावा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका सरकार अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'टैरिफ धमकी' के बाद कनाडा की संघीय सरकार ने सीमा सुरक्षा और इमिग्रेशन सिस्टम को मजबूत करने के लिए एक नई योजना का ऐलान किया है। हाल ही में ट्रंप ने घोषणा की कि वह जनवरी में अपने पदभार ग्रहण करने के पहले दिन ही ऐसे आदेशों पर हस्ताक्षर करेंगे, जिसके तहत मेक्सिको और कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। यह तब तक लागू रहेगा जब तक कि वे अपने देशों से अमेरिका में अवैध अप्रवासियों और ड्रग्स, खास तौर से फेंटानिल के प्रवाह को न रोक दें। पब्लिक सेफ्टी कनाडा के बयान के मुताबिक, नई योजना में जो प्रमुख बातें हैं, उनमें - फेंटानिल तस्करी का पता लगाना और उसे बाधित करना, कानून प्रवर्तन के लिए नए उपकरण, परिचालन समन्वय को बढ़ाना, सूचना साझाकरण को बढ़ाना शामिल हैं।

यूनुस के सलाहकार ने बांग्लादेश का गलत नक्शा पोस्ट किया

इसमें बंगाल-असम, त्रिपुरा को अपना हिस्सा दिखाया; विवाद के बाद डिलीट किया

ढाका, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में आजादी की 53वीं वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के सलाहकार महफूज आलम ने बांग्लादेश का एक गलत नक्शा पोस्ट किया। इस नक्शे में महफूज आलम ने भारत के बंगाल, त्रिपुरा और असम के कुछ हिस्से को बांग्लादेश में दिखाया है। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद इस पोस्ट को डिलीट कर दिया गया।

महफूज आलम ने नक्शा पोस्ट करते हुए फेसबुक पर लिखा- भारत ने यहूदी बस्ती प्रोग्राम को अपनाया है। बांग्लादेश को भारत पर निर्भरता से आजाद रखने के लिए 1975 के बाद 2024 होना ही था। दोनों घटनाओं के बीच पचास साल का अंतर है, लेकिन हकीकत में कुछ भी नहीं बदला। हम भूगोल और बसावट में फंसे हुए हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि दक्षिण एशिया में पाकिस्तान और शरफ मुसलमानों की भूमि है, भारत ब्राह्मणवादी हिंदुओं की भूमि है और बंगाल (पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश) हिंदू मुस्लिम दलितों की परवाह किए बिना सभी पीड़ितों की भूमि है। बांग्लादेश शुरुआती बिंदु है, अंतिम बिंदु नहीं। 1947 से 1971 और 1971 से 2024 तक यह खत्म नहीं हुआ है, इतिहास अभी भी इंतजार कर रहा है।

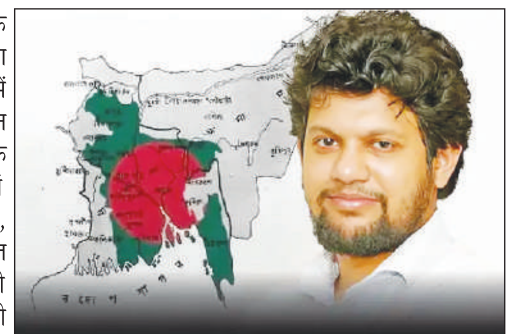

महफूज आलम, मोहम्मद यूनुस के सलाहकार

इसी साल हुआ शेख हसीना का तख्तापलट

1947 में पूर्वी पाकिस्तान भारत से अलग होकर नया देश बना था। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान पश्चिमी पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश बना था। 1975 में बांग्लादेशी सेना ने पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर दी गई थी। वहीं, 5 अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री शेख हसीना का तख्तापलट कर दिया गया था।

फिर सामने आया यूनुस सरकार का दोहरा चरित्र

बांग्लादेश ने उल्फा चीफ परेश बरुआ की मौत की सजा की रद्द

ढाका, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के हाईकोर्ट से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन उल्फा के प्रमुख परेश बरुआ को बड़ी राहत मिली है।

दरअसल, अदालत ने साल 2004 के चट्टग्राम हथियार तस्करी मामले में पूर्व मंत्री लुत्फज्जमां बाबर और उनके पांच साथियों को बरी कर दिया। जबकि बरुआ की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया। यह मामला 10 ट्रकों में भरकर भारत विरोधी आतंकवादी संगठनों को भेजे जा रहे हथियारों और गोला-बारूद से जुड़ा हुआ है।

बाबर उस समय थे गृह राज्य मंत्री

वर्ष 2004 में, बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी की सरकार के दौरान हथियारों का यह बड़ा जखीरा जब्त किया गया था। इसमें लुत्फज्जमां बाबर के आतंकवादी समूहों के साथ हथियार तस्करी में शामिल होने के सबूत थे। बाबर 2001 से 2006 तक बांग्लादेश के प्रधानमंत्री खालिदा जिया की सरकार में गृह राज्य मंत्री थे।

छह दोषियों को मिली थी मौत की सजा

बरुआ मौत की सजा पाए छह दोषियों में से एक हैं। हालांकि अब उन्हें राहत मिल गई है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जहां बरुआ की सजा को कम करके उम्रकैद कर दिया गया है। वहीं, बाकी आरोपियों को 10 साल की सजा दी गई है।

शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद आया फैसला

यह फैसला उस वक्त आया है जब बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार ने कार्यभार संभाला है, जो कि शेख हसीना की सरकार के बाद सत्ता में आई है। हसीना की सरकार को भारत का समर्थक माना जाता था, जबकि नए सरकार का रुख भारत के प्रति उतना अनुकूल नहीं रहा है।

लेबनान के पुनर्निर्माण में भाग लेने के लिए तैयार विश्व बैंक, सरकार को दिया भरोसा

बेरुत, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। हिजबुल्लाह-इजरायल संघर्ष खत्म होने के बाद विश्व बैंक लेबनान के पुनर्निर्माण में भाग लेने के लिए तैयार है। विश्व बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। मध्य पूर्व विभाग के लिए विश्व बैंक के क्षेत्रीय डायरेक्टर जीन-क्रिस्टोफ कैरेट ने लेबनान सरकार के साथ सहयोग करने के बैंक के इरादे को व्यक्त किया।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के हवाले से यह जानकारी दी। कैरेट ने लेबनानी संसद के अध्यक्ष नबीह बेरी के साथ बैठक के दौरान यह टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने पुनर्निर्माण परियोजनाओं और कार्यक्रमों पर चर्चा की, जिसमें मलबा हटाना, बुनियादी ढांचे का पुनर्निर्माण और औद्योगिक और कृषि सुविधाओं का पुनर्वास शामिल है।

इजराइली पीएम नेतन्याहू सीरिया से लगे बफर जोन पहुंचे

कहा-इजराइली सेना यहां बनी रहेगी; इलाके की किलेबंदी का आदेश

दमिश्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सीरियाई बॉर्डर से लगे माउंट हर्मन बफर जोन का दौरा किया। इस दौरे पर उनके साथ रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज भी मौजूद थे। यह इलाका इजराइली फोर्सेज के नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स से भी 10 किलोमीटर आगे है। जब तक इस इलाके में कोई दूसरा सिस्टम नहीं बन जाता है, जिससे इजराइल को खतरा न हो, तब तक इजराइली फोर्सेज इस बफर जोन में बनी रहेंगी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक ऐसा पहली बार है कि कोई इजराइली नेता सीरिया के इतने अंदर पहुंचा है। नेतन्याहू ने कहा कि वे 53 साल पहले एक सैनिक के तौर इस पर्वत की चोटी पर गए थे, लेकिन हाल की घटनाओं से इस इलाके का महत्व बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

सैनिकों को इलाके की किलेबंदी करने का आदेश

रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा- हमने अपने सैनिकों को जल्द से जल्द इस इलाके की किलेबंदी करने का आदेश दिया है। माउंट हर्मन की चोटी हमारे देश की आंखें हैं, इससे हम दुश्मन की पहचान कर सकते हैं। इजराइली सेना के एक अफसर ने एपी को बताया कि बफर जोन के भीतर गांवों में रहने वाले सीरियाई लोगों को निकालने की कोई योजना नहीं है।

गोलान हाइट्स को 1973 में बफर जोन बनाया गया

सीरिया और इजरायल के नियंत्रण वाले गोलान हाइट्स को 1973 के योम किप्पुर वॉर के बाद यूनाइटेड नेशन (यूएन) ने बफर जोन बनाया था। तब से यूएन फोर्सेज के 1,100 सिपाही यहां गश्त कर रहे हैं। यूनाइटेड नेशन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को कहा कि इस इलाके में इजराइली सैनिकों मौजूदगी चाहे वो कितने भी वक्त के लिए क्यों न हो, बफर जोन बनाने के समझौते का उल्लंघन है। इस समझौते का सम्मान किया जाना चाहिए। कब्जा तो कब्जा ही है, फिर चाहे वो एक हफ्ता, एक महीना या एक साल तक चले। असद का तख्तापलट करने वाले विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम ने अभी तक इस पर कोई बयान नहीं दिया है।

सरपंच चुनाव को लेकर पहली बार ग्राम पंचायतों में लगेंगे प्रशासक

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। प्रदेश की 6759 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल जनवरी में पूरा होने वाला है। ऐसे में राज्य सरकार नगर निकाय की तर्ज पर ही जनप्रतिनिधियों को प्रशासक लगाने की तैयारी में है। वहीं, 704 ग्रांम पंचायतों का कार्यकाल मार्च 2025 में पूरा होगा, इनमें भी प्रशासक लगेंगे। दरअसल, भजनलाल सरकार वन स्टेट वन इलेक्शन के चलते ऐसा फैसला ले रही है।

चुनाव कार्यक्रम तीन पहले जारी करना जरूरी

राजस्थान सरकार ने 25 नवंबर को 49 निकायों में कार्यकाल पूरा होने के चलते प्रशासक लगाने की शुरुआत हुई थी। बता दें कि सरकार पहले से ही ग्राम पंचायत चुनाव नहीं करवाने की पक्ष में थी। क्योंकि मतदाता सूचियां तैयार करना और चुनाव कार्यक्रम जारी करने में तीन माह का समय लगता है। ऐसे में 6759 ग्राम पंचायतों में चुनाव किसी भी सूरत में समय पर संभव नहीं हो सकते। इसी के चलते प्रशासक लगना तय है।

परिसीमन पर सरकार ने साधी चुप्पी

दूसरी ओर, पंचायती राज ने निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गए परिसीमन रिमाइंडर का जवाब नहीं दिया। बता दें कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग को राज्य निर्वाचन आयोग ने नए जिलों से जुड़े परिसीमन को लेकर चार रिमाइंडर भेजे, लेकिन चुनाव कराने से संबंधित क्षेत्रों के निर्धारण को लेकर जवाब अब तक नहीं मिला है।

सरकार ने एमपी, झारखंड का उदाहरण चुना

राजस्थान में ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर भजनलाल सरकार एमपी, झारखंड और हाल में उत्तराखंड में अपनाए गए फॉर्मूले का अध्ययन कर ऐसा करने जा रही है। जबकि कई राज्यों में पंचायती राज में प्रशासक की जगह पुराने जनप्रतिनिधि को बरकरार रखा जाता है। ऐसे में उस प्रशासक के पास वित्तीय और प्रशासनिक पावर रहते हैं। बताया जाता है कि इस फॉमूले से जनता की मांगों को ध्यान में रखकर विकास कराया जाता है।

नरेश मीणा को लेकर एजेंसियां सक्रिय

आंदोलन की सुगबुगाहट ने बढ़ाई सरकार की चिंता

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। देवली-उनियारा से निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले नरेश मीणा को लेकर इलाके में लगातार बढ़ रहे जनसमर्थन ने एजेंसियों को चौंकन्ना कर दिया है। हालांकि इस बारे में कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है लेकिन चर्चा है कि 29 दिसंबर को जयपुर में नरेश के समर्थन में बड़ा आंदोलन शुरू करने की तैयारी है।

एजेंसियों की रिपोर्ट ने सरकार के कान खड़े कर दिए हैं। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा की रिहाई के लिए जयपुर में बड़े आंदोलन की तैयारी की जा रही है। इसके लिए देवली-उनियारा में महापंचायत भी बुलाई गई। हालांकि मीडिया में इसे लेकर कोई बयानबाजी नहीं की जा रही है लेकिन नरेश मीणा के समर्थक कह रहे हैं कि 29 दिसंबर को जयपुर कूच कर बड़ा आंदोलन किया जा सकता है, इसकी तैयारियां भी चल रही हैं। इसके अलावा टोंक में हाईवे जाम करने की भी तैयारी की जा रही है।

गौरतलब है कि नरेश मीणा समर्थकों ने 8 दिसंबर तक नरेश को रिहा करने का अल्टीमेटम दिया था। हालांकि 17 दिसंबर को उनकी जमानत पर फैसला होना था लेकिन कोर्ट ने तारीख आगे बढ़ा दी। अब नरेश के समर्थक चेतावनी दे रहे हैं कि नरेश मीणा के साथ इंसाफ नहीं हुआ तो जल्द ही राजस्थान में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल भी नरेश मीणा प्रकरण को लेकर पूरी तरह सक्रिय हैं और महापंचायत में भी वे मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए थे।

जानकारी के अनुसार टोंक जिला एवं सेशन कोर्ट में नरेश मीणा का जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी लेकिन केस डायरी नहीं पहुंचने के कारण नरेश मीणा सहित समरावता हिंसा के 18 अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई 23 दिसंबर के लिए टल गई।

लोकेश शर्मा को जान का खतरा!

सरकार से लगाई परिवार सहित सुरक्षा की गुहार

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चर्चित फोन टैपिंग मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस मामले में सच्चाई सामने लाने के कारण उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। शर्मा ने अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है और कहा है कि अब उन्हें और उनके परिवार को गंभीर खतरा महसूस हो रहा है।

गौरतलब है कि लोकेश शर्मा ने बीते दिनों पटियाला हाउस कोर्ट में आवेदन देकर फोन टैपिंग मामले में खुद के सरकारी गवाह बनाने की अपील की है। उनका कहना है कि वो सच्चाई को सबूतों के साथ अदालत और जनता के सामने लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने ये भी कहा है कि फोन टैपिंग मामले में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर उन्होंने मीडिया में ऑडियो क्लिप्स प्रसारित करने को दिए थे।

सच लाने की कीमत पर खतरे की आशंका

शर्मा ने यह भी बताया कि सच्चाई उजागर करने के बाद से उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा, "मैंने अदालत में अपील कर दी है और सच्चाई सबके सामने लाने के लिए तैयार हूं, लेकिन मुझे अपनी जान का खतरा महसूस हो रहा है। मेरे परिवार को भी खतरा है।" उन्होंने सरकार और जांच एजेंसियों से अपनी सुरक्षा की मांग की है।

प्रशासन ने क्रेन से हटाई वीर तेजाजी की प्रतिमा

भड़के उम्मेदाराम-हनुमान बेनीवाल, ग्रामीणों ने बाजार किया बंद

बाड़मेर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बायतु उपखंड क्षेत्र के सवाऊ पदमसिंह गांव स्थित चौराहे पर सड़क किनारे पेड़ हटाकर ग्रामीणों ने वीर तेजाजी की प्रतिमा लगा दी। अगले दिन सुबह प्रशासन ने प्रतिमा हटा दी। प्रतिमा हटाने की बात पर ग्रामीण गुस्सा हो गए और गांव के चौराहे पर धरने पर बैठ गए।

बाजार बंद रखकर आक्रोश व्यक्त किया। बुधवार को भी बाजार बंद रहे। वहीं देर रात धरना स्थल पर ही लोग डटे रहे। इस दौरान यहीं पर खाना पकाया और बिस्तर लगा कर सोए। ग्रामीणों ने प्रतिमा वापस लाने की मांग की है। जानकारी अनुसार सवाऊ पदमसिंह गांव के मुख्य चौराहे पर वीर तेजाजी की प्रतिमा लगा दी थी।

प्रतिमा को लेकर प्रशासन को शिकायत हुई तो अधिकारी मौके पर पहुंचे। क्रेन की मदद से प्रतिमा को हटाकर कब्जे में लिया। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

साथ ही बाजार बंद रखने का आह्वान किया। ग्रामीणों के आह्वान पर तत्काल ही सवाऊ पदमसिंह में बाजार बंद कर दिया गया, जो दिनभर नहीं खुला। बड़ी संख्या में ग्रामीण धरने पर बैठ गए। सूचना मिलने पर बायतु उपखंड अधिकारी भागीरथराम, बालोतरा एएसपी

गोपालसिंह भाटी, गिड़ा थानाधिकारी देवाराम समेतपुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और लोगों से समझाइश की गई, लेकिन ग्रामीणों के बीच कोई सहमति नहीं बन पाई है।

आक्रोशित ग्रामीण प्रतिमा वापस देने की मांग को लेकर प्रशासन से अड़ गए। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हमें प्रतिमा वापस लाकर दो, हम खातेदारी भूमि में लगा देंगे। अभी तक प्रशासन से कोई सहमति नहीं बन पाई। वहीं बुधवार सुबह अधिकारियों ने धरनास्थल को खाली करवा दिया है।

घटनास्थल पर इस दौरान सरपंच सवाऊ ओमप्रकाश सारण, अशोक कुमार साई सहित अनेक तेजा भक्तजन, जनप्रतिनिधि व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। वहीं सोशल मीडिया पर बाड़मेर-जैसलमेर सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल, रालोपा सुप्रीमो व नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रतिमा वापस लगाने की मांग की।

उन्होंने लिखा कि प्रशासन की ओर से प्रतिमा हटाने की कार्रवाई से वीर तेजाजी महाराज व भक्तों के आस्था के साथ अपमान किया है, जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा।

इलाज के लिए आज दूसरी बार महाराष्ट्र जाएगा आसाराम

कोर्ट ने 17 दिन तक बढ़ाई है पैरोल की अवधि

जोधपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में जोधपुर सेंट्रल जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा आसाराम दूसरी बार इलाज के लिए महाराष्ट्र जाएगा। दरअसल आसाराम की पैरोल अवधि को हाल में 17 दिन के लिए बढ़ाया गया था। इसमें 15 दिन इलाज और दो दिन सफर की मोहलत दी गई थी। हालांकि आसाराम के वकील ने हाईकोर्ट में अर्जी लगाकर कहा था कि वह यात्रा के लिए असहज है। इसलिए 14 दिनों की मोहलत दी जाए। इस संबंध में आज कोर्ट में सुनवाई हो सकती है, लेकिन इससे पहले ही आसाराम आज महाराष्ट्र के लिए रवाना हो जाएगा।

महाराष्ट्र के माधोबाग आयुर्वेदिक अस्पताल में आसाराम का इलाज होगा। इससे पहले भी इलाज के लिए आसाराम अगस्त महीने में महाराष्ट्र गया था। बता दें कि इससे पहले जोधपुर के एक निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में आसाराम का इलाज चल रहा था। आसाराम दो जघन्य मामलों में सजा काट रहा है। आसाराम को अपने आश्रम में नाबालिग से बलात्कार के आरोप में 2013 में जोधपुर पुलिस ने इंदौर के एक आश्रम से गिरफ्तार किया था। लंबी सुनवाई के बाद आसाराम को 2018 में पॉस्को एक्ट के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

वहीं, दूसरा मामला आसाराम के गुजरात स्थित गांधीनगर आश्रम से जुड़ा है। जहां की एक महिला अनुयायी ने उनके खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कराया था। सूरत की रहने वाली पीड़िता ने आसाराम पर 2013 में आश्रम में बार-बार उससे बलात्कार करने का आरोप लगाया। गांधीनगर कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद जनवरी 2023 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

जल जीवन मिशन घोटाले में बड़ाया को राहत

मनी लांड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय बड़ाया को जमानत दे दी। बड़ाया को घोटाले में शामिल होने व मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में इसी साल जुलाई में ईडी ने गिरफ्तार किया था।

बड़ाया पर तत्कालीन पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के लिए बिचौलिए के तौर पर काम करने का आरोप है। उन्होंने लगभग 5 महीने हिरासत में बिताए। पूर्ववर्ती सरकार में सामने आए जल जीवन मिशन घोटाले में फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर 197 करोड़ रुपये के दो टेंडर दिए जाने में ईडी ने संजय बड़ाया को सह आरोपी बनाया था। बड़ाया पर आरोप लगाए गए थे कि उन्होंने तत्कालीन मंत्री महेश जोशी की ओर से रिश्वत के भुगतान में मदद की और पीएचईडी कर्मचारियों को मैनेज किया। नवंबर में राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा जमानत देने से इनकार करने के बाद बड़ाया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

भारी सुरक्षा के बीच गवाही देने पहुंचा गैंगस्टर

सवा घंटे तक कोटा अदालत का परिसर बना पुलिस छावनी

कोटा, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा में न्यायालय परिसर में भारी सुरक्षा के बीच गैंगस्टर शिवराज सिंह अपने भाई बृजराज सिंह की हत्या के मामले में गवाही देने पहुंचा।

कोटा एडीजे न्यायालय क्रम संख्या-5 में चल रहे बृजराज सिंह की हत्या के मुकदमे में गैंगस्टर शिवराज सिंह गवाह है। वह गवाही देने के लिए पहुंचा था। ऐसे में न्यायालय परिसर में पुलिस की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। शिवराज सिंह को उसके निवास खेड़ली फाटक से ही सुरक्षा के बीच न्यायालय तक लाया गया। करीब सवा घंटे तक न्यायालय में गैंगस्टर शिवराज की सुरक्षा के लिए बंदूकधारी कमांडो के साथ डीएसटी, आरएसी और स्थानीय पुलिस मौजूद रही। गैंगस्टर शिवराज खुद भी भानुप्रताप की हत्या के मामले में आरोपी है। फिलहाल वह जमानत पर है।

हाड़ौती में गैंगस्टर्स में वर्चस्व की लड़ाई के चलते भानुप्रताप सिंह गैंग ने बृजराज सिंह और उसके साथी जितेंद्र सिंह की हत्या कर दी थी। इस मामले में 2022 में पांच आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, इसमें एक आरोपी सुमेर सिंह की गिरफ्तारी बाद में हुई थी। ऐसे में उसके खिलाफ न्यायालय में सुनवाई जारी है। शिवराज सिंह पर बृजराज सिंह की हत्या का बदला लेने के लिए उदयपुर जेल से झालावाड़ पेशी पर जाते समय भानुप्रताप सिंह पर बिजोलिया थाने से गुजरते समय अंधाधुंध फायरिंग कर करने का आरोप है। फायरिंग में भानु के साथ पुलिस कमांडो प्रकाश और सोहनलाल की भी मौत हो गई थी।

छात्रा को स्कूल के बाहर से अगवा कर किया दुष्कर्म

बीकानेर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर के खाजूवाला थाना इलाके में स्कूल के सामने से छात्रा का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के दौरान अपहरण के लिए इस्तेमाल की गई कार स्कूल के बाहर एक दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसमें दुष्कर्मी छात्रा को स्कूल के बाहर से ही अगवा करके ले गया और बाद में अपने मकान में ले जाकर उससे दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां ने इस संबंध में खाजूवाला थाने में मामला दर्ज कराया है। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 17 दिसंबर को बालिका स्कूल के लिए घर से निकली थी। इस दौरान तीन पावली निवासी भीम नायक स्कूल के बाहर से उसका अपहरण करके ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां ने बताया कि बेटी जब देर तक वापस घर नहीं पहुंची तो उन्होंने उसकी तलाश की। तलाशी के दौरान जब बेटी मिली तो वह बेहद घबराई हुई थी। उसने पूरी घटना के बारे में बताया। बेटी की आपबीती सुनकर उसके परिजनों के होश उड़ गए। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में नामजद केस दर्ज कर लिया गया है।

मामले की जांच डीवाईएसपी अमरजीत चावला कर रहे हैं। पुलिस की टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। नाबालिग पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है लेकिन फिलहाल उसका कुछ पता नहीं चल पाया है।

जमीन विवाद में भतीजे ने बुआ पर चाकू से हमला करके नाक काटी

गंभीर रूप से घायल महिला का इलाज जारी

जालौर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जालौर जिले के सायला थाना क्षेत्र के मोकणी गांव में जमीनी विवाद के चलते एक कलयुगी भतीजे ने अपनी ही बुआ पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में महिला की नाक बुरी तरह से कट गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

जानकारी के अनुसार पीड़िता कुकी देवी अपने भाई रमेश के साथ जमीन विवाद सुलझाने के लिए मोकणी गांव गई थीं। विवाद एक प्लॉट पर कब्जे को लेकर था, जिसे मुख्य आरोपी ओमप्रकाश ने अपने नियंत्रण में लिया हुआ था। बातचीत के दौरान ओमप्रकाश ने गुस्से में आकर चाकू से कुकी देवी पर हमला कर दिया। हमले में कुकी देवी की नाक कट गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कुकी देवी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पाली रैफर किया गया, जहां उनकी नाक जोड़ने के लिए ऑपरेशन किया जाएगा। घटना के तुरंत बाद सायला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी ओमप्रकाश सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के भाई रमेश का कहना है कि ओमप्रकाश ने उनके प्लॉट पर कब्जा कर रखा था, जिसके कारण लंबे समय से विवाद चल रहा था। कुकी देवी इस विवाद को शांतिपूर्वक हल करने के लिए ओमप्रकाश से बात करने गई थीं, लेकिन बातचीत के दौरान उसने उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

महाजन फायरिंग रेंज में तोपाभ्यास के दौरान बम विस्फोट

दो सैनिकों की मौत; एक घायल

बीकानेर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकनेर के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज के नॉर्थ कैंप में तोपाभ्यास के दौरान बम फटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में दो सैनिकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल सैनिक को सूरतगढ़ के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा चार्ली सेंटर पर हुआ, जहां सैन्य अभ्यास चल रहा था। घटना की सूचना पर सैन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। महाजन थाना प्रभारी कश्यप सिंह ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना की जांच की जा रही है। फायरिंग रेंज में हुए इस हादसे से सेना में शोक की लहर है।

गहलोत-पायलट-डोटासरा-जूली का जयपुर में एक साथ हल्ला बोल

मणिपुर हिंसा सहित कई मुद्दों पर बीजेपी को घेरा

जयपुर, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। बुधवार को कांग्रेस देशभर में केंद्र सरकार की नीतियों, अडानी ग्रुप पर भ्रष्टाचार के आरोप, पूंजीपतियों को संरक्षण देने और मणिपुर में हिंसा के बढ़ते मामलों के विरोध में धरना-प्रदर्शन कर रही है। इसी कड़ी में राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी प्रदेश कांग्रेस द्वारा शहीद स्मारक पर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके बाद राजभवन तक पैदल मार्च किया जाएगा। इस आंदोलन में कांग्रेस के दिग्गज नेता, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए। लंबे समय बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा एक साथ मंच पर नजर आए। धरने में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सचिन पायलट, और कई बड़े नेताओं ने भाग लिया। इस दौरान डोटासरा ने कहा कि हम जनता के मुद्दों पर चुप नहीं बैठेंगे। केंद्र सरकार की विफलताओं और पूंजीपतियों को दिए जा रहे संरक्षण के खिलाफ कांग्रेस सड़क से संसद तक विरोध करेगी। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने संबोधन में केंद्र सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि देश की संपत्ति चुनिंदा लोगों के हाथ में सौंपी जा रही है। यह स्थिति देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर कर रही है। हम उद्योगपतियों के विरोधी नहीं हैं, लेकिन सार्वजनिक संसाधनों को औने-पौने दाम पर बेचने का विरोध करते हैं। वहीं, पायलट ने मणिपुर हिंसा पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर में हालात बेहद खराब हैं। वहां गोलियां चल रही हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। प्रधानमंत्री को वहां जाकर समस्या का समाधान करना चाहिए।

पलामुरु-रंगा रेड्डी परियोजना दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएगी: उत्तम रेड्डी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कांग्रेस सरकार की पलामुरु-रंगा रेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) को दिसंबर 2026 तक पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। परिषद में एक सवाल का जवाब देते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने आश्वासन दिया कि यह परियोजना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है और उपेक्षा के आरोपों को खारिज कर दिया।

उन्होंने परियोजना की विस्तृत स्थिति को रेखांकित किया, इस बात पर जोर देते हुए कि भौतिक और वित्तीय दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने सदन को सूचित किया कि पीआरएलआईएस को 18 पैकेजों में क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें चार लिफ्ट पैकेज और 14 सिविल कार्य पैकेज शामिल हैं। मुख्य कार्यों में चार प्रमुख चरणों में एप्रोच चैनल, खुली नहरें, सुरंगें, पंप हाउस और जलाशय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्टेज-I पंपिंग स्टेशन को 16 सितंबर, 2023 को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया था, जबकि स्टेज-II, स्टेज-III और स्टेज-IV पंपिंग स्टेशन पूरा होने के करीब हैं और जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। ये विकास तेलंगाना के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि 35,200 करोड़ रुपये की प्रारंभिक प्रशासनिक स्वीकृति के मुकाबले अब तक परियोजना पर 32,305 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि शेष कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 33,201 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी, जिससे कुल परियोजना लागत लगभग 65,506 करोड़ रुपये हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक धन और मंजूरी हासिल करने के लिए पहले ही कदम उठाए हैं। यह परियोजना आसपास के गांवों को पीने का पानी भी उपलब्ध कराएगी और कृष्णा नदी पर श्रीशैलम परियोजना के तट से 60 दिनों के लिए 90 टीएमसी बाढ़ के पानी को उठाकर औद्योगिक उपयोग को बढ़ावा देगी। शेष अयाकट कार्य प्रगति पर हैं, वेंकट, कुरुमूर्ति और उदंडापुर जैसी नहरों और जलाशयों के लिए

6,988 करोड़ रुपये की लागत से निविदाएं जारी की गई हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) से पर्यावरणीय और तकनीकी मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मंजूरी पटरी पर है और परियोजना की समयसीमा में देरी नहीं होगी। भूमि अधिग्रहण पर, मंत्री ने खुलासा किया कि आवश्यक 27,047 एकड़ में से लगभग 26,872 एकड़ पहले ही अधिग्रहित की जा चुकी है, शेष 175 एकड़ पर काम चल रहा है। उपेक्षा के आरोपों का खंडन करते हुए उन्होंने रेखांकित किया कि पीआरएलआईएस एक उच्च प्राथमिकता वाली परियोजना है जिसका उद्देश्य राज्य की सिंचाई जरूरतों को पूरा करना और साथ ही पेयजल और औद्योगिक संसाधनों की आपूर्ति करना है। उन्होंने कहा, यह परियोजना तेलंगाना के वंचित जिलों में जल सुरक्षा और कृषि विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। सरकार इसे योजना के अनुसार पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्री ने कथित परियोजना में देरी को लेकर सदन में हंगामा करने के लिए के कविता की अगुवाई में बीआरएस एमएलसी की कड़ी निंदा की। उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की अगुवाई वाली पिछली बीआरएस सरकार की एक एकड़ जमीन के लिए भी आयाकट बनाए बिना 27,500 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने की आलोचना की। इसके अलावा उन्होंने इस दावे को खारिज कर दिया कि बीआरएस शासन के दौरान परियोजना का 90% हिस्सा पूरा हो गया उन्होंने कहा कि परियोजना पर अनुमानित धनराशि का 50% भी खर्च नहीं किया गया।

विधानसभा सदस्यों के लिए शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच अनिवार्य: हरीश राव

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक हरीश राव ने आज मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी की पिछली बीआरएस सरकार के खिलाफ गंभीर आरोप लगाने के लिए आलोचना की। उन्होंने सनसनीखेज टिप्पणियां कीं और मांग की कि विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा परिसर में प्रवेश करने पर सदन के सदस्यों के लिए शराब पीकर गाड़ी चलाने की जांच करें। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि हरीश राव के भ्रष्टाचार को साबित करेंगे। हरीश राव ने इन टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य विधायी कार्य मंत्री श्रीधर बाबू ने सदन के सभी सदस्यों को नियम पुस्तिका दिखाई थी और उन्हें सदस्यों के खिलाफ आरोप नहीं लगाने के लिए कहा था। हरीश राव ने कहा, "मंत्री श्रीधर बाबू को हमें यह नहीं बताना चाहिए कि हमें कैसे व्यवहार करना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने सहयोगी मंत्री से भी पूछना चाहिए। अगर वेंकट रेड्डी अपनी कमीशन सूची पढ़ना चाहते हैं, तो मैं इसे पढ़ूंगा।" उन्होंने दावा किया कि सदन के कुछ सदस्य नशे की हालत में सदन में आए और उन्हें नहीं पता था कि वे सदन में क्या बात कर रहे हैं। हरीश राव ने सुझाव दिया कि विधानसभा के बाहर ड्रिंक एंड ड्राइव टेस्ट किए जाने चाहिए।

तेलंगाना ने केंद्रीय निधियों का उचित हिस्सा सुनिश्चित किया: भट्टी

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा है कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, स्वयं और उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी, संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार तेलंगाना के लिए निधियों का उचित हिस्सा सुनिश्चित करने के लिए लगातार केंद्रीय मंत्रियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। बुधवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एमएलसी कलवकुंतला कविता द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए भट्टी विक्रमार्क ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार केंद्र सरकार से अपने अधिकारों का दावा करते समय संघीय सिद्धांतों का सम्मान करेगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा

कांग्रेस सरकार ने पिछले प्रशासन के दशक भर के रिकॉर्ड की तुलना में केंद्र से अधिक धन प्राप्त किया है। भट्टी ने पिछले दस वर्षों में केंद्र से प्राप्त धन के विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत किए और अकेले पिछले वर्ष प्राप्त आवंटन में वृद्धि पर प्रकाश डाला। उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार राज्यों को सीधे धन आवंटित नहीं करती है, बल्कि केंद्र द्वारा निर्धारित विशिष्ट योजनाओं के माध्यम से धन आवंटित करती है।

भट्टी विक्रमार्क ने लोगों को भरोसा दिलाया कि मौजूदा सरकार पारदर्शी तरीके से काम करती है और फंड या खर्च के बारे में कोई जानकारी नहीं छिपाती। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि जीएसटी बिल को पेश किए जाने के समय पिछली राज्य सरकार ने इसका समर्थन किया था, लेकिन बाद में वे भाजपा के प्रति विरोधी हो गए। उपमुख्यमंत्री ने दोहराया कि मौजूदा कांग्रेस सरकार लगातार और वैध प्रयासों के माध्यम से फंड हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीआरएस विधायकों ने ऑटो चालकों के लिए की न्याय की मांग

ऑटो-रिक्शा में निकाली रैली

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायकों और एमएलसी ने राज्य में ऑटो-रिक्शा चालकों से किए गए वादों को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर आदर्शनगर स्थित विधायक आवास से विधानसभा तक ऑटो-रिक्शा में रैली निकाली। पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए दोनों सदनों में कार्य स्थगन प्रस्ताव भी पेश किया। न्याय के लिए नारे लगाते हुए नेताओं ने ऑटो चालकों के सामने आ रही वित्तीय परेशानी पर प्रकाश डाला, जिसके कारण राज्य में 93 लोगों ने आत्महत्या कर ली।

उन्होंने इन मौतों को 'सरकारी हत्याएं' करार दिया तथा कांग्रेस प्रशासन पर चुनाव के दौरान समुदाय से किए गए वादों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने शोक संतप्त परिवारों के लिए शीघ्र सहायता की मांग की और चुनाव के दौरान कांग्रेस द्वारा किए गए वादे के अनुसार ऑटो-रिक्शा चालकों के लिए 12,000 रुपये की वित्तीय सहायता की तत्काल घोषणा की मांग की। उन्होंने समुदाय के लिए दीर्घकालिक समर्थन सुनिश्चित करने के लिए ऑटो-रिक्शा चालक कल्याण बोर्ड के गठन की भी मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संकट का समाधान करना चाहिए और अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए। आत्महत्या करने वाले ड्राइवरों के परिवार न्याय और सहायता के हकदार हैं।

1.3 करोड़ रुपये की ठगी के बाद व्यवसायी के 50 लाख बचाए

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर धोखाधड़ी के एक पीड़ित की त्वरित शिकायत और साइबर अपराध पुलिस की त्वरित कार्रवाई से 50 लाख रुपये साइबर धोखेबाजों के खातों में जाने से बच गए। शहर के 53 वर्षीय व्यवसायी को हाल ही में एक ऐप पर ट्रेडिंग को बढ़ावा देने वाला एक व्हाट्सएप संदेश मिला। पीड़ित ने ऐप डाउनलोड किया और इसकी ग्राहक सेवा टीम से संपर्क किया, जिसने उसे आईपीओ आवंटन में निवेश के लिए पैसे जमा करने की सलाह दी।

इसके बाद, ऐप ने उनके निकासी अनुरोधों को ब्लॉक कर दिया और अतिरिक्त धनराशि की मांग की। इस घोटाले में फंसकर पीड़ित ने कई ट्रांजैक्शन के ज़रिए कुल 1.3 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। यह महसूस करते हुए कि उसके साथ धोखा हुआ है, पीड़ित ने तुरंत साइबर अपराध पुलिस से संपर्क किया और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के संबंध में तुरंत साइबर अपराध इकाई, हैदराबाद सिटी के एनसीआरपी पोर्टल पर एक प्रविष्टि की गई। मामले को आगे की जांच के लिए पीड़ित के बैंक को भेज दिया गया। फॉलोअप के बाद, कुल 50,87,500 रुपये के चार लेन-देन को रोक दिया गया। शिकायतकर्ता ने साइबर क्राइम पुलिस को उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

तेलंगाना और आंध्र सब एरिया (टीएएसए) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अजय मिश्रा ने राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की

रियल एस्टेट क्षेत्र में मील का पत्थर बना जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स

सतमराय, शमशाबाद में निर्मित जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स में शानदार जिंदगी बिताने का सुनहरा अवसर : जैन कंस्ट्रक्शन

हैदराबाद, 18 दिसंबर, (स्वतंत्र वार्ता)।- ग्रेटर हैदराबाद रियल इस्टेट क्षेत्र में मील का पत्थर बना जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स, जो सभी सुविधाओं से युक्त है।इसके चलते इसमें कोई दो राय नहीं कि, हैदराबाद महानगर के सतमराय, शमशाबाद में निर्मित जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स में सभी इच्छुकों को शानदार जिंदगी बिताने का सुनहरा अवसर है।

इस संदर्भ में, तत्संबंधित जैन कंस्ट्रक्शन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स का लॉन्च कार्यक्रम जो एक भव्य आयोजन रहा, जिसमें सम्मानित भागीदारों, हितधारकों और भावी मकान मालिकों ने हिस्सा लिया। इस लॉन्च कार्यक्रम में जैन कंस्ट्रक्शन के प्रमुखों ने कहा कि, "जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स जो केवल आवासीय परियोजना नहीं है, बल्कि यह विलासिता, गुणवत्ता एवम् कालातीत जीवन का वादा है। इस परियोजना को ग्रेटर हैदराबाद के रियल एस्टेट परिदृश्य में एक नया मानक स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया है, और हम अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए इस दृष्टिकोण को जीवन में लाने के लिए रोमांचित हैं। तत्संबंधित " लॉन्च में मॉडल अपार्टमेंट के निर्देशित दौरे भी शामिल रहे, जिससे उपस्थित लोगों को आवासों की भव्यता और तत्संबंधित के लिए सोच-समझकर बनाई गई सुविधाओं की झलक मिली। निःसंदेह, जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स जैन कंस्ट्रक्शन की शहरी परिवारों की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने वाले प्रतिष्ठित विकास बनाने की क्षमता का एक शानदार उदाहरण है। यह एक ऐसी परियोजना है जो ग्रेटर हैदराबाद के शमशाबाद क्षेत्र के हृदय में आराम, सुविधा और विलासिता का जीवन प्रदान करते हुए "शानदार जीवन" के सार का उत्सव मनाती है।

साथ ही जैन कंस्ट्रक्शन के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, जैन कंस्ट्रक्शन, जो 20 से अधिक वर्षों से रियल एस्टेट में विश्वास एवम् उत्कृष्टता का पर्याय बना है। इसके चलते जैन कंस्ट्रक्शन ने अपने ऐतिहासिक आवासीय प्रोजेक्ट, जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स के लॉन्च की घोषणा की है, जो ग्रेटर हैदराबाद के सतमराय, शमशाबाद में स्थित है। जिसे लग्जरी लिविंग के लिए एक नया बेंचमार्क स्थापित करते हुए, इस प्रोजेक्ट को भव्यता, सुविधा और स्थिरता का एक आदर्श संतुलन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

तत्संबंधित अधिकारियों ने आगे बताया कि, जैन प्रमुख समृद्धि टावर्स जैन कंस्ट्रक्शन की वास्तुकला की चमक व गुणवत्ता के प्रति निरंतर प्रयास का प्रतीक है। इस प्रतिष्ठित विकास में तीन रायल टावर शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक 2% मंजिल ऊंचा है, और 3, 4 और 5 बीएचके आवासों का क्यूरेटेड कलेक्शन प्रदान करता है। इस टावर में हरेक मकान को सौंदर्यपूर्ण लालित्य को कार्यात्मक डिजाइन के साथ जोड़ने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है, जो ऐसी जीवन शैली की सुनिश्चिति करता है कि, जिसमें भव्य और सार्थक दोनों का समावेश है। यह विशाल परियोजना जैन कंस्ट्रक्शन के दर्शन पर आधारित है, जिसमें 100% वास्तु-अनुरूप मकान बनाने का प्रावधान है, जो अपने निवासियों के लिए शांति, सकारात्मकता और समृद्धि सुनिश्चित करता है।

पीएम श्री केवी पिकेट ने वार्षिक खेल दिवस मनाया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केवी पिकेट ने वार्षिक खेल दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। बहुप्रतीक्षित वार्षिक खेल दिवस को बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। स्कूल परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, कर्मचारियों और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे यह दिन सभी के लिए यादगार बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य स्वागत समारोह के साथ हुई। स्वागत भाषण वर्जीनिया सुंदर राज, टीजीटी अंग्रेजी ने दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य रूपिंदर सिंह, मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और छात्रों में अनुशासन, टीम वर्क और लचीलापन विकसित करने में खेलों के महत्व पर जोर दिया।

दिन की शुरुआत छात्रों के बीच अनुशासन और तालमेल को प्रदर्शित करते हुए एक प्रभावशाली मार्च पास्ट के साथ हुई, जिसके बाद मशाल प्रज्वलित की गई और खेल कप्तानों के नेतृत्व में शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमें निष्पक्ष खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। इस कार्यक्रम में स्प्रिंट, रिले रेस और सैक रेस सहित ट्रैक और फील्ड की कई स्पर्धाएँ शामिल थीं। फुटबॉल और वॉलीबॉल जैसे टीम खेलों ने भी दिन को और भी रोमांचक बना दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रस्साकशी थी, जिसने प्रतिभागियों की प्रतिस्पर्धी भावना को सामने लाया और दर्शकों से जोरदार तालियाँ बटोरीं। एथलेटिक स्पर्धाओं के अलावा, बोरी दौड़, तीन-पैर वाली दौड़ और छोटे छात्रों के लिए बाधा कोर्स जैसी मजेदार गतिविधियाँ भी थीं, जिसने दिन को और भी मज़ेदार बना दिया।कार्यक्रम का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जहाँ विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पदक, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि ने छात्रों की खेल भावना की प्रशंसा की और एक शानदार कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्कूल को बधाई दी। प्रिंसिपल ने आयोजन समिति, कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को इस दिन को सफल बनाने में उनकी कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया। वार्षिक खेल दिवस ने न केवल छात्रों की एथलेटिक क्षमताओं को प्रदर्शित किया, बल्कि टीम वर्क, दृढ़ता और निष्पक्ष खेल के मूल्यों पर भी जोर दिया।

एससीआर के दो आरपीएफ कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए रेल मंत्री का पुरस्कार

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के दो रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों को उनकी उत्कृष्ट सेवा और कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण के लिए रेल मंत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टी. नागार्जुन रेड्डी, उप-निरीक्षक आरपीएफ पोस्ट, सिकंदराबाद को "रेल मंत्री के महिला एवं बाल सुरक्षा पदक' से सम्मानित किया गया है और दुदेकुला वुसेनैया, हेड कांस्टेबल, आरपीएफ, हैदराबाद को "जीवन रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया। टी. नागार्जुन रेड्डी, उप-निरीक्षक आरपीएफ पोस्ट, सिकंदराबाद और मानव तस्करी विरोधी इकाई के प्रभारी ने मानव तस्करी के खतरे से निपटने में असाधारण समर्पण का प्रदर्शन किया है। उनके नेतृत्व में 67 बच्चों को तस्करों के चंगुल से छुड़ाया गया, जो उन्हें बंधुआ मजदूरी और यौन शोषण के लिए शोषण कर रहे थे। इसके अतिरिक्त, उनकी टीम ने "ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के माध्यम से देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता वाले 187 नाबालिग बच्चों को बचाया, जो सामाजिक जिम्मेदारी और कमजोर जीवन की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का उदाहरण है। उनकी सेवाओं के सम्मान में, उन्हें "महिला एवं बाल सुरक्षा पदक' से सम्मानित किया गया है। उम्दानगर रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान, हैदराबाद के आरपीएफ के हेड कांस्टेबल दुदेकुला वुसेनैया ने देखा कि एक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पार कर रहा था, जो लोको पायलट द्वारा बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद आने वाली ट्रेन से अनजान था। आसन्न खतरे को पहचानते हुए, वुसेनैया ने उल्लेखनीय सूझबूझ और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ उस व्यक्ति के पास पहुंचे और उसे सुरक्षित स्थान पर खींच लिया। अपने जोखिम की परवाह किए बिना किए गए उनके साहसी कार्य ने सफलतापूर्वक एक व्यक्ति की जान बचाई। उनकी सेवाओं के सम्मान में उन्हें "जीवन रक्षा पदक' से सम्मानित किया गया है।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए हैदराबाद हवाई अड्डा के महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी वरूदु वी राव ने कहा कि इस कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विभागाध्यक्षों व वरिष्ठ अधिकारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि राजभाषा विभाग के सौजन्य से आयोजित यह कार्यशाला द्वारा हिंदी का प्रयोग और अधिक सुगम एवं सरल होगा। आपने राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन में विभागाध्यक्षों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस कार्यशाला द्वारा विभाग प्रमुखों को राजभाषा संबंधी नियमों के प्रति जागरूक करना तथा दैनिक कार्यों में इनका प्रयोग सुनिश्चित कराना है। श्री राव ने अतिथि वक्ता होमनिधि शर्मा का स्वागत करते हुए बताया कि इस क्षेत्र में आपका अनुभव तथा प्रेरणादायी कार्यशैली से यह कार्यशाला लाभन्वित होगी।

होमनिधि शर्मा, उप महाप्रबंधक राजभाषा बीडीएल द्वारा प्रथम सत्र में कंठस्थ पर विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी गयी। द्वितीय सत्र में कंठस्थ पर अभ्यास कराया गया।

विभिन्न विभागों के प्रमुखों द्वारा संबंधित पाठ का हिंदी अनुवाद कराया गया तथा इसका संपादन किया गया। अवसर पर विषय से संबंधित समस्याओं का निदान किया गया।

तृतीय सत्र में संसदीय राजभाषा समिति समिति की नवीनतम प्रश्नावली को भरते समय लिए जाने वाली सावधानियाँ, आँकडो की प्रस्तुति, रिपोर्ट आदि पर प्रकाश डाला गया। शुक्ला उपेंद्र कुमार, राजभाषा कर्मी ने संगठन में लागू राजभाषा प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी देते हुए समस्त प्रतिभागियों को बताया कि वे भी हिंदी में कार्य कर इन योजनाओं से लाभान्वित हो सकते हैं। अपने स्वागत भाषण में संयुक्त महाप्रबंधक, अनुसंधान अपूर्व जैन ने स्टेशन पर जारी राजभाषा कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यशाला का उद्घाटन द्वीप प्रजवलन एवं सरस्वती वंदन से की गया। अवसर पर अचिंता कुमार दत्ता, महाप्रबंधक, वियाप्र ने मुख्य अतिथि का स्वागत कर उनका परिचय दिया। गोपकुमार, महाप्रबंधक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला संपन्न हुआ।

वेमुलावाड़ा में हत्या

वेमुलावाड़ा, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार की सुबह कोनायापल्ली रोड पर एक युवक का शव कई चोटों के साथ मिलने से इस मंदिर नगर में एक जघन्य हत्या की घटना ने लोगों को हिलाकर रख दिया। पुलिस का मानना है कि हत्या अवैध संबंध के कारण हुई हो सकती है, लेकिन सभी कोणों से जांच जारी है।

रशीद (35) का शव स्कूटर शोरूम के बगल वाली गली में मिला। शव पर करीब 20 गहरे घाव थे, जो संभवतः चाकुओं और तलवारों से किए गए थे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि करीब 6 महीने पहले अवैध संबंधों के मामले में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच जारी है।

माकुड़ी में ट्रेन की पटरी पार करता दिखा बाघ

कुमरमभीम आसिफाबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला में एक बड़ा बाघ जो निवासियों को आतंकित कर रहा था, उसे हाल ही में जिले के माकुडी में रेलवे ट्रैक पार करते देखा गया। बाघ को देखकर स्थानीय लोग घबरा गए। बाघ तेजी से पटरियों के पार चला गया। संयुक्त आदिलाबाद जिले में हाल ही में बाघ की हलचल लोगों को परेशान कर रहा है। कागजनगर मंडल के गन्नाराम में एक बाघ ने हमला कर एक युवती को मार डाला, अगले दिन दुब्बागुड़ा में एक अन्य किसान पर हमला कर उसे घायल कर दिया। मवेशियों पर हमले जारी हैं। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला सिरपुर (टी) मंडल हुडकिली को बछड़े पर हमला करने के बाद वेमपल्ली रेलवे ब्रिज और माकुडी रेलवे केबिन के पास ट्रेन की पटरी पार करते देखा गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कांग्रेस अंबेडकर और ...

अंबेडकर के न रहने के बाद कांग्रेस ने उन्हें हाशिये पर धकेलने का प्रयास किया। कांग्रेस ने 1951-52 और 54 में बाबा साहेब को हराने की कोशिश की थी। कांग्रेस ने खुद ही अपने आपको भारत रत्न दिया, नेहरू ने 1955 में, इंदिरा ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया। 1990 में अंबेडकर को तब भारत रत्न मिला जब कांग्रेस सत्ता में नहीं थी। अंबेडकर को भारत रत्न ना मिले इसका प्रयास कांग्रेस करती रही। अंबेडकर की 100वीं जयंती मनाने से इनकार कर दिया था। शाह ने कहा कि नेहरूजी की अंबेडकर के लिए नफरत जगजाहिर है।

आंबेडकर पर टिप्पणी ...

संविधान पर बहस के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय गृह मंत्री के भाषण पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, हमारी मांग है कि पीएम मोदी केंद्रीय कैबिनेट से अमित शाह को बर्खास्त करें। उन्होंने आगे कहा कि, पीएम मोदी ने अमित शाह का बचाव करने के लिए छह ट्वीट किए।

इसकी क्या जरूरत थी? अगर कोई बीआर आंबेडकर के बारे में गलत कहता है, तो उसे कैबिनेट से हटा दिया जाना चाहिए।

'सीधे हमारे पास...

पंजाब के अटॉर्नी जनरल गुरमिंदर सिंह ने कहा, डल्लेवाल के साथ बातचीत हुई है। उन्होंने अपने मेडिकल टेस्ट करवाने से इनकार कर दिया है। उनके सभी जरूरी अंग सही तरह से काम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ऑर्डर में कहा, राज्य सरकार के लिए अच्छा नहीं होगा अगर डल्लेवाल को कुछ होता है और आरोप लगते हैं।

उन्हें सभी मेडिकल सुविधाएं मिलती रहें, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे।

जब पंजाब सरकार ने कहा कि डल्लेवाल को भर्ती करना ज्यादा उचित रहेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गाबा टेस्ट ड्रॉ, बदल गए टीम इंडिया के प्वाइंट्स

फाइनल में पहुंचने के लिये दोनों टेस्ट जीतना जरूरी

ब्रिस्बेन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। गाबा टेस्ट होने के बाद टीम इंडिया के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 की तस्वीर और साफ हो गई है. लेकिन उसने अब एक भी गलती की तो उसका फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिल सकता है. आइए जानते हैं कि यहां से अब टीम इंडिया को फाइनल में पहुंचने के लिए क्या-क्या करना होगा.

टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा टेस्ट आखिरकार ड्रॉ पर समाप्त हुआ. पांचवे दिन के अंतिम सत्र में खराब रोशनी की और बारिश की दस्तक के बाद मैच को ड्रॉ कर दिया गया. इसी के साथ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (2023 25) के पॉइंट्स टेबल में भी बदलाव देखने को मिला है. दोनों टीमों के पॉइंट्स बदल गए हैं. वहीं टीम इंडिया के डब्ल्यूटीसी 2025 के फाइनल को लेकर भी नए समीकरण बन गए हैं. आइए देखते हैं कि गाबा टेस्ट ड्रॉ होने के बाद अब टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल का टिकट पाने के लिए क्या-क्या करना होगा?

टेबल में ऑस्ट्रेलिया 2 भारत नंबर 3 पर

दक्षिण अफ्रीका अंक तालिका में 63 .33 प्रतिशत अंकों के साथ नंबर 1 पर ही है. ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर बनी हुई है जबकि टीम इंडिया भी नंबर तीन पर काबिज है. तीसरे टेस्ट के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के अंकों में बदलाव आ गया है. ऑस्ट्रेलिया के अब 58.89 फीसदी अंक है. वहीं भारतीय टीम के 55.88 फीसदी अंक है.

टीम इंडिया को जीतने होंगे अगले दोनों टेस्ट

गाबा टेस्ट के बाद सीरीज बराबरी पर है. भारत और ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले मौजूदा सीरीज में एक-एक मैच जीता था. तीसरे टेस्ट के ड्रॉ पर खत्म होने के बाद टीम इंडिया के लिए डब्ल्यूटीसी फाइनल की तस्वीर और साफ हो गई है. हालांकि अब उसे अगले दोनों मैच जीतने होंगे. इस स्थिति में टीम इंडिया सीधे अगले साल होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी. उसके 60.52 फीसदी अंक हो जाएंगे. जबकि ऑस्ट्रेलिया इस रेस से बाहर हो जाएगी. वहीं दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान के खिलाफ एक भी टेस्ट जीतती है तो वो भी फाइनल में आ जाएगी. तब भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल होगा.

मान लीजिए भारतीय टीम सीरीज के बचे दो मैचों में से एक ही जीत पाती है और एक ड्रॉ पर खत्म होता है तो उसे श्रीलंका का सहारा लेना पड़ सकता है. BGT के बाद ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका से दो मैचों की सीरीज खेलेगी. टीम इंडिया को उम्मीद करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका से हार जाए तब इस स्थिति में टीम इंडिया का फाइनल का टिकट पक्का है. यदि ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका में सीरीज जीत ली तो फिर वो टीम इंडिया को बाहर कर देगी.

रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

287 मैच में 765 विकेट लिए; भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर

नई दिल्ली, , 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया. अश्विन ने गाबा टेस्ट खत्म होते ही रिटायरमेंट का ऐलान किया. रविचंद्रन अश्विन भारतीय टेस्ट इतिहास के अब तक के सबसे कामयाब गेंदबाजों में से एक रहे हैं. इस दौरे पर उन्हें अभी तक एक ही मैच खेलने का मौक़ा मिला है. एडिलेड के बाद वे गाबा टेस्ट से बाहर हो गए थे. गाबा टेस्ट के दौरान अश्विन टीम इंडिया के खिलाड़ियों को गले लगाते हुए नजर आए. उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को गले लगाया. हेड कोच गंभीर से भी अश्विन ने काफी देर तक बातचीत की और फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस में आकर उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया. रोहित शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि अश्विन अब ऑस्ट्रेलिया में नहीं रहेंगे. वो गुरुवार को भारत लौटेंगे.

अश्विन का इंटरनेशनल करियर

आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 106 मैचों में 537 विकेट हासिल किए. उनके नाम 37 फाइव विकेट हॉल हैं और 8 बार उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए. अश्विन ने 156 वनडे विकेट भी हासिल किए. टी20 में अश्विन ने 72 विकेट चटकाए. इंटरनेशनल करियर में उनके नाम 765 विकेट रहे. अश्विन ने बतौर बल्लेबाज भी अपनी छाप छोड़ी. उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 3503 रन हैं और उन्होंने कुल 6 टेस्ट शतक लगाए. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके नाम कुल 8 शतक रहे.

अश्विन ने करियर में क्या हासिल किया?

अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 250, 300 और 350 विकेट हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं. अश्विन भारत के लिए सबसे तेजी से 50, 100, 150, 200, 250, 300, 350, 400, 450 और 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं. अश्विन ने चार मैचों में शतक और पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया है. ये कारनामा करने वाले वो इकलौते भारतीय हैं. अश्विन एक सीजन में सबसे ज्यादा 82 विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे हैं. अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बाएं हाथ के बल्लेबाजों को आउट किया.अश्विन के भारत में सबसे ज्यादा 383 विकेट हैं. अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रेटिंग प्वाइंट हासिल करने वाले खिलाड़ी हैं.

अश्विन ने करियर में क्या-क्या जीता?

अश्विन ने 2 बार एशिया कप जीता, 2010 और 2016 में वो चैंपियन टीम इंडिया का हिस्सा रहे. 2011 में वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे. 2013 में अश्विन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीम में थे.

2016 में अश्विन आईसीसी मेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने

2016 में ही अश्विन आईसीसी मेंस टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी बने. 2015 में अश्विन को अर्जुन अवॉर्ड मिला. अश्विन को 2011 से 2020 के दशक की टेस्ट टीम में जगह मिली.

विश्व कप मुक्केबाजी फाइनल की मेजबानी भारत करेगा

अगले साल होना है मुकाबला

नई दिल्ली, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी करने के लिए तैयार है जो अलग हुई विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) संस्था के प्रति उसके समर्थन की पुष्टि करता है। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) इसके साथ ही तीसरी विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा, जिसमें अध्यक्ष पद और कार्यकारी बोर्ड के चुनाव होंगे।

इस साल की शुरुआत में नए शासी निकाय में शामिल होने का विकल्प चुनने के बाद यह टूर्नामेंट बीएफआई की मेजबानी में पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन होगा। पिछली बार बीएफआई ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'ऐसे प्रतिष्ठित आयोजनों की मेजबानी के लिए विश्व मुक्केबाजी द्वारा मान्यता मिलना भारत के लिए गर्व की बात है। यह भारत की संगठनात्मक उत्कृष्टता को दर्शाने के साथ मुक्केबाजी को ओलंपिक का हिस्सा बनाये रखने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।'

सिंह ने कहा, 'हम खेल की विरासत में योगदान देकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं और 2025 में भारत में वैश्विक मुक्केबाजी समुदाय का स्वागत करने के लिए तैयार हैं।' इस टूर्नामेंट की तारीखों की घोषणा जनवरी में होगी। साल का पहला विश्व मुक्केबाजी कप मार्च में ब्राजील में आयोजित किया जाएगा, इसके बाद जर्मनी, कजाकिस्तान और भारत में प्रतियोगिताएं होंगी।

विश्व मुक्केबाजी के अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने कहा, '2024 में हमारी पहली विश्व मुक्केबाजी कप सीरीज की भारी सफलता के बाद यह देखना शानदार है कि हमारे पास 2025 में प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए चार मजबूत दावेदार हैं। मैं समर्थन और प्रतिबद्धता के लिए ब्राजील, जर्मनी, कजाकिस्तान और भारत के राष्ट्रीय महासंघों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।'

उन्होंने कहा, 'मैं विश्व मुक्केबाजी कप और 2025 में नयी दिल्ली में हमारी अगली कांग्रेस की मेजबानी के लिए समर्थन के लिए भारतीय मुक्केबाजी महासंघ का भी बहुत आभारी हूं।' डब्ल्यूबी एक अलग हुआ अंतरराष्ट्रीय महासंघ है जिसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) से मान्यता प्राप्त करना और यह सुनिश्चित करना है कि मुक्केबाजी ओलंपिक खेलों का हिस्सा बना रहे। आईबीए का दर्जा छीने जाने के बाद पिछले साल अप्रैल में गठित डब्ल्यूबी के सदस्यों की संख्या 60 तक पहुंच गई है। उम्मीद है कि आईओसी अगले साल की शुरुआत में इसकी मान्यता पर फैसला लेगी।

सीएम स्टालिन ने विश्व विजेता गुकेश को किया सम्मानित

चेस अकादमी की स्थापना का एलान किया

चेन्नई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे युवा शतरंज चैंपियन डी गुकेश को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सम्मानित किया। राज्य सरकार द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने विश्व शतरंज विजेता पांच करोड़ रुपये का चेक थमाया और शॉल पहनाई। इस दौरान उन्होंने राज्य में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए और उन्हें तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी स्थापित करने का भी एलान किया। सीएम स्टालिन ने कहा, भारत के 85 में से 31 शतरंज ग्रैंडमास्टर तमिलनाडु के हैं। यह सम्मान केवल गुकेश के लिए ही नहीं बल्कि सभी उपलब्धि हासिल करने वालों के लिए है। प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उपलब्धि हासिल करने वालों को तैयार करने के लिए शतरंज अकादमी की स्थापना की जाएगी।

स्टालिन ने आगे कहा, मैं 18 साल की छोटी उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बनने के लिए हमारे गुकेश की सराहना करता हूं। हमारे चेन्नई के लड़के ने एक रिकॉर्ड बनाया है और पूरी दुनिया उसकी सराहना कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गुकेश के माता-पिता को मंच पर आने के लिए कहा और उनकी मौजूदगी में चेक सौंपा।'हमें लाखों गुकेश बनाने चाहिए'

कार्यक्रम में स्टालिन ने कहा कि गुकेश 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए थे और 18 साल की उम्र में विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। उन्होंने कहा, इसलिए उन्हें अपनी प्रेरणा मानें और सफलता हासिल करें। हमें लाखों गुकेश बनाने चाहिए।

संजू सैमसन को मिली गलती की सजा

टीम से बाहर होने की बड़ी वजह आई सामने

तिरुवनंतपुरम, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। संजू सैमसन के टीम से बाहर होने की वजह का खुलासा हो चुका है. हम यहां टीम इंडिया से नहीं बल्कि उनके केरल की टीम से बाहर होने की वजह की बात कर रहे हैं. दरअसल, केरल की टीम का ऐलान विजय हजारे ट्रॉफी के लिए किया जा चुका है. लेकिन, उसमें संजू सैमसन को जगह नहीं मिली है.

संजू सैमसन को विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल की टीम में नहीं चुना गया. ये खबर तो पहले ही आ चुकी थी. लेकिन, संजू सैमसन जैसे स्टार खिलाड़ी को केरल की टीम से क्यों बाहर किया गया? क्यों सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में केरल की कमान संभालने वाले सैमसन को विजय हजारे के लिए नहीं चुना गया? उसकी वजह अब सामने आई है. इसके तार दरअसल सैमसन के केरल की टीम के कैंप का हिस्सा नहीं बनने से जुड़े हैं. अब एक फैसला सैमसन ने लिया तो एक केरल की टीम के सेलेक्टर्स ने भी ले लिया. नतीजा ये हुआ कि संजू सैमसन को विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर होना पड़ा.

30 खिलाड़ियों में थे सैमसन पर कैंप का हिस्सा नहीं बने

संजू सैमसन का नाम उन 30 संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में था जो कैंप का हिस्सा बनने वाले थे. लेकिन, सैमसन इस कैंप से बाहर रहे. ऐसे में सेलेक्टर्स ने उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी के लिए नहीं चुनने का फैसला किया. केरल की टीम का कैंप वायनाड में लगा था, जहां विजय हजारे ट्रॉफी के लिए 19 सदस्यीय टीम के फाइनल ऐलान से पहले कृष्णगिरी स्टेडियम में 2 प्रैक्टिस मैच भी खेले गए.

ईमेल से दी थी कैंप से बाहर रहने की जानकारी

केरल क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी विनोद एस. कुमार ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि सैमसन की ओर से उन्हें ईमेल प्राप्त हुआ था, जिसमें उनके शामिल नहीं होने के बारे में जानकारी थी. टीम ने वायनाड में उनके बिना ही कैंप किया. सेलेक्शन के लिए हमने उन नामों पर ही विचार किया जो कैंप का हिस्सा थे. उन्होंने बताया कि सेलेक्शन को लेकर सैमसन से आगे फिर कोई बात नहीं हुई.

सैमसन के साथ इस खिलाड़ी को भी नहीं चुना गया

सैमसन के अलावा सचिन बेबी भी विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल की टीम का हिस्सा नहीं होंगे. सचिन बेबी के बाहर होने की वजह सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान हुई इंजरी है. सेलेक्टर्स ने बताया कि सचिन बेबी को शामिल करने पर फैसला 21 दिसंबर के बाद लिया जाएगा.

सैमसन की जगह ये होगा केरल का कप्तान

संजू सैमसन केरल की टीम के कप्तान भी हैं. ऐसे में सवाल ये भी है कि उनकी गैर-हाजिरी में विजय हजारे ट्रॉफी में कमान कौन संभालेगा. सेलेक्टर्स ने ये जिम्मेदारी सलमान निजार को सौंपा है.

स्मृति मंधाना ने 1434 रन जड़कर मचाई खलबली

वर्ल्ड क्रिकेट में ठोका बड़ा दावा

मुंबई, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसे भारत के मेंस क्रिकेट में विराट कोहली हैं. वैसे ही महिलाओं की क्रिकेट में स्मृति मंधाना हैं. कमाल की बात ये है कि दोनों की जर्सी का नंबर भी 18 है. हालांकि, इस साल फॉर्म के मामले में मंधाना, विराट से काफी आगे रही हैं. मंधाना के फॉर्म का ताजा उदाहरण वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे T20 इंटरनेशनल में किया उनका धमाका है. लेकिन, हम यहां मंधाना की सिर्फ उस एक इनिंग की बात नहीं करेंगे बल्कि उनके बल्ले से अब तक निकले उस पूरे 1434 रन की बात करेंगे, जिसके बाद खलबली मची है. और, जिसने मंधाना को एक बड़ी उपलब्धि को हासिल करने का टॉप कंटेंडर बना दिया है.

स्मृति मंधाना ने जड़े 1434 रन!

अब सवाल है कि स्मृति मंधाना ने 1434 रन जड़े कैसे? तो इन 1434 रनों का कनेक्शन इस साल उनके बल्ले से निकले टोटल रन से है. क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट को मिलाकर स्मृति मंधाना ने इस साल 1434 रन जड़े हैं. रनों के इसी करिश्माई आंकड़े के चलते स्मृति वर्ल्ड क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि को पाने की टॉप कंटेंडर भी बन चुकी है. ये बड़ी उपलब्धि आईसीसी वुमन क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड है, जिसकी वो हकदार हो सकती हैं.

तीनों फॉर्मेट मिलाकर ठोके अब तक 1434 रन, 5 शतक

स्मृति मंधाना ने साल 2024 में वनडे क्रिकेट में अब तक 59.90 की औसत से 599 रन बनाए हैं. वहीं T20I में उनके इस साल अब तक 40.4 की औसत से 686 रन हैं. जबकि टेस्ट में 149 की औसत से मंधाना ने 149 रन बनाए हैं. इस साल अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में मंधाना ने 5 शतक और 8 अर्धशतक जड़े हैं.

स्मृति मंधाना की ICC की रैंकिंग में तो धाक पहले से है, जहां वो वनडे और T20I में टॉप 3 में मौजूद पहली खिलाड़ी हैं. इस पूरे साल क्रिकेट की पिच पर भी उनका जलवा दिखा है. आंकड़े उसकी कहानी भी कह रहे हैं. यही वजह है कि मंधाना को आईसीसी वुमन क्रिकेट ऑफ द ईयर के कंटेंडर के तौर पर देखा जा रहा है.

मंधाना बना सकती हैं वर्ल्ड रिकॉर्ड

स्मृति मंधाना वेस्टइंडीज के खिलाफ बैक टू बैक फिफ्टी जड़ चुकी हैं. पहले T20 में उन्होंने 54 रन जबकि दूसरे में 62 रन बनाए. अब अगर वो तीसरे T20 में भी अर्धशतक जड़ती हैं तो अपने करियर में 30वीं बार ऐसा करते हुए सूजी बेट्स से आगे निकल जाएंगी और सबसे ज्यादा T20I अर्धशतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बना देंगी.

न्यूजीलैंड को मिला नया कप्तान

मिचेल सेंटनर खिलाड़ी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

वेलिंगटन, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली है। जिसमें टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। इस सीरीज में तेज गेंदबाज टिम साउदी ने अपने टेस्ट करियर का आखिरी मैच भी खेला। वहीं अब न्यूजीलैंड को व्हाइट बॉल क्रिकेट में नया कप्तान मिला है। स्पिन गेंदबाज मिचेल सेंटनर को टीम का नया कप्तान बनाया गया है।

टी20 विश्व कप 2024 में न्यूजीलैंड का प्रदर्शन खराब रहा था। जिसके बाद केन विलियमसन ने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। जिसके बाद अब मिचेल सेंटनर को ये बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले भी सेंटनर न्यूजीलैंड के लिए कप्तानी कर चुके हैं।

उन्होंने 24 टी20 और 4 वनडे मैचों में कप्तानी की है। अब सेंटनर की नई जिम्मेदारी दिसंबर में श्रीलंका के साथ होने वाली सीरीज से शुरू होगी।

व्हाइट बॉल क्रिकेट टीम के कप्तान बनने पर मिचेल सेंटनर ने कहा कि “यह एक नई चुनौती है और मैं सफेद गेंद क्रिकेट के महत्वपूर्ण दौर में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं जो हमारे सामने है। जब आप छोटे बच्चे होते हैं तो हमेशा न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना होता है, लेकिन दो प्रारूपों में अपने देश का आधिकारिक रूप से नेतृत्व करने का अवसर मिलना विशेष है।”

सैम अय्यूब का शतक, सलमान आगा ने भी किया कमाल

आखिरी ओवर में जीता पाकिस्तान

खेल डेस्क, 18 दिसंबर (एजेंसियां)। साउथ अफ्रीका से टी20 सीरीज गंवाने के बाद पाकिस्तान ने वनडे सीरीज का आगाज कमाल किया है. पार्ल के बोलैंड पार्क में हुए पहले मुकाबले में पाकिस्तान को 3 विकेट से जीत मिली. साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 9 विकेट पर 239 रन बनाए, जवाब में पाकिस्तान ने लक्ष्य आखिरी ओवर में तीन गेंद पहले हासिल किया. पाकिस्तान की जीत में सैम अय्यूब ने शानदार शतक ठोका. उनके बल्ले से 119 गेंदों में 109 रन निकले. वहीं सलमान आगा ने नाबाद 82 रन बनाए. इसके अलावा वो 4 विकेट लेने में भी कामयाब रहे, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड हासिल हुआ. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का इंटरनेशनल करियर थोड़ी मायूसियत के साथ शुरू हुआ था लेकिन अब ये खिलाड़ी अपनी छाप छोड़ने लगा है. सैम अय्यूब ने महज 7वीं वनडे पारी में दूसरा शतक जड़ा है और ये दोनों विदेशी सरजमीं पर निकले हैं. 239 रनों का पीछा कर रही पाकिस्तानी टीम के लिए ये लक्ष्य आसान नहीं था. अब्दुल्लाह शफीक बिना खाता खोले ही आउट हो गए. बाबर आजम ने शुरुआत तो अच्छी की लेकिन वो 23 रन बनाकर आउट हो गए. कप्तान रिजवान भी 1 ही रन बना सके.कामरान गुलाम 4 रन पर रन आउट हो गए. नतीजा पाकिस्तान ने 60 रन पर चार विकेट गंवा दिए.

इसके बाद सैम और सलमान आगा ने कमाल की साझेदारी कर पाकिस्तान को पहले संकट से उबारा और फिर शतकीय साझेदारी कर पाकिस्तान को जीत भी दिलाई. सैम अय्यूब की बात करें तो इस खिलाड़ी ने 72 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसके बाद वो काफी तेजी से खेले. सलमान आगा ने दूसरी ओर तेजी से बल्लेबाजी की और दोनों ने पांचवें विकेट के लिए महज 98 गेंदों में 100 रन जोड़ दिए. सैम अय्यूब की शुरुआत धीमी थी लेकिन इसके बावजूद वो सिर्फ 112 गेंदों में शतक तक पहुंच गए. सलमान आगा ने भी 61 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया. सैम अय्यूब और इरफान खान को आउट कर रबाडा ने मैच को रोमांचक बनाया लेकिन अंत में सलमान ने पाकिस्तान को पहला वनडे मैच जिता दिया. साउथ अफ्रीका की ओर से हेनरिक क्लासेन ने अच्छी पारी खेली. उन्होंने 86 रन बनाए. साउथ अफ्रीकी ओपनर टोनी डी जोर्जी ने 33 रन बनाए. रिकल्टन ने 36 रनों की पारी खेली. कप्तान मार्करम ने 35 रन बनाए. सभी को शुरुआत मिली लेकिन वो बड़ी पारी नहीं खेल सके, नतीजा साउथ अफ्रीका बड़े स्कोर तक नहीं पहुंचा और अंत में उसे हार मिली.

सीएम रेवंत ने 'चलो राजभवन' विरोध प्रदर्शन में भाग लिया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्रियों और विधायकों सहित तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने बुधवार को हैदराबाद में अदाणी मुद्दे पर "चलो राजभवन" विरोध कार्यक्रम में भाग लिया। यह विरोध प्रदर्शन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के आह्वान पर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) द्वारा अपने अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता उद्योगपति गौतम आदाणी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारे लगाते हुए नेकलेस रोड से पैदल राजभवन पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इन मुद्दों पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अदाणी की कंपनियों ने अमेरिका में रिश्वत की पेशकश की थी और अमेरिकी सरकार ने उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। रेवंत रेड्डी ने मांग की कि अदाणी के खिलाफ जांच होनी चाहिए, जिन्होंने देश की छवि खराब की है। जेसीसी को इस प्रकरण की जांच का नेतृत्व करना चाहिए। केंद्र अदाणी के भ्रष्टाचार पर चर्चा करने और जेपीसी बनाने के लिए तैयार नहीं है। अगर ऐसा होता है, तो अदाणी को जेल जाना पड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर इस मुद्दे पर जेपीसी नहीं बनाई गई, तो हम राष्ट्रपति भवन में धरना देंगे। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि विभिन्न मामलों में गिरफ्तारी से बचने के लिए बीआरएस पार्टी ने भाजपा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है और यही कारण है कि वह अदाणी के खिलाफ नहीं बोल रही है। "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव अलग-अलग नहीं हैं। दोनों एक सिक्के की तरह हैं। अगर बीआरएस में ईमानदारी है तो उसे अदाणी के भ्रष्टाचार पर जेपीसी की मांग करनी चाहिए।"

29 दिसंबर से 15 दिवसीय पुष्प एवं बागवानी महोत्सव

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति निलयम, बोलारम, सिकंदराबाद में 29 दिसंबर, 2024 से 15 दिवसीय पुष्प एवं बागवानी महोत्सव 'उद्यान उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। उद्यान उत्सव का आयोजन प्रकृति का जश्न मनाने, लोगों की भागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। आगंतुक विषयगत स्टालों पर जाकर और कार्यशालाओं में भाग लेकर कृषि और बागवानी में नवाचार और तकनीकी विकास के बारे में खुद को जागरूक कर सकते हैं।

बुधवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उद्यान उत्सव के उद्घाटन की तैयारियों और आगंतुकों के लिए सुविधाओं की समीक्षा की।

उन्होंने राष्ट्रपति निलयम के आगंतुक सुविधा केंद्र में मिट्टी कैफे के एक भोजनालय और एक स्मारिका दुकान का उद्घाटन किया। उन्होंने परिसर में खाद बनाने की प्रक्रिया को देखने के लिए खाद इकाई का भी दौरा किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह खाद इकाई बगीचे के कचरे से जैविक खाद बनाकर एक मिसाल कायम करेगी। उद्यान उत्सव का आयोजन कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) हैदराबाद और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से किया जा रहा है।

पोंगुलेटी ने विधानसभा में भू भारती विधेयक-2024 पेश किया

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में तेलंगाना भू भारती विधेयक-2024 पेश किया, जिसमें आम लोगों के भूमि अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया गया। मंत्री ने इस अवसर को अपने करियर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। विधेयक के परिचय के दौरान बोलते हुए, मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि यह अधिनियम पिछले आरओआर अधिनियम, 2020 का व्यापक सुधार है। एक समर्पित वेबसाइट के माध्यम से 40 दिनों के सार्वजनिक फीडबैक और बुद्धिजीवियों, कवियों, सेवानिवृत्त अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के सुझावों सहित व्यापक परामर्श के बाद, संशोधित अधिनियम को पिछली कमियों को दूर करने और भूमि प्रशासन के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था। मंत्री श्रीनिवास रेड्डी ने भूमि मालिकों और हितधारकों को आश्वासन दिया कि भू भारती को कम से कम एक सदी तक चलने के लिए डिजाइन किया गया है, जो भूमि अधिकारों की रक्षा के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि विधेयक राजस्व रिकॉर्ड में सुधार करने का अवसर प्रदान करेगा, जिसमें राजस्व डेटा की कम्प्यूटरीकृत और मैनुअल दोनों प्रतियों की सुरक्षा करके मैनुअल रिकॉर्ड त्रुटियों को कम करना शामिल है। इसी तरह, भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन के लिए छह सरलीकृत मॉड्यूल पेश किए गए हैं, जो धरनी के पहले के 33 मॉड्यूल की जटिलता को कम करते हैं। इसके अलावा, पहानी रिकॉर्ड को 11 कॉलम तक विस्तारित किया गया है, जो पहले के एकल-स्तंभ प्रारूप में छोड़े गए आवश्यक विवरणों को बहाल करता है, उन्होंने खुलासा किया। पोंगुलेटी ने यह भी वादा किया कि पिछली सरकार के तहत देखी गई देरी से बचने के लिए नियमों का मसौदा तीन महीने के भीतर तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुद्दों को तेजी से हल करने के लिए ग्राम स्तर पर राजस्व सम्मेलन आयोजित करेगी और बेहतर शासन के लिए सभी मौजूदा अधिनियमों को शामिल करते हुए एक एकीकृत भूमि कानून बनाएगी। भू भारती विधेयक-2024 की मुख्य विशेषताएं पिछले मुद्दों को संबोधित करना: यह अधिनियम ग्रामीण और ग्राम निपटान समस्याओं सहित भाग ए और भाग बी श्रेणियों के तहत 18 लाख एकड़ भूमि के मुद्दों को हल करता है। स्थायी भूमि विवाद समाधान: एक आनंद सर्वेक्षण तंत्र की शुरुआत करके, अधिनियम भविष्य के विवादों को रोकने का प्रयास करता है। अपील तंत्र: भूमि पंजीकरण के दौरान म्यूटेशन में अपील और त्रुटियों को संभालने के लिए एक नया प्राधिकरण स्थापित किया जा रहा है। उत्तराधिकार अधिकार: यह अधिनियम बिक्री विलेख, उत्तराधिकार और अदालती आदेशों सहित भूमि अधिकारों की 14 श्रेणियों को कवर करने के लिए म्यूटेशन शक्तियों का विस्तार करता है। सरलीकृत भूमि रिकॉर्ड: यह अधिनियम सभी भूमि पार्सल के लिए एक भू भारती नंबर पेश करता है, जो व्यक्तियों के लिए आधार की तरह है। शिकायतों के लिए न्यायाधिकरण: भूमि न्यायाधिकरण विवादों और अपीलों को संबोधित करेंगे, जिसमें सरकार आवश्यकता के आधार पर संख्या तय करेगी।

जानवरों को ठंड से बचाने के लिए अतिरिक्त उपाय

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में शीत लहर जैसी स्थिति है और कई जगहों पर तापमान एक अंक में पहुंच गया है, ऐसे में नेहरू प्राणी उद्यान ने अपने निवासियों को इस सर्दी के मौसम में गर्म और स्वस्थ रखने के लिए कई कदम उठाए हैं। हीटर की व्यवस्था करने से लेकर, बाड़ों को हरे और बोरों से ढकने से लेकर एयर कंडीशनर बंद करने तक, चिड़ियाघर के अधिकारियों ने निवासियों की सुरक्षा के लिए कई तरह के उपाय किए हैं।

शहर में तापमान में तेजी से गिरावट के साथ, मांसाहारी जानवरों, प्राइमेट्स और भालुओं के सभी नाइट हाउस में हीटर की व्यवस्था की गई है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्हें कड़ाके की ठंड में, खासकर रात में, तकलीफ न हो। चूंकि मांसाहारी जानवरों को सर्दियों के दौरान पैरों के क्षेत्र में ऐंठन होने की संभावना होती है, इसलिए, चिड़ियाघर के अधिकारियों ने इन जानवरों के नाइट हाउस में लकड़ी के तख्तों की व्यवस्था की है। हीटर के अलावा, सामान्य लंगूरों के बाड़ों और मांसाहारी जानवरों के घरों के दरवाजों और खिड़कियों को हरे रंग और बोरों से ढक दिया गया है ताकि ठंडी हवाओं को रोका जा सके और यह सुनिश्चित किया जा सके कि जानवर निमोनिया से पीड़ित न हों।

कल राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया जाएगा

हैदराबाद, 18 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 20 दिसंबर को होने वाले महत्वपूर्ण समारोह की प्रस्तावना के रूप में, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया जाएगा, यह जानकारी कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद के कमांडेंट मेजर जनरल हर्ष छिब्बर, वीएसएम ने दी। कमांडेंट ने कहा कि राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया जाना संस्थान के लिए बहुत सम्मान और गौरव की बात है, जो देश के लिए अपने उत्कृष्ट योगदान और सेवा के लिए सशस्त्र बलों की स्थापना के लिए सर्वोच्च सम्मान है। ध्वज प्रदान किया जाना सीडीएम के विकास में एक ऐतिहासिक अध्याय को चिह्नित करेगा और पेशेवर सैन्य प्रशिक्षण के लिए अग्रणी संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करेगा। कमांडेंट ने इस बात पर जोर दिया कि सीडीएम भविष्य के लिए तैयार है और उत्कृष्टता की अपनी विरासत को जारी रखने के लिए तैयार है। बहु-डोमेन युद्ध के बढ़ते महत्व के साथ, सीडीएम का पाठ्यक्रम अगली पीढ़ी के सैन्य नेताओं की मांगों को पूरा करने के लिए विकसित हो रहा है। कॉलेज वैश्विक रक्षा संस्थानों के साथ अपनी साझेदारी का विस्तार करने के लिए तैयार है, और इसके संकाय नए युग की सैन्य रणनीतियों और प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

इसने भारतीय सामरिक संस्कृति का प्रचार करने के लिए संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से भारतीय सामरिक संस्कृति और विचार मंच (FISCT) के माध्यम से प्राचीन भारतीय युद्ध प्रणाली के अध्ययन को बढ़ावा देने की भी शुरुआत की है।

हैदराबाद में कम हुई शीतलहर

ग्रामीण तेलंगाना में कड़ाके की ठंड जारी

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। भीषण शीतलहर की स्थिति से दोनों शहरों के लोगों को राहत मिली है, मंगलवार रात से बुधवार तड़के तक न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे दो से तीन डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने लगी है।

तेलंगाना राज्य के कई जिले तीव्र शीतलहर की चपेट में बने हुए हैं, जिसमें कोमाराम भीम आसिफाबाद जिले के सिरपुर में सबसे कम न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि आदिलाबाद के बेला में 6.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

पिछले 48 घंटों में हैदराबाद के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान एक अंक में दर्ज किया गया था, लेकिन बुधवार सुबह दोनों शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया गया।

तेलंगाना विकास योजना सोसाइटी (टीएसडीपीएस) के मौसम संबंधी आंकड़ों के आधार पर, मंगलवार रात और बुधवार सुबह के बीच हैदराबाद में दर्ज न्यूनतम तापमान का औसत राजेंद्रनगर में 10.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसके बाद बीएचईएल फैक्ट्री में 10.9 डिग्री सेल्सियस और हैदराबाद विश्वविद्यालय में 11.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कल तक हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस से 7.5 डिग्री सेल्सियस के आसपास था और एक रात के भीतर परिसर में न्यूनतम तापमान में कम से कम 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई। मौला अली, एक अन्य क्षेत्र जहां पिछले दो-तीन दिनों से लगातार % डिग्री सेल्सियस से 8 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ तीव्र शीत लहर की स्थिति देखी गई, वहां बुधवार की सुबह न्यूनतम तापमान बढ़कर 11.6 डिग्री सेल्सियस हो गया। हालांकि, आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, निर्मल, संगारेड्डी, कामारेड्डी और विकाराबाद सहित तेलंगाना राज्य के अन्य हिस्सों में न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस और 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

बिहार के युवक की चाकू घोंपकर हत्या

वारंगल, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार के 18 वर्षीय एक युवक की बुधवार सुबह करीमाबाद इलाके के एसआरआर गार्डन में हत्या कर दी गई। उसकी पहचान बिहार के कागरिया इलाके के दिलकुश कुमार के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय लोगों ने दिलकुश को एसएसआर गार्डन में खून से लथपथ देखा और पुलिस को सूचना दी। उसके पेट और छाती पर चाकू के निशान पाए गए। पुलिस ने प्रारंभिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

सरपंचों की अनदेखी के लिए कांग्रेस की आलोचना

कविता ने की लंबित बिलों के तत्काल भुगतान की मांग

हैदराबाद, 18 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार पर बड़े ठेकेदारों से संबंधित बकाया राशि जारी करने और धन की कमी के कारण गंभीर संकट का सामना कर रहे सरपंचों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने सरकार से सरपंचों के लंबित बिलों का तुरंत भुगतान करने की मांग की। बुधवार को विधान परिषद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कविता ने कांग्रेस सरकार पर पिछले एक साल से गरीब सरपंचों, एमपीटीसी, जेडपीटीसी और छोटे ठेकेदारों के बिलों का भुगतान न करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने बड़े ठेकेदारों के 10,000 करोड़ रुपये के बिलों का भुगतान कर दिया और आर्थिक तंगी से जूझ रहे सरपंचों के बिलों की अनदेखी की।

लंबित बिलों का भुगतान न कर पाने के लिए राज्य सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए बीआरएस एमएलसी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने परिषद को सूचित किया है कि राज्य को वित्त आयोग से 2,819 करोड़ रुपये का अनुदान मिला है, जिसका इस्तेमाल सरपंचों के लंबित बिलों का भुगतान करने में किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरपंचों से संबंधित अधिकांश बिल 10 लाख रुपये से कम के हैं, इसलिए सरकार से उन्हें जल्द से जल्द निपटाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार 100 करोड़ रुपये जारी कर दे तो सरपंचों के लंबित बिल आसानी से चुकाए जा सकते हैं। मैं सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करती हूं कि लंबित बिलों का भुगतान किया जाए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.